पांच लाख टन गेहूं के आटे का निर्यात करेगी सरकार, 3 साल बाद प्रतिबंध में आंशिक ढील
-10

जमीन के बदले नौकरी के मामले में लालू की याचिका पर फैसला सुरक्षित
-7

हमारे पड़ोस में आतंकवादी ढांचे को बढ़ावा देने में मदद न करें: जयशंकर
-11

भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने कहा- अच्छी शुरुआत बड़े स्कोर में बदलना होगा
-12

आज का मौसम

24.0⁰ अधिकतम तापमान

8.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.57 सूर्यास्त 05.40

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष द्वितीया 02:42 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 20 जनवरी 2026, वर्ष 35, अंक 351, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

स्वागत है मित्र...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर संयुक्त अरब अमीरात(यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने सोमवार को कुछ देर के लिए भारत का दौरा किया। प्रोटोकाल तोड़कर मोदी ने दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान को गले लगाया, गर्मजोशी से स्वागत किया। दोनों नेताओं ने व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा भी की।

खबर-राष्ट्रीय पेज 7 पर...

नितिन नवीन ही होंगे भाजपा के अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष

- पक्ष में दाखिल किए नामांकन के 37 सेट, सभी वैध पाए

नई दिल्ली, एजेंसी

नितिन नवीन का सोमवार को नामांकन के दिन ही भाजपा का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना तय हो गया। पार्टी के शीर्ष पद के लिए हो रहे चुनाव में एकमात्र उम्मीदवार हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी के. लक्ष्मण के मुताबिक उनके पक्ष में नामांकन पत्रों के 37 सेट दाखिल किए गए जिन्हें वैध पाया गया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नवीन की उम्मीदवारी का प्रस्ताव रखने वालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हैं। इसके अलावा पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी सहित कई वरिष्ठ भाजपा नेता भी उनके प्रस्तावक बने। लक्ष्मण ने बताया कि कार्यक्रम के अनुसार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नामांकन की प्रक्रिया सोमवार को अपराह्न दो बजे से चार बजे के बीच पूरी हो गई। उन्होंने कहा, नितिन नवीन के पक्ष में दाखिल सभी 37 नामांकन सेट वैध पाए गए हैं।

भाजपा अध्यक्ष की नामांकन प्रक्रिया में पहुंचे शाह, राजनाथ समेत कई वरिष्ठ नेता।

योगी समेत कई मुख्यमंत्री हुए शामिल

नामांकन प्रक्रिया शुरू होने से पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी पार्टी मुख्यालय पहुंचे। इन मुख्यमंत्रियों ने नामांकन प्रक्रिया में हिस्सा लिया।

मोदी की मौजूदगी में संभालेंगे नई जिम्मेदारी

भाजपा के सबसे युवा अध्यक्ष बनने जा रहे नितिन नवीन को मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में पूर्णकालिक स्थाई अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। सोमवार को ही भाजपा मुख्यालय में नए अध्यक्ष की ताजपोशी को लेकर होने वाले कार्यक्रम के लिए तैयारियां शुरू हो गईं। पार्टी सूत्रों के अनुसार नितिन नवीन को आधिकारिक रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किए जाने के अवसर पर पार्टी मुख्यालय में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटने का अनुमान है। करीब 45 साल की उम्र में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने वाले नितिन नवीन पहले नेता हैं।

न्यूज ब्रीफ

पूर्व आईपीएस अफसर अमिताभ ठाकुर को जमानत मिली

देवरिया। धोखाधड़ी मामले में देवरिया जेल में बंद पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर को सोमवार को जिला जज की अदालत से जमानत मंजूर हो गई लेकिन उनकी पत्नी नूतन ठाकुर की अग्रिम जमानत अर्जी को अदालत ने खारिज कर दिया। डीजीसी क्राइम राजेश मिश्रा के मुताबिक अब नूतन को हाईकोर्ट जाना होगा या अदालत में समर्पण करना होगा। अमिताभ ठाकुर के खिलाफ लखनऊ में भी मुकदमा दर्ज हैं और वहां की अदालत से जारी वारंट बी देवरिया जेल में तामील करा दिया गया है। उनकी रिहाई अभी आसान नहीं होगी।

लद्दाख में 5.7 तीव्रता का भूकंप, नुकसान नहीं

लेह। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह जिले में सोमवार को 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। हालांकि अधिकारियों के मुताबिक भूकंप के कारण किसी प्रकार का नुकसान होने की कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप के झटके दिन में 11:51 बजे महसूस किए गए। एनसीएस ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि भूकंप का केंद्र 171 किलोमीटर की गहराई में 36.71 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 74.32 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था।

किश्तवाड़ में मुठभेड़ के दौरान एक की मौत, आतंकी ठिकाना मिला

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में गंभीर रूप से घायल एक पैराट्रूपर ने सोमवार को दम तोड़ दिया। इलाके में तलाशी अभियान में सुरक्षा बलों ने एक संदिग्ध आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया गया जिसमें सर्दियों के लिए राशन भरा हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि छात्रू क्षेत्र के मन्द्राल-सिंहपुरा के पास सोनार गांव में रविवार को अभियान शुरू किया गया था और इस दौरान वहां छिपे आतंकवादियों की गोलीबारी ग्रेनेड से हमले में आठ सैनिक घायल हो गए थे। छात्रू में अभियान त्राशी-1 जारी है। अभियान का दायरा बढ़ा दिया गया है।

पीठासीन अधिकारी चाहे जिस दल के हों, निष्पक्ष होना चाहिए

ओम बिरला का पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में अनुशासन-जवाबदेही पर जोर

- कहा- सदन जितना अधिक चलेगा लोकतंत्र उतना ही होगा मजबूत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि विधायिका लोकतंत्र का वह मंच है, जहां जनता की आवाज शासन तक पहुंचती है और समाधान का रास्ता निकलता है। ऐसे में राज्य विधानमंडलों की कार्यवाही का घटता समय लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है। राज्य विधानसभाओं की कार्यवाही के लिए एक निश्चित और पर्याप्त समय सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सदन जितना अधिक चलेगा, उतनी ही अधिक सार्थक, गंभीर और परिणामोन्मुख चर्चा संभव होगी।

बिरला सोमवार को विधानसभा में आयोजित तीन दिवसीय 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में पहले दिन बतौर मुख्य अतिथि यह भी कहा कि पीठासीन अधिकारी चाहे जिस भी राजनीतिक दल से आते हों, उनका आचरण दलगत राजनीति से हटकर न्यायपूर्ण, निष्पक्ष, संतुलित होना चाहिए। पीठासीन अधिकारी का व्यवहार केवल निष्पक्ष होना ही नहीं बल्कि निष्पक्ष दिखना भी चाहिए, ताकि सदन की गरिमा और जनता का विश्वास बना रहे। बिरला ने कहा कि सोशल मीडिया के इस दौर में जनप्रतिनिधियों के प्रत्येक आचरण पर जनता की पैनी निगाह रहती है। ऐसे में संसदीय शिष्टाचार, अनुशासन और सदन की प्रामाणिकता बनाए रखना कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है। यह केवल नियमों से नहीं, बल्कि व्यवहार और परंपराओं के पालन से संभव है। सम्मेलन में 28 राज्यों, तीन केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं व छह विधान परिषदों के पीठासीन अधिकारियों ने भाग लिया। यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सम्मेलन में पीठासीन अधिकारियों के समक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शुभकामना संदेश पढ़कर सुनाया।

लखनऊ विधान सभा में सम्मेलन में बोलते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला।

ये लोकतांत्रिक सहयोग का मजबूत मंच : राज्यपाल

इसके पहले सम्मेलन का उद्घाटन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन जैसे मंच राज्यों के बीच संवाद, सहयोग और सर्वोत्तम संसदीय प्रथाओं के आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि यह सम्मेलन विधायी संस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाएगा।

आज इन मुद्दों पर होगा मंथन

मंगलवार को सम्मेलन में विधायी प्रक्रियाओं में तकनीक व डिजिटल टूल्स के उपयोग, विधायकों का क्षमता निर्माण व प्रशिक्षण, जनता के प्रति विधायिका की जवाबदेही और संसदीय शिष्टाचार और सदन की गरिमा बनाए रखने के उपाय के मुद्दों पर मंथन होगा।

बंगाल में तार्किक विसंगतियों की सूची प्रदर्शित करे आयोग

- एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश, 1.25 करोड़ मतदाता शामिल हैं सूची में
- मतदाताओं के दस्तावेज और आपत्तियां भी स्वीकार करनी होंगी आयोग को

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि वह पश्चिम बंगाल के ग्राम पंचायत भवनों, तालुका प्रखंड कार्यालयों और वार्ड कार्यालयों में ''तार्किक विसंगतियों'' की सूची में शामिल लोगों के नाम प्रदर्शित करे, साथ ही वहां उनके दस्तावेज और आपत्तियां भी स्वीकार की जाएं। कोर्ट यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और इससे किसी को असुविधा नहीं होनी चाहिए।

राज्य में 2002 की मतदाता सूची से संतानों के संबंध में तार्किक विसंगतियों में माता-पिता के नाम का बेमेल होना और मतदाता और उनके माता-पिता के बीच आयु का अंतर 15 वर्ष से कम या 50 वर्ष से अधिक होना शामिल है। राज्य में 1.25 करोड़ मतदाताओं के तार्किक विसंगतियों की सूची में शामिल होने पर संज्ञान लेते हुए सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की की पीठ ने कहा कि पश्चिम बंगाल में जारी एसआईआर से प्रभावित होने की संभावना वाले लोगों को अपने दस्तावेज या आपत्तियां प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाए और इसके लिए पंचायत भवनों या ब्लॉक कार्यालयों के भीतर कार्यालय स्थापित किए जाएं।

पीठ ने निर्देश दिया कि सुचारू कामकाज के लिए प्रत्येक जिला, ईसीआई या राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों के लिए जारी किए गए निर्देशों का सावधानीपूर्वक पालन करे। कहा, पश्चिम बंगाल के डीजीपी यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य होंगे कि कानून-व्यवस्था की कोई समस्या न हो और सभी गतिविधियां सुचारू रूप से पूरी हों।

कर्नल सोफिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला

मंत्री विजय शाह पर केस चलाने की मंजूरी पर दो सप्ताह में फैसला करे मध्य प्रदेश सरकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले मंत्री कुंवर विजय शाह पर मुकदमा चलाने की मंजूरी देने का निर्णय दो सप्ताह के भीतर करने का निर्देश दिया है। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि न्यायालय द्वारा गठित एसआईटी ने जांच पूरी कर अंतिम रिपोर्ट 19 अगस्त 2025 को सौंप दी है। आगे की कार्यवाही अब तक रुकी हुई है, क्योंकि बीएनएस की धारा 196 के तहत राज्य सरकार से मंजूरी की जरूरत है। यह धारा सांप्रदायिक घृणा या वैमनस्य को बढ़ावा देने से संबंधित है। पीठ ने एसआईटी की रिपोर्ट में उल्लिखित उन आपत्तिजनक टिप्पणियों पर भी गौर किया, जो अन्य मामलों में मंत्री शाह ने की थीं।

एटा में ईटों से सिर कुचलकर एक ही परिवार के चार सदस्यों की हत्या

- मृतकों में तीन महिलाएं, हत्यारों की तलाश में पुलिस टीम गठित, इलाके में तनाव

एटा, एजेंसी

एटा में सोमवार को एक ही परिवार की तीन महिलाओं समेत चार सदस्यों की ईंटों से कुचलकर हत्या कर दी गई। पुलिस फिलहाल यह पता नहीं लगा पाई है कि यह घटना कब और कैसे हुई। सोमवार सुबह हत्याकांड की खबर फैलने के बाद मौके पर सैकड़ों लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई।

पुलिस के मुताबिक सुनहरी नगर नगला प्रेमी मोहल्ले में अज्ञात लोगों ने एक घर में घुसकर तीन महिलाओं समेत चार लोगों को ईंटों से कुचलकर मार डाला। मृतकों की पहचान गंगा सिंह (70), उनकी पत्नी श्यामा देवी (65) और उनकी बेटी ज्योति (23) तथा कमल सिंह की पत्नी रत्ना सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के पहुंचने तक गंभीर घायल रत्ना सिंह जीवित थीं लेकिन एटा मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। एएसपी श्वेताभ पांडे ने बताया कि फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। परिजनों की तहरीर मिलने के बाद रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

दुष्कर्म पीड़िता के पिता की मौत के मामले में सेंगर की सजा निलंबन की याचिका रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को उन्नाव दुष्कर्म मामले की पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत मामले में भाजपा के निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर की 10 साल की सजा को निलंबित करने के अनुरोध वाली याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने कहा, राहत देने के लिए कोई आधार नहीं है। न्यायाधीश ने कहा कि सेंगर ने हालांकि लंबा समय जेल में बिताया है, लेकिन देरी के आधार पर राहत नहीं दी जा सकती, क्योंकि यह इसलिए हुआ क्योंकि उसने अपनी सजा के खिलाफ कई अपील दायर की थीं। उन्होंने कहा, न्यायालय इस बात से अवगत है कि अपीलकर्ता को साढ़े सात वर्षों से कैद में रहना पड़ा है और अपील की सुनवाई नहीं हो सकी। मामले की अगली सुनवाई तीन फरवरी को होगी।

चांदी का सुनहरा इतिहास... 3 लाख पार

सोना भी 1,900 रुपये बढ़कर 1.48 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में चांदी 10,000 रुपये की जोरदार उछाल के साथ सुनहरा इतिहास रच दिया और तीन लाख रुपये किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गई। सोमवार को चांदी का कारोबार 3,02,600 रुपये प्रति किलोग्राम पर हुआ जो तीन लाख रुपये से ऊपर का पहला बंद भाव है। साथ ही सोना भी 1,900 रुपये उछलकर 1.48 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। सर्राफा कारोबारियों के मुताबिक घरेलू और वैश्विक बाजारों में मजबूत मांग के कारण चांदी के दाम में जबर्दस्त तेजी रही। शुक्रवार को चांदी 2,92,600 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। सोना सभी करों सहित 1,48,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जो शुक्रवार के 1,46,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से 1,900 रुपये अधिक है।

एक सप्ताह में 14% चढ़ा भाव

चांदी के वायदा भाव में पिछले सप्ताह के दौरान करीब 14 प्रतिशत यानी 35,037 रुपये की तेजी आई है। इसकी कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2,35,701 रुपये किलोग्राम थी। इसमें अबतक 68,499 रुपये यानी 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

टैरिफ अनिश्चितता से लगे पंख

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के विश्लेषक सौमिल गांधी के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद निवेशकों में चिंता और बढ़ी है। बढ़ती अनिश्चितता के कारण उन्हें सुरक्षित निवेश विकल्पों की तलाश है। इसी कारण वे कीमती धातुओं में निवेश कर रहे हैं।

सामूहिक दुष्कर्म के तीन दोषियों को 20-20 साल की सजा

- पीड़िता ने 16 अप्रैल 2019 को नाका थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी

विधि संवाददाता, लखनऊ

सामूहिक दुष्कर्म करने के दोषियों मोहम्मद अफजल, मोहम्मद अशरफ व मुफीद अहमद को पॉक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश ने 20-20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक दोषी पर दस - दस हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माने की संपूर्ण धनराशि पीड़िता को दिए जाने का आदेश दिया है। पीड़िता को क्षतिपूर्ति दिलाए जाने को आदेश की एक प्रति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को भी भेजी है।

विशेष लोक अभियोजक अरुण कुमार ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में पीड़िता ने 16 अप्रैल 2019 को लखनऊ के नाका थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें बताया कि वह जब कंप्यूटर की कोचिंग जाती थी तो आरोपी अफजल उसका पीछा करता था और उसको परेशान करता था 15 अप्रैल 2019 को जब पीड़िता अपनी सहेली से मिलने नाका जा रही थी तो आरोपी ने बासमंडी चौराहे के पास पीड़िता का मुंह दबाकर अपनी गाड़ी में जबरन बैठा लिया और एक होटल ले गया। पीड़िता को नशीला पदार्थ पिलाया और पीड़िता के साथ आरोपियों ने बारी-बारी दुष्कर्म किया।

भारत में विश्वकप खेलने के लिए हामी भरे या बाहर होने को तैयार रहे बांग्लादेश

नई दिल्ली। आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को चेतावनी दी है कि भारत में होने वाले टी 20 विश्व कप में भागीदारी को लेकर वह 21 जनवरी तक फैसला ले या सात फरवरी से शुरू हो रहे टूर्नामेंट से बाहर होने को तैयार रहे। आईसीसी और बीसीबी के बीच बातचीत के बावजूद इस मसले का अब तक कोई हल नहीं निकल पाया है। यह मुद्दा बीसीसीआई के निर्देश पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से बाहर किए जाने के बाद शुरू हुआ था। बांग्लादेश अगर आने से इन्कार करता है तो मौजूदा रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को मौका मिल सकता है।

चर्चा | मुलायम सिंह यादव परिवार में खुलकर सामने आई दरार, राजनीति गरमाई

जीवन में इससे बड़ी झूठी महिला नहीं देखी

- तलाक की घोषणा के बाद प्रतीक यादव ने अपर्णा पर लगाए गंभीर आरोप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के परिवार में एक बार फिर निजी रिश्तों को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। उनके छोटे पुत्र प्रतीक यादव और पत्नी, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव के वैवाहिक संबंधों में दरार अब सार्वजनिक हो गई है। सोमवार को प्रतीक यादव ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर न सिर्फ अपर्णा यादव से जल्द तलाक लेने की घोषणा की, बल्कि देर शाम एक और पोस्ट डालकर पत्नी पर बेहद गंभीर आरोप लगाए। हालांकि अमृत विचार वायरल पोस्ट की पुष्टि नहीं करता।

सोमवार सुबह 11 बजे प्रतीक यादव के इंस्टाग्राम अकाउंट @ iamprateekyadav से की गई पोस्ट में लिखा गया कि वह अपर्णा यादव को जल्द से जल्द तलाक देने जा रहे हैं। पोस्ट में आरोप लगाया गया कि अपर्णा ने उनके परिवार के रिश्ते खराब कर दिए और वह केवल प्रसिद्ध और प्रभावशाली बनने की चाह में जी रही हैं। प्रतीक ने पोस्ट में यहां तक लिखा कि वह खुद को बदकिस्मत मानते हैं कि उनकी शादी अपर्णा से हुई। इस पोस्ट के साथ उन्होंने अपर्णा यादव की एक तस्वीर साझा करते हुए उस पर 'ए फैमिली डिस्ट्रॉयर' लिखा। इस पोस्ट के सामने आते ही राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई। हालांकि कुछ ही घंटों बाद अपर्णा यादव के भाई अमन बिष्ट ने दावा किया कि प्रतीक यादव का सोशल मीडिया अकाउंट हैक हो गया है और यह पोस्ट किसी हैकर द्वारा की गई है। उन्होंने कहा कि अकाउंट रिकवर कराने की प्रक्रिया चल रही है। इसके बावजूद सोमवार शाम तक इस संबंध में पुलिस को कोई औपचारिक शिकायत नहीं दी गई। लेकिन विवाद यहीं थमता नजर नहीं आया।

शाम करीब सवा सात बजे उसी अकाउंट से एक और पोस्ट सामने आई, जिसने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया। इस दूसरी पोस्ट में भी अपर्णा यादव की तस्वीर साझा की गई और लिखा गया कि उन्होंने प्रतीक का रिश्ता उनकी मां, पिता और भाई—तीनों से तुड़वा दिया। पोस्ट में बेहद कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हुए लिखा गया, "मैं अपने बच्चे की कसम खाकर कहता हूं, इससे बड़ा झूठा और स्वार्थी मैंने अपनी जिंदगी में नहीं देखा।" इस दूसरी पोस्ट के बाद अकाउंट हैक होने के दावे पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। बताया जा रहा है कि प्रतीक यादव इस समय देश से बाहर हैं। पूरे मामले पर अब तक अपर्णा यादव की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। उनसे संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका फोन बंद मिला। प्रतीक यादव, मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के पुत्र हैं।

न्यूज ब्रीफ

कौशल प्रतियोगिता का दूसरा चरण शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता-2026 के अंतर्गत राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता के दूसरे चरण की शुरुआत सोमवार से लखनऊ में हो गई। यह प्रतियोगिता 20 जनवरी तक आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रदेश के सभी 18 मंडलों का प्रतिनिधित्व करने वाले 391 युवा प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि इससे पूर्व प्रतियोगिता का पहला चरण 13 जनवरी को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ था, जिसमें 451 युवाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कौशल विकास मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि मुख्य प्रतियोगिताएं 20 जनवरी को सुबह 10 बजे से शुरू होंगी। प्रत्येक कौशल में चयनित दो विजेताओं को 24 जनवरी को पुरस्कार दिए जाएंगे। चयनित प्रतिभागी अगले स्तर की इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

एआई क्षेत्र की कंपनियां आज करेंगी मंथन

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को शासन, उद्योग और स्किल डेवलपमेंट का मजबूत आधार बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। प्रदेश में एआई आधारित नवाचार और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप टैलेंट तैयार करने के उद्देश्य से 'एआई लेड इनोवेशन एंड कैपेसिटी बिल्डिंग कॉन्फ्रेंस' का आयोजन 20 जनवरी को लखनऊ के होटल सेंट्रम में किया गया है। यह जानकारी देते हुए आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग यादव ने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, टीसीएस, एचसीएल, इंटेल सहित दिग्गज कंपनियां, शैक्षणिक संस्थान और स्टार्टअप्स एक मंच पर जुटेंगे।

यूपी दिवस पर सजेगी सांस्कृतिक संध्या

अमृत विचार, लखनऊ : 'यूपी दिवस-2026' के अवसर पर प्रदेश की समृद्ध कला, संस्कृति और परंपराओं की भव्य झलक राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में देखने को मिलेगी। पर्यटन विभाग द्वारा 24 जनवरी को शाम से दिल्ली हाट में विशेष सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रवासी उप्र. वासियों, 18 से 20 देशों के राजनयिकों, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और प्रदेश के विशिष्टजन आमंत्रित हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने सोमवार को बताया कि दिल्ली हाट को 'विकसित उत्तर प्रदेश' की थीम पर सजाया जाएगा। सांस्कृतिक संध्या में आकर्षक प्रस्तुतियां होंगी। इसके साथ ही उप्र. के विभिन्न अंचलों के प्रसिद्ध व्यंजनों और हस्तशिल्प का प्रदर्शन किया जाएगा।

कार्यों में शिथिलता न बरतें : मुख्य सचिव

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में सोमवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

लिमिटेड (नायल) की 25वीं बोर्ड बैठक आयोजित की गई। बैठक में एयरपोर्ट परियोजना की प्रगति की समीक्षा की गई और इससे जुड़े महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय लिए गए। बोर्ड बैठक में नायल के निदेशक के रूप में सचिव वित्त को नामित किए जाने के प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान किया गया। बैठक के दौरान नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट परियोजना की वर्तमान स्थिति, निर्माण प्रगति एवं आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट परियोजना के कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किया जाए।

बेघर की गई सीमा को मिला न्याय का भरोसा

जनता दर्शन में आई महिला ने मुख्यमंत्री योगी को सुनाया दुखड़ा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सीएम ने पुलिस आयुक्त को उचित कार्रवाई करने के दिए निर्देश

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह 'जनता दर्शन' के दौरान प्रदेश भर से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। इसी क्रम में लखनऊ निवासी महिला सीमा ने अपनी आर्थिक विपन्नता और पति द्वारा घर से निकाले जाने की पीड़ा मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। मुख्यमंत्री ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त को तत्काल उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

लखनऊ निवासी सीमा अपनी दो बच्चियों के साथ 'जनता दर्शन' में पहुंचीं। उन्होंने बताया कि ससुर के निधन के बाद पति और ससुराल वालों ने उन्हें घर से निकाल दिया है। दो छोटी बच्चियों के साथ वह दर-दर भटकने को मजबूर हैं। उन्होंने ससुराल में रहने का अधिकार दिलाने और बच्चों के लालन-पालन के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। मुख्यमंत्री ने प्रकरण का संज्ञान लेते हुए पुलिस आयुक्त को तुरंत आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

नन्हीं अनन्या ने किया भाव-विभोर

मुख्यमंत्री योगी ने जनता दर्शन में अपने माता-पिता के साथ आए सभी बच्चों को चॉकलेट दी और मन लगाकर पढ़ाई करने को कहा। इस दौरान मां सीमा के साथ दो साल की नन्ही अनन्या भी आई थी। चॉकलेट पाकर बच्ची खिलखिला उठी। जब मुख्यमंत्री ने उससे चॉकलेट मांगी तो उसने बड़ी मासूमियत से चॉकलेट वापस सीएम की तरफ बढ़ा दी। यह देखकर मुख्यमंत्री का बाल प्रेम उमड़ पड़ा। इस दौरान नन्ही बच्ची की भाव भंगिमा और मुख्यमंत्री का संवाद देखकर वहां मौजूद हर व्यक्ति भाव-विभोर हो गया।

पुलिस व आर्थिक सहायता से जुड़े प्रकरण भी आए : 'जनता दर्शन' में पुलिस, बिजली विभाग और आर्थिक सहायता से जुड़े कई प्रकरण सामने आए। मुख्यमंत्री ने स्वयं प्रार्थना पत्र लेकर अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी मामलों की जांच कर समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। इलाज के लिए आर्थिक सहायता मांगने वाले फरियादियों से अस्पताल का एस्टिमेट मंगाने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर सुख-दुख में प्रदेशवासियों के साथ खड़ी है और हर उचित समस्या का समाधान कराया जाएगा।

जनता दर्शन में महिला फरियादी के साथ आई बच्ची अनन्या मुख्यमंत्री योगी से चॉकलेट पाकर खिल उठी।

ओटीएस योजना में 4000 करोड़ रुपये मिला राजस्व

37 लाख से अधिक उपभोक्ताओं ने कराया पंजीकरण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- कॉरपोरेशन अध्यक्ष ने दिए निर्देश क्षेत्र में कराई जाए मुनादी
- बकाया नोटिस देने के साथ पंपलेट वितरण करने को कहा

अमृत विचार : सोमवार को शक्ति भवन में आयोजित बैठक में यूपीपीसीएल के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने कहा कि पहली दिसम्बर 2025 से पूरे प्रदेश में शुरू की गई बिजली बिल राहत योजना को उपभोक्ताओं का अच्छा समर्थन मिल रहा है। अब तक लगभग 37 लाख से अधिक उपभोक्ताओं ने योजना में लाभ के लिए पंजीकरण कराया है, जिससे कारपोरेशन को लगभग 4000 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

उन्होंने आगे कहा कि यह उपलब्धि सराहनीय है, लेकिन अभी और अधिक प्रयास की आवश्यकता है। उन्होंने सभी वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि दूसरा चरण खत्म होने को है, इसलिए सभी कर्मचारी, अधिकारी वे अपने-अपने क्षेत्रों के बकायेदार उपभोक्ताओं से व्यक्तिगत रूप से संपर्क करें, फोन कॉल के माध्यम से उन्हें योजना के लाभों की जानकारी दें। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि हर इलाके में मुनादी कराई जाए, बकाया नोटिस दिए जाने के साथ पंपलेट और सूचना पर्चियों का वितरण किया जाए। इसके लिए माइक्रो प्लान बनाकर कार्मिकों और फिनटेक एजेंसियों को सक्रिय रूप से लगाया जाए। डॉ. गोयल ने आगे कहा कि बिजली चोरी के मामलों में भी उपभोक्ताओं को योजना के माध्यम से मुकदमे और एफआईआर के निस्तारण की सुविधा के बारे में बताया जाए, ताकि वे कोर्ट कचहरी के चक्कर से बच सकें। उन्होंने साफ किया कि विद्युत चोरी से जुड़े प्रत्येक उपभोक्ता से संपर्क कर उन्हें योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया जाए। जिन क्षेत्रों में अधिक संख्या में बकायेदार उपभोक्ता हैं, वहां विशेष रणनीति बनाकर कार्य किया जाए। गांवों और क्षेत्रों में शिविर लगाए जाएं, जहां अधिकारी अपने कार्मिकों के साथ जाकर पूरे गांव के बकायेदार उपभोक्ताओं का पंजीकरण सुनिश्चित करें।

बैठक करते कॉरपोरेशन अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल। अमृत विचार

ओटीएस योजना में पूर्वांचल डिस्कॉम रहा अव्वल

कॉरपोरेशन अध्यक्ष ने बताया कि ओटीएस योजना में पूर्वांचल डिस्कॉम का प्रदर्शन शानदार रहा है, जहां 13,76,621 उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया है और लगभग 1590 करोड़ रुपये की वसूली हुई है।

कार्मिकों के लिए शुरू की गई प्रोत्साहन योजना

योजना के अंतर्गत कार्मिकों के लिए प्रोत्साहन योजना भी लागू की गई है। अच्छा प्रदर्शन करने वाले कार्मिकों और कलेक्शन एजेंसियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। योजना के खत्म होने के बाद डिस्कॉम की प्रगति की समीक्षा की जाएगी, जिसमें निर्धारित मानकों से बेहतर प्रदर्शन करने वाले 10 अधिशासी अभियंताओं, 20 उपखंड अधिकारियों और 30 अवर अभियंताओं को प्रशस्ति पत्र के साथ प्रोत्साहन धनराशि दी जाएगी।

युवराज मेहता की मौत की जांच करेगी एसआईटी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नोएडा की घटना का मुख्यमंत्री योगी ने लिया संज्ञान, दिए निर्देश
- एडीजी जोन मेरठ के नेतृत्व में तीन सदस्यीय एसआईटी गठित, 5 दिन में सौंपेगी रिपोर्ट

अमृत विचार: प्रदेश के नोएडा सेक्टर-150 में 27 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत ने प्रशासनिक लापरवाही और व्यवस्था की संवेदनहीनता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हादसे का मुख्यमंत्री ने संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर घटना की निष्पक्ष और विस्तृत जांच के लिए मेरठ जोन के एडीजी के नेतृत्व में तीन सदस्यीय विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन कर दिया गया है, जो पांच दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपेगी।

मुख्यमंत्री के आदेश पर गठित एसआईटी में मंडलायुक्त मेरठ और लोक निर्माण विभाग के चीफ इंजीनियर को भी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल कर गठित यह टीम हादसे से जुड़े सभी पहलुओं सड़क सुरक्षा, निर्माण एवं रखरखाव, प्रशासनिक जिम्मेदारी और संभावित लापरवाही की गहन जांच करेगी। घटना को लेकर प्रशासनिक स्तर पर भी हलचल तेज हो गई है। एसडीएम सदर आशुतोष गुप्ता ने घटनास्थल का दौरा कर निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि जांच के बाद जिम्मेदार अधिकारी या विभाग को बख्शा नहीं जाएगा।

मृतक युवराज मेहता का फाइल फोटो।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ हटाए गए

नोएडा हादसे को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम को पद से हटा दिया है। उन्हें प्रतीक्षारत किया गया। प्रशासनिक जवाबदेही की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, सीएम ने साफ निर्देश दिए हैं कि जांच में यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही या दोष सामने आता है तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

घने कोहरे में नाले में गिरी थी कार

पुलिस के अनुसार, घने कोहरे के कारण युवराज मेहता की कार अनियंत्रित होकर करीब 20 फुट से अधिक गहरे पानी से भरे नाले में गिर गई। हादसे में युवराज की मौके पर ही मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दुर्घटनास्थल पर न तो पर्याप्त चेतावनी संकेतक थे और न ही बैरिकेडिंग की समुचित व्यवस्था, जिससे हादसे की आशंका पहले से बनी हुई थी।

आरटीई के तहत निजी विद्यालयों में दाखिले को दो फरवरी से होंगे आवेदन

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी विद्यालयों में 25 प्रतिशत सीटों पर निःशुल्क दाखिले की प्रक्रिया शुरू होगी। स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक (समग्र शिक्षा), महानिदेशक कार्यालय ने शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा-1, पूर्व-प्राथमिक में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की समय-सारणी जारी कर दी है। प्रवेश प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होगी, जिसमें आवेदन, सत्यापन, लॉटरी और दाखिले की अंतिम तिथि तय की गई है। जानकारी के अनुसार, प्रथम चरण में आवेदन 2 से 16 फरवरी तक, द्वितीय चरण 21 फरवरी से 7 मार्च और तृतीय चरण में 12 से 25 मार्च तक आवेदन किये जा सकेंगे। ऑनलाइन आवेदन के लिए अभिभावकों को जरूरी दस्तावेज पहले से तैयार रखने को कहा गया है।

अमित सिंह टाटा व आलोक सिंह को नहीं मिली जमानत

विधि संवाददाता, लखनऊ

कफ सिरप मामला

अमृत विचार : फेंसेडिल कफ सिरप और कोडिनयुक्त दवाओं को नशे के रूप में प्रयोग करने के लिए भंडारण करने, व्यापार करने और उप्र, बिहार, झारखंड, असम, पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश भेज कर करोड़ों का मुनाफा कमाने वाले आरोपी अमित कुमार सिंह उर्फ टाटा व आलोक प्रताप सिंह की ओर से अलग अलग दी गई जमानत अर्जी को एनडीपीएस एक्ट के विशेष न्यायाधीश अरुण कुमार राय ने खारिज कर दिया।

कोर्ट में सरकारी वकील ने दोनों आरोपियों की ओर से अलग-अलग दी गई जमानत अर्जियों का विरोध करते हुए बताया कि मामले की रिपोर्ट सुशांत गोल्फ सिटी थाने में दर्ज हुई थी। लेकिन मामले की गंभीरता को देखते हुए शासन ने 12 फरवरी 2024 को विवेचना एसटीएफ को सौंप दी थी। बताया गया कि एसटीएफ ने विवेचना के दौरान सुशांत गोल्फ सिटी में आठ अप्रैल 2024 को पकड़े गए आरोपी विभोर राणा से जब शैली ट्रेडर्स के विषय में पूछताछ की गई तो उसने बताया कि शैली ट्रेडर्स का पूरा काम शुभम जायसवाल, वरुण सिंह, विकास सिंह, गौरव जयसवाल, विशाल मल्होत्रा, अमित सिंह उर्फ़ टाटा और आलोक सिंह देखते हैं। इन लोगो ने अपने-अपने तथा अपने परिचितों के नाम से बहुत सारी फर्में बनाकर फर्जी खरीद बिक्री दिखाकर कोडिनयुक्त फेंसाडिल कफ सिरप की तस्करी करते हैं। आगे बताया कि शैली ट्रेडर्स के अनुबंध में एबॉट कंपनी द्वारा सिर्फ झारखंड में बिक्री करने के लिए अनुबंध किया गया था।

परियोजनाओं में देरी पर ठेकेदार के साथ अधिकारी भी होंगे दंडित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 15 दिनों में स्थलीय निरीक्षण अनिवार्य : केशव प्रसाद मौर्य

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने स्पष्ट किया है कि विकास परियोजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि किसी परियोजना में समय-सीमा का उल्लंघन पाया गया तो ठेकेदारों के साथ-साथ संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री द्वारा बीते दिनों ग्रामीण अभियंत्रण विभाग की समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन शुरू हो गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के व्यय विवरण में बताया गया कि ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के लिए कुल 709.88 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है, जिसमें से 431.03 करोड़ की स्वीकृति शासन द्वारा प्रदान की गई है। स्वीकृत धनराशि में अबतक 215.19 करोड़ का व्यय किया जा चुका है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बचत की धनराशि का उपयोग जनहितकारी कार्यों में किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी उच्च अधिकारी अगले 15 दिनों के भीतर निर्माणाधीन परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण करें।

यातायात नियमों के पालन से दुर्घटनाएं होंगी कम : दयाशंकर

सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता विषयक प्रशिक्षण शिविर में परिवहन राज्य मंत्री ने किया संबोधित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए जन जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण है। यदि लोग स्वयं यातायात नियमों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लें, तो सड़क हादसों में होने वाली मृत्यु में 50 प्रतिशत तक की कमी लाई जा सकती है। उक्त क्रम में ही सरकार ने दोपहिया वाहन खरीदते समय डीलर पॉइंट पर दो हेलमेट अनिवार्य किए हैं।

परिवहन मंत्री, सोमवार को विश्वेश्वरैया सभागार में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता एवं दक्षता विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि दो हेलमेट की अनिवार्यता के साथ ही "नो हेलमेट, नो फ्यूल" का नियम भी लागू है, लेकिन इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आमजन की भागीदारी जरूरी है।

अपर मुख्य सचिव अर्चना अग्रवाल ने कहा कि सड़क सुरक्षा सभी विभागों के समन्वित प्रयास से ही संभव है। लोकनिर्माण विभाग के प्रमुख सचिव अजय चौहान ने 4-ई (एजुकेशन, एनफोर्समेंट, इंजीनियरिंग और इमरजेंसी केयर) पर जोर दिया। परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने बताया कि विभाग द्वारा ओवरस्पीड और ओवरलोड वाहनों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

इंस्टीट्यूट ऑफ रोड ट्रैफिक एजुकेशन, फरीदाबाद के निदेशक रोहिता बलूजा ने कहा कि दुर्घटनाओं के पीछे कई कारक जिम्मेदार होते हैं। धुंध में होने वाली दुर्घटना का कारण धुंध नहीं, बल्कि तेज रफ्तार होती है।

सड़क सुरक्षा को लेकर आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान जागरूकता पुस्तिका का विमोचन करते मंत्री दयाशंकर सिंह व अन्य।

उपलब्धि

साइबरटेक ग्लोबल तेल अवीव-2026 में साइबर टेक्नोलॉजी समझाएंगे यूपी के सुपर कॉप

इजरायल में दिखेगी यूपी की साइबर शक्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित साइबर सुरक्षा मंचों में शामिल 'साइबरटेक ग्लोबल तेल अवीव-2026' में इस बार भारत, और खास तौर पर उत्तर प्रदेश की साइबर ताकत अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रभावी ढंग से पेश होगी। 26 से 28 जनवरी तक इजरायल के तेल अवीव में होने वाले इस सम्मेलन में यूपी के साइबर विशेषज्ञ भारत की तकनीकी क्षमता, नवाचार और प्रशासनिक अनुभव साझा करेंगे।

सम्मेलन में भारत से दो दिग्गज विशेषज्ञ चीफ मेंटर के रूप में भाग लेंगे- पूर्व राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक माधवन उन्नीकृष्णन नायर और यूपी से एशिया के 'साइबर कॉप' कहे जाने वाले प्रो. त्रिवेणी सिंह। दोनों विशेषज्ञ अंतरराष्ट्रीय नीति-निर्माताओं, वैज्ञानिकों और टेक इंडस्ट्री लीडर्स के सामने भारत के साइबर सुरक्षा मॉडल और जमीनी स्तर पर अपनाए गए उपायों को प्रस्तुत करेंगे। इस सम्मेलन में अमेरिका, जापान, इंग्लैंड, जर्मनी, स्पेन, इटली, नीदरलैंड, बेल्जियम, रोमानिया, हंगरी, फिलीपींस और यूएई सहित 20 से अधिक देशों के साइबर विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे। ये सभी साइबर अपराध, एआई आधारित सुरक्षा, वित्तीय धोखाधड़ी, क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन और साइबर आतंकवाद जैसी वैश्विक चुनौतियों पर मंथन करेंगे।

यूपी के अनुभव से सीखेंगे अन्य देश

प्रो. त्रिवेणी सिंह अपने 25 वर्षों के अनुभव के आधार पर बताएंगे कि कैसे उत्तर प्रदेश ने साइबर अपराध और वित्तीय फ्रॉड से निपटने के लिए तकनीक-सक्षम और त्वरित रिस्पॉन्स सिस्टम विकसित किया है। वहीं, माधवन नायर भारत के राष्ट्रीय साइबर फ्रेमवर्क और नीति निर्माण के अनुभव साझा करेंगे।

साइबर सहयोग और व्यापारिक अवसरों पर फोकस

सम्मेलन में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी प्रमुख वक्ता होंगे। भारत समेत कई देशों के साथ साइबर सुरक्षा सहयोग, टेक्नोलॉजी साझेदारी और साइबर बिज़नेस संभावनाओं पर चर्चा होगी। साथ ही भारत में साइबर स्टार्टअप्स, निवेश और रिसर्च के नए अवसरों पर भी मंथन होगा।

दिव्यांगजनों को बनाया आत्मनिर्भर : कश्यप

अमृत विचार, लखनऊ : पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि सरकार बीते साढ़े आठ वर्षों से दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और सम्मानजनक जीवन देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश के 11.5 लाख दिव्यांगजनों को 12 हजार रुपये वार्षिक भरण-पोषण दिया जा रहा है, जो वर्ष 2017 से पूर्व मात्र 300 रुपये प्रतिमाह था। मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने प्रतापगढ़ में आयोजित 'दिव्य कला एवं कौशल प्रदर्शनी' के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में दिव्य कला एवं कौशल प्रदर्शनियों के माध्यम से दिव्यांगजनों को उनके हुनर का मंच दिया जा रहा है।

हजारों युवाओं को विदेश में रोजगार के अवसर, टेस्टिंग प्रक्रिया जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 1,336 निर्माण श्रमिकों को इजरायल भेजने की तैयारी 2,600 का लिया जा रहा टेस्ट
- प्रमुख सचिव श्रम ने कहा- अब तक 5,978 निर्माण श्रमिक इजरायल भेजे

अमृत विचार: श्रम एवं सेवायोजन विभाग की सक्रियता से अब प्रदेश के युवाओं को न केवल देश में, बल्कि विदेशों में भी सम्मानजनक और सुरक्षित रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन एमके शनमुगा सुंदरम के अनुसार, जनवरी से मार्च 2024 के बीच निर्माण श्रमिकों की टेस्टिंग, प्रशिक्षण और अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर उन्हें इजरायल भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई। अब तक लगभग 5,978 निर्माण श्रमिक इजरायल भेजे जा चुके हैं, जहां वे बेहतर वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल और आधुनिक तकनीक के साथ काम कर रहे हैं। वर्तमान में 1,336 निर्माण श्रमिकों को प्रशिक्षण देने के बाद इजराइल भेजने की तैयारी अंतिम चरण में है। इसके अलावा 2,600 श्रमिकों की टेस्टिंग प्रक्रिया जारी है। आवश्यक मानकों पर खरा उतरने वाले इन श्रमिकों को शीघ्र ही विदेश में रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

योगी सरकार के प्रयासों का सकारात्मक परिणाम यह है कि श्रम एवं सेवायोजन विभाग को जर्मनी, जापान, इजराइल और यूएई जैसे देशों से भी रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। इन देशों में विशेष रूप से केयरिंग और नर्सिंग सेक्टर में रिक्तियां सामने आई हैं, जिससे प्रदेश के प्रशिक्षित युवाओं के लिए नए द्वार खुल रहे हैं।

अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

नीम के पेड़ से गिरकर किसान की मौत

अमृत विचार, माल : बघोलवा गांव में सोमवार की दोपहर नीम के पेड़ से गिरकर किसान विनोद (36) की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, मझौवा बघोलवा निवासी गुहरू का बेटा विनोद गांव में ही नीम के पेड़ पर 25 – 30 फिट ऊपर चढ़ कर पेड़ की डाल काट रहा था। डाल कटने के बाद अचानक संतुलन बिगड़ गया। वह डाल के साथ पेड़ के नीचे गिर गया। डाल के नीचे दबने से विनोद की मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। तत्काल आसपास के लोगों ने सूचना पुलिस को दी। मृतक के परिवार में मां शांति पत्नी विनीता व दो बच्चे सूर्यांश, महक है। एसएसआई हरिदास चौरसिया ने बताया कि परिजनों ने पोस्टमार्टम करवाने से इनकार कर दिया है।

सड़क हादसे में एक की मौत, दूसरा घायल

अमृत विचार, निगोहां : निगोहां के नारायण खेडा निवासी महादेव (55) गांव के ही सरवन के साथ देर शाम बाइक से मदापुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते मे एक अज्ञात वाहन ने इनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिसमे दोनो गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची निगोहां पुलिस ने दोनों को सीएचसी मोहनलालगंज भेजा। जहां डाक्टरों ने महादेव को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं जबकि घायल सरवन का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। वहीं मौत की सूचना पाकर महादेव के परिवार में कोहराम मच गया।

प्रतिमा खंडित करने के मामले में कार्रवाई नहीं

अमृत विचार, लखनऊ : केजीएमयू के एक विभाग में भगवान की प्रतिमा खंडित होने का मामला सामने आने के एक साल बाद भी प्रशासन और पुलिस के ठोस कदम न उठाने से नाराजगी बढ़ गई है। आरोप है कि धार्मिक भावनाओं से जुड़ा यह संवेदनशील प्रकरण अनदेखा किया जा रहा है। घटना पिछले साल जनवरी में ट्रॉमा सेंटर के एक विभाग में हुई थी। आरोप है कि आपसी विवाद के दौरान एक पक्ष ने मेज पर रखी भगवान की प्रतिमा तोड़ दी। मामले की शिकायत मुख्यमंत्री जन सुनवाई पोर्टल पर भी की गई थी। पोर्टल से शिकायत के बाद चौक कोतवाली को मामले की गंभीर और संवेदनशील जांच के लिए कहा गया, लेकिन पुलिस ने मामले की जिम्मेदारी केजीएमयू प्रशासन के पाले में डाल दी। आम्बेडकर नगर निवासी भाजपा कार्यकर्ता अनिल मिश्रा ने पुलिस अधिकारियों से शिकायत दर्ज कराई और जांच की मांग की, लेकिन अब तक आरोपी के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

रिश्ते के भतीजे ने पूनम की हत्या कर खेत में फेंका था शव

कॉल डिटेल के आधार पर पुलिस ने खुलासा कर आरोपी को किया गिरफ्तार, माला और पायल बरामद

संवाददाता, नगराम

अमृत विचार Follow UP

- मृतका की बड़ी बहन की बेटी से शादी करना चाहता था आरोपी
- कुबहरा गांव के खेत में मिला था कंकाल, साड़ी से हुई थी शिनाख्त

अमृत विचार : नगराम के कुबहरा गांव में सरसों के खेत में मिला कंकाल गांव की पूनम (30) का ही था। पड़ोसी आशीष ने उसकी हत्या कर शव खेत में फेंका दिया था। एसीपी मोहनलालगंज विकास पांडेय के नेतृत्व में एसओ नगराम की टीम ने सोमवार को हत्याकांड का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस कॉल डिटेल के आधार पर आरोपी तक पहुंची। वह रिश्ते में पूनम का भतीजा है।

एडीसीपी दक्षिणी आर वसंथ कुमार के मुताबिक सात जनवरी को कुबहरा गांव में सरसों के खेत में एक कंगाल मिला था। इसके पास ही एक साड़ी मिली थी। गांव के ही रहने वाले पीतांबर ने शव अपनी पत्नी पूनम का होने की आशंका जताई। छानबीन में पता चला कि पूनम 12 दिसंबर 2025 से अपने घर से लापता थी। परिजन की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरू की गई। महिला की काल डिटेल निकलवाने पर पता चला की मोबाइल फोन पर उसकी बातचीत पड़ोसी आशीष कुमार से होती थी। इस आधार पर आशीष को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई।

एसीपी मोहनलालगंज के मुताबिक आशीष ने पूछताछ में पहले खूब टालमटोल किया। सख्ती से पूछताछ में उसने हत्या की बात स्वीकार कर ली। आशीष ने बताया कि वह पूनम की बड़ी बहन की बेटी से शादी करना चाहता था। पूनम ने शादी कराने की बात भी कही थी। घटना से कुछ दिन पहले पूनम ने शादी कराने से मना कर दिया। इसी से नाराज होकर 12 दिसंबर को आशीष ने पूनम के गांव के ही हंसराज के बाग में मिलने बुलाया और फिर गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद काम पर चला गया। शाम को लौटा तो पूनम की खोजबीन चल रही थी। पकड़े जाने के डर से उसने शव को सरसों के खेत में फेंक दिया। आरोपी ने पहचान छिपाने के लिए पूनम की माला, एक जोड़ी पायल उतार ली थी। निशानदेही पर पुलिस ने माला और पायल भी बरामद कर लिए हैं।

पूनम हत्याकांड का खुलासा करते पुलिस अधिकारी और पीछे लाल टीशर्ट में खड़ा आरोपी। अमृत विचार

निर्दोष को जेल जाने से बचाया

- कंकाल मिलने के बाद पूनम के परिजन ने उसके पति पीतांबर पर हत्या का आरोप लगाया था। कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदर्शन भी किया था। एसीपी विकास पांडेय ने बताया कि शुरूआती जांच में ही पीतांबर आरोपी नहीं लगा। इस कारण पुलिस ने पूनम के कॉल डिटेल की जांच शुरू की। जिसमें पीतांबर की भूमिका नहीं मिली। पुलिस ने निर्दोष को जेल जाने से बचा लिया।

धक्का-मुक्की में करंट लगने से हुई थी किसान की मौत

संवाददाता, बंथरा

- ट्यूबवेल मालिक गिरफ्तार उसके नाबालिग बेटे को भेजा गया संरक्षण गृह

अमृत विचार: बंथरा के सहिजनपुर गांव में गुरुवार को किसान राजेंद्र रावत की मौत धक्का-मुक्की के दौरान करंट की चपेट में आने से हुई थी। सोमवार को बंथरा पुलिस ने आरोपी ट्यूबवेल मालिक व उसके नाबालिग बेटे को गैर इरादतन हत्या के आरोप में पकड़ लिया। पुलिस ने मृत किसान की चप्पल और मोबाइल की कांच के टुकड़े बरामद किया है।

इंस्पेक्टर बंथरा राणा राजेश सिंह के मुताबिक पकड़ा गया आरोपी गांव का ही ट्यूबवेल मालिक अशर्फी लाल है। मामले में राजेंद्र रावत के पिता ने थाने में आरोपी व उसके सहयोगी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। गुरुवार को सुबह राजेंद्र खेत में पानी लगाने गए थे। एक घंटे बाद जब उनकी मां शांति देवी खाना लेकर खेत गई तो उन्हें राजेंद्र नहीं मिले थे। उन्होंने खेत में मौजूद अशर्फी लाल और उसके नाबालिग साथी से इस बारे में पूछा तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया था। अगले दिन अमावा जंगल में राजेंद्र का शव मिला था।

इंस्पेक्टर बंथरा राणा राजेश सिंह के मुताबिक पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि मवेशियों से फसलों को बचाने के लिए खेत में बल्ली लगा कर उसमें खुले तारों के जरिये करंट फैलाते थे। अशर्फी ने बताया कि राजेंद्र और उनका खेत अगल-बगल है। बृहस्पतिवार को जब राजेंद्र ने सिंचाई करने के लिए उससे ट्यूबवेल का पानी मांगा था। इसके बदले में उसने राजेंद्र से रुपये मांगे थे। इसी बात को लेकर उसकी, सहयोग और किसान की कहासुनी होगी थी। बात बढ़ने पर धक्का-मुक्की होने लगी। तभी धक्का लगने से राजेंद्र करंट दौड़ रहे तारों पर गिर गया और उनकी मौत हो गई थी। पुलिस की पूछताछ में अशर्फी ने बताया कि यह देख उसने और सहयोगी ने राजेंद्र का शव ट्यूबवेल की कोठरी में छिपा दिया था। उनका मोबाइल ट्यूबवेल बोर में और तार कोठरी की छत पर फेंक दिया था। फिर रात करीब आठ बजे दोनों फिर कोठरी पहुंचे और शव जंगल में फेंक दिया था। ताकि लोगों को उन पर कोई संदेह नहीं हो।

मरीज की मौत के बाद अस्पताल में सियासी हंगामा

अमृत विचार : गोमतीनगर विस्तार स्थित इकाना मेडिकेयर एंड रिसर्च सेंटर में मरीज की मौत के बाद रविवार रात जमकर हंगामा हुआ। अरबाज (55) को गंभीर हालत में भर्ती कराया गया था। उसकी आंत फटी हुई थी और वह अन्य गंभीर बीमारियों से भी ग्रसित था। मरीज करीब 25 दिनों से वेंटिलेटर पर था। रविवार दोपहर उसकी मौत हो गई। अस्पताल प्रशासन ने तीन लाख रुपये बकाया देने पर शव सौंपने की बात कही। परिजनों ने रिश्तेदारों के माध्यम से भुगतान का भरोसा दिया, लेकिन तत्काल राशि जमा न होने पर विवाद बढ़ गया। रविवार रात करीब 9 बजे सपा विधायक समर्थकों के साथ अस्पताल पहुंचे और शव रोकने का आरोप लगा हंगामा किया। अस्पताल कर्मचारियों से अभद्रता और गाली-गलौच भी हुई। बिल का भुगतान किए बिना ही शव लेकर चले गए। अस्पताल के प्रबंध निदेशक डॉ. शिवम कृष्णन ने सपा विधायक और उनके समर्थकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए गोमतीनगर विस्तार थाने में तहरीर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खिलाड़ी और युवती को टक्कर मारने वाला स्कार्पियो चालक गिरफ्तार

संवाददाता, सरोजनीनगर

- अमेजन वेयरहाउस के पास शनिवार शाम को हादसे में हुई थी खिलाड़ी व युवती की मौत

अमृत विचार Follow UP

अमृत विचार: बंथरा के रामगढ़ी स्थित अमेजन वेयर हाउस के पास शनिवार शाम को स्कूटी सवार वॉलीबॉल खिलाड़ी अर्पित त्रिवेदी (22) और काजल रावत (21) की हादसे में मौत हो गई थी। इस मामले में फरार स्कार्पियो चालक को पुलिस ने रविवार देर रात को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने स्कार्पियो भी बरामद कर लिया है।

लतीफ नगर निवासी किसान अवधेश त्रिवेदी का बेटा अर्पित त्रिवेदी और सहिजनपुर गांव निवासी किसान शिवशंकर की बेटी काजल रावत शनिवार शाम स्कूटी से बनी–मोहान रोड होते हुए कटी बगिया की तरफ जा रहे थे। अर्पित काजल को रामगढ़ी के पास स्थित अमेजन वेयरहाउस में उसके आफिस छोड़ने जा रहा था। अमेजन वेयरहाउस से करीब 500 मीटर पहले कानपुर रोड की ओर से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने सामने से स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों छिटककर दूर जा गिरे। मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से भाग गया।

रविवार को शव रख किया था प्रदर्शन

- रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचे तो परिजन ने रामगढ़ी के पास बनी–मोहान रोड पर शव रखकर जाम लगा दिया। परिजन 50 लाख रुपये मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और आरोपी चालक के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज करने की मांग कर रहे थे। सरोजनी नगर तहसीलदार सुखबीर सिंह और एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा ने पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता और सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया। इस मामले में मृतक अर्पित के भाई अंकित त्रिवेदी ने स्कॉर्पियो नंबर के आधार पर मिर्जापुर गांव निवासी बलवीर यादव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस जांच में सामने आया कि घटना के समय बलवीर नशे में था। पुलिस ने तलाश शुरू की तो रविवार रात उसे हनुमान मंदिर के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने तेज रफ्तार और नशे में गाड़ी चलाने की बात कबूली है। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है।

किशोरी को ब्लैकमेल कर हड़पे 25 लाख के जेवर

अमृत विचार , बख्शी का तालाब : सैरपुर क्षेत्र में नाबालिग किशोरी को ब्लैकमेल कर उसके घर से 25 लाख के जेवर हड़पने का मामला सामने आया है। परिजन के मुताबिक किशोरी को उसके विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र ने बहला-फुसलाकर फंसा लिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इलाके में रहने वाले व्यक्ति ने बताया कि उसकी बेटी नाबालिग है। वह अपने विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र की दोस्ती में फंस गई। दोस्त ने उससे नजदीकी बनाई। इसके बाद आपत्तिजनक वीडियो वा फोटो दिखाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। इसके बदले में किशोरी से रुपये की मांग की। किशोरी चोरी कर घर के जेवर उसे देती रही। किशोरी ने घर से 25 लाख रुपये के जेवर आरोपी छात्र को दे दिए।

एसीपी दफ्तर के पास फायरिंग में हिस्ट्रीशीटर समेत तीन गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार Follow UP

अमृत विचार: दुबग्गा स्थित काकोरी एसीपी दफ्तर के पास रंगदारी मांगने एवं प्लाट पर कब्जेदारी के विवाद में दिनदहाड़े फायरिंग की गई। ईंट व पत्थर से हमला कर मजदूरों को घायल किया गया। इस मामले के मुख्य आरोपी व हिस्ट्रीशीटर उमेश रावत उर्फ मूसा को सोमवार देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। रविवार को गिरफ्तार साहू और फहद को जेल भेज दिया है। अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम दबिश दे रही है। पुलिस नामजद आरोपियों की घटनास्थल पर विवाद के दौरान मौजूदगी को लेकर भी जांच कर रही है। वही पुलिस ने शांति व्यवस्था को लेकर प्लाट पर निर्माण कार्य रुकवा दिया गया है।

दुबग्गा में एसीपी दफ्तर के सामने अमीनाबाद निवासी फहाम जहीर का प्लाट है। जिस पर कब्जेदारी एवं रंगदारी की मांग को लेकर विवाद चल रहा है। विवाद के चलते रविवार को दिनदहाड़े दबंगो ने दहशत फैलाने के लिए प्लाट पर जाकर हवाई फायरिंग की साथ ही प्लाट पर काम कर मजदूरों व टीन शेड पर ईट बरसाए। जिससे इलाके में दहशत बन गई। मामले में फहाम जहीर ने बेगरिया गांव निवासी इस्लाम उर्फ ओलू, सुफियान, सत्येंद्र रावत, विक्रांत साहू ,तीरथ राम, सौरव रावत, उमेश रावत उर्फ मूसा व सनी खान एवं 15 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इंस्पेक्टर अभिनव कुमार वर्मा ने बताया कि घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों व वायरल वीडियो की जांच पड़ताल में एक अज्ञात युवक द्वारा फायरिंग की पुष्टि हो रही है। टीन शेड पर ईंट बरसाए जाने की आवाज को फायरिंग बताया जा रहा है।

एसीपी बाजारखाला करेंगे जांच

- डीसीपी पश्चिमी विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि इस मामले में विस्तृत जांच के लिए एसीपी बाजारखाला को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनसे सात दिन में रिपोर्ट मांगी गई है, ताकि पता चल सके कि किसकी लापरवाही से यह हुआ है और उसके खिलाफ कार्रवाई की जा सके। इसके साथ ही तीन टीमों को आरोपियों की तलाश में लगाया गया है। फुटेज की मदद से गोली चलाने वालों की तलाश की जा रही है।

अग्निवीर महिला मिलिट्री पुलिस भर्ती 18 फरवरी को

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एएमसी स्टेडियम में होगी उप्र और उत्तराखंड की भर्ती रैली
- एक हजार अभ्यर्थी शॉर्टलिस्ट जुलाई में दी थी सीईई परीक्षा

अमृत विचार : रिक्रूटिंग जोन उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड, रिक्रूटिंग ऑफिस (हेडक्वार्टर) लखनऊ के तहत सभी जिलों की 18 फरवरी को अग्निवीर महिला मिलिट्री पुलिस भर्ती कराई जाएगी। इस भर्ती रैली में एक हजार अभ्यर्थी हिस्सा लेंगे। प्रक्रिया लखनऊ छावनी स्थित एएमसी सेंटर और कॉलेज के एएमसी स्टेडियम में होगी।

यह रैली उत्तर प्रदेश में होने वाली रैलियों की सीरीज की छठी रैली होगी और यह एक दिन चलेगी। इसमें वे अभ्यर्थी शामिल होंगे जिन्होंने जुलाई 2025 में ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (सीईई) पास किया है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के सभी जिलों से लगभग एक हजार शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थी हिस्सा लेंगे। ऑनलाइन सीईई पास करने वाले और उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के सभी अभ्यर्थियों को अलग से एडमिट कार्ड जारी किए गए हैं। अभ्यर्थी नए जारी किए गए एडमिट कार्ड पर बताई गई तारीख को सुबह 4 बजे एएमसी सेंटर और कॉलेज स्टेडियम, लखनऊ में रिपोर्ट करेंगे।

ईमेल पर भेजे एडमिट कार्ड

- जिन अभ्यर्थियों ने एंट्रेंस एग्जाम पास कर लिया है, उन्हें रैली के लिए उनके रजिस्टर्ड ईमेल पर एडमिट कार्ड जारी किए गए हैं। सेना की तरफ से अभ्यर्थियों को सलाह दी गई कि वे दौड़ और अन्य टेस्ट के लिए अभ्यास करें जो रैली नोटिफिकेशन वएडमिट कार्ड में दिए गए हैं और सभी ज़रूरी दस्तावेज़ ओरिजिनल में साथ ले जाएं। सतर्क रहें और दलालों के झांसे में न आएं या किसी भी गलत तरीके का इस्तेमाल न करें, क्योंकि सेना में चयन पूरी तरह से निष्पक्ष और पारदर्शी होता है।

क्रिप्टो ट्रेडिंग के नाम पर 50.14 लाख ठगे, एफआईआर

अमृत विचार, लखनऊ : गोमतीनगर के विवेक खंड निवासी 70 वर्षीय सेवानिवृत्त अधिकारी आलोक मिश्र से साइबर जालसाजों ने क्रिप्टो करेंसी ट्रेडिंग के नाम पर 50,14,493 रुपये ठग लिए। पीड़ित ने डीसीपी क्राइम से शिकायत की, जिसके बाद साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गोमतीनगर के विवेक खंड निवासी आलोक मिश्र के मुताबिक फर्जी क्रिप्टो ट्रेडिंग वेबसाइट द फर्स्ट एसेट ब्लॉकचेन यूनिवर्स ट्रेसेबिलिटी के माध्यम से उनके साथ ठगी की गई। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक के जरिए उनका संपर्क निकिता त्रिपाठी से हुआ। महिला ने उन्हें 10,000 रुपये से ट्रेडिंग शुरू करने का सुझाव दिया और अपने भाई के लंदन में रहने तथा उसके मार्गदर्शन में ट्रेडिंग कराने का भरोसा दिलाया।

रणजी में साख बचाने उतरेगी यूपी की टीम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- झारखंड के खिलाफ करो या मरो मुकाबला

अमृत विचार: रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सत्र में नॉकआउट की दौड़ से बाहर होने की कगार पर खड़ी उत्तर प्रदेश की टीम अब अपने घरेलू मैदान इकाना स्टेडियम पर झारखंड के खिलाफ मुकाबला खेलेगी।

यूपी क्रिकेट एसोसिएशन ने 21 सदस्यीय टीम घोषित की है। टीम की कमान मुरादाबाद के प्रतिभाशाली विकेटकीपर-बल्लेबाज आर्यन जुयाल के हाथ में है, जबकि गाजियाबाद के माधव कौशिक उपकप्तान बनाए गए हैं। यह मुकाबला यूपी के लिए किसी भी लिहाज से आसान नहीं है और नॉकआउट की दौड़ में बने रहने के लिए टीम को हर हाल में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। युवा नेतृत्व में टीम को दबाव झेलने और नॉकआउट की दौड़ में बने रहने की चुनौती से उबरने के लिए बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

21 सदस्यीय टीम में शामिल खिलाड़ी

- आर्यन जुयाल (कप्तान), माधव कौशिक (उपकप्तान), शिवम शर्मा, अभिषेक गोस्वामी, आदित्य शर्मा, विनीत दुबे, नलिन मिश्रा, आदर्श सिंह, प्रशांत वीर, कुनाल त्यागी, नदीम, प्रियम गर्ग, कार्तिक यादव, विप्रज निगम, जीशान अंसारी, रोहित द्विवेदी, शिवम मावी, आशुतोष राय, जसमेर, करन चौधरी और शुभ खन्ना।

अभ्यास और तैयारियां

- झारखंड और उत्तर प्रदेश की टीमें सोमवार देर रात लखनऊ पहुंच गई हैं। मंगलवार से इकाना स्टेडियम में दोनों टीमों के अभ्यास सत्र शुरू होंगे। यूपी टीम सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक अभ्यास करेगी, जबकि झारखंड दोपहर 1:30 बजे से शाम 4 :30 बजे तक प्रैक्टिस करेगी। यूपीसीए के सीईओ अंकित चटर्जी के अनुसार मुकाबले की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। घरेलू परिस्थितियों का लाभ उठाने के इरादे से उतरने वाली यूपी टीम के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा होगा।

स्पिन आक्रमण में ताकत

- टीम चयन में सबसे बड़ी खासियत लखनऊ के लेग स्पिनर जीशान अंसारी की वापसी है। विजय हजारे ट्रॉफी में सात मैचों में 21 विकेट लेने वाले जीशान से इकाना की टर्निंग पिच पर बड़ी भूमिका निभाने की उम्मीद है। इसके अलावा लखनऊ के ही विप्रज निगम और रोहित चतुर्वेदी को भी टीम में शामिल किया गया है, जिससे स्पिन आक्रमण को मजबूती मिली है। उनके पिछले रिकॉर्ड के आधार पर अंतिम एकादश में उनका स्थान लगभग तय माना जा रहा है।

महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्प अर्पित करते व्यापारी।

व्यापारियों ने मनाई महाराणा प्रताप की जयंती

- **अमृत विचार, बख्शी का तालाब :** संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल बीकेटी इकाई बख्शी का तालाब ने बड़ी बाजार में महाराणा प्रताप की जयंती मनाई। अध्यक्ष वेद रत्न सिंह चौहान ने कहा कि महाराणा प्रताप त्याग, शौर्य और स्वाभिमान के प्रतीक थे। उन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए विपरीत परिस्थितियों में भी कभी समझौता नहीं किया। उनका जीवन आज की पीढ़ी को राष्ट्रभक्ति, आत्मसम्मान और संघर्ष की प्रेरणा देता है।कार्यक्रम में प्रवक्ता डॉ .दिनेश वर्मा, मीडिया प्रभारी प्रदीप सिंह, कोषाध्यक्ष योगेंद्र प्रताप सिंह सहित रजनीश सिंह, लल्लन सिंह, शैलेंद्र सिंह, अमरेश कुमार सैनी, राजर्षी सिंह व अन्य व्यापारी उपस्थित रहे।

रक्तदान करता युवक, साथ में अन्य।

दुबग्गा में लगाया रक्तदान शिविर

- **अमृत विचार,काकोरी :** युवा जनशक्ति सेवा फाउंडेशन के तत्वावधान में दुबग्गा के बास मार्केट मौरा बरावन कला में नि :शुल्क मेडिकल एवं रक्तदान शिविर लगाया गया। इसका शुभारंभ पूर्व ब्लॉक प्रमुख मलिहाबाद राजबाला रावत ने किया। शिविर में रक्त व आंखों की जांच भी की गई। फाउंडेशन के अध्यक्ष शुभम यादव ने बताया कि कई लोगों ने शिविर में रक्तदान किया। उन्होंने मरीजों और घायलों की जान बचाने के लिए लोगों से रक्तदान करने की अपील भी की।

फैक्ट्री में आग से करोड़ों का सामान जला

- **अमृत विचार, उन्नाव :** कोतवाली क्षेत्र के ऊंचाद्वार चौराहा स्थित स्वाद एग्रो फैक्ट्री में सोमवार तड़के संदिग्ध परिस्थिति में आग लग गई। इस अग्निकांड में फैक्ट्री में रखा करोड़ों का तैयार उत्पाद व लाखों की मशीनें जलकर राख हो गई हैं। दमकल की कई गाड़ियों ने 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बता दें कि सोमवार भोरपहर 3 बजे फैक्ट्री से लपटें उठती देखी गईं। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। लपटें कई किलोमीटर दूर से दिख रही थीं। फैक्ट्री में सरसों का तेल, पास्ता, मैकरोनी, दलिया, आटा, बेसन व सोया बड़ी जैसे खाद्य उत्पादों का बड़े पैमाने पर निर्माण होता था जो आग की भेंट चढ़ गए।

ढिलाई | सरकारी घोषणा अब भी जमीन पर नहीं उतर पाई

कैशलेस चिकित्सा सुविधा का शिक्षक कर रहे महीनों से इंतजार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- शिक्षकों में आक्रोश, कहा अधिकारियों की लापरवाही से शिक्षक परेशान

अमृत विचार: प्रदेश सरकार द्वारा प्राथमिक शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने की घोषणा किए चार माह बीत चुके हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर यह योजना अब तक लागू नहीं हो सकी है। इससे प्राथमिक शिक्षक निराशा और नाराज़गी महसूस कर रहे हैं।

शिक्षकों का कहना है कि योजना की घोषणा के समय इसे शीघ्र लागू करने का भरोसा दिया गया था, लेकिन आज तक उन्हें इसका कोई वास्तविक लाभ नहीं मिल पाया है। इस योजना के तहत शिक्षकों और उनके आश्रितों को सूचीबद्ध निजी व सरकारी अस्पतालों में बिना नकद भुगतान के इलाज की सुविधा दी जानी है। जिससे गंभीर बीमारी या आपात स्थिति में शिक्षकों को आर्थिक परेशानियों का सामना न करना पड़े। हालांकि अब तक न तो अधिकांश शिक्षकों को कार्ड उपलब्ध कराए गए हैं और न ही अस्पतालों की स्पष्ट सूची जारी की गई है। शिक्षक संगठनों का आरोप है कि विभागीय स्तर पर लापरवाही के कारण योजना फाइलों तक सीमित रह गई है। शिक्षकों ने जब अस्पतालों से संपर्क किया तो उन्हें बताया गया कि कैशलेस सुविधा से संबंधित कोई स्पष्ट निर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं। प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने मांग की है कि सरकार तत्काल योजना को पूरी तरह लागू करे और इसकी प्रगति की नियमित समीक्षा करे। जबकि विभागीय अधिकारियों का कहना है कि तकनीकी प्रक्रियाएं और अस्पतालों का पैनल तैयार करने का कार्य चल रहा है और जल्द ही योजना को धरातल पर उतारा जाएगा।

शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री ने की थी घोषणा

- शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक, रसोइयों के लिए घोषणा की गई थी। नए साल में कैशलेस चिकित्सा का लाभ सभी शिक्षकों को मिल जाए, इसके लिए भरोसा दिया गया था।

> कैशलेस चिकित्सा के लिए ज्ञापन कार्यक्रम व आंदोलन किए गए, जिसके बाद मुख्यमंत्री द्वारा इसकी घोषणा की गई। शिक्षकों के संघर्ष व स्वास्थ्य की दृष्टिगत की गई घोषणा से शिक्षक काफी खुश थे, लेकिन उच्च अधिकारियों के उदासीन रवैए के चलते लाभ न मिलते देख शिक्षक निराश हो रहे हैं।
>
> **-सुशील कुमार पाण्डेय,** प्रदेश अध्यक्ष, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ

> सभी तरह के कार्य करने के लिए शिक्षकों को अग्रिम श्रेणी में रखकर कार्य करवाए जाते है। परंतु जब शिक्षकों को सुविधा देने के बात होती है, तो शिक्षकों को अंतिम श्रेणी में भी नहीं रखा जाता है।
>
> **-मनोज कुमार मौर्य,** जिला कोषाध्यक्ष, जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ, लखनऊ

महिला सफाईकर्मी से पुरुष मरीज का कैथेटर हटवाने का आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : राजाजीपुरम स्थित रानीलक्ष्मी बाई संयुक्त अस्पताल में महिला सफाईकर्मी से पुरुष वार्ड में ड्यूटी कराने और पुरुष मरीज का कैथेटर हटवाने का दबाव बनाने का आरोप लगा है। सोमवार को महिला सफाईकर्मी ने रोते हुए मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) से न्याय की गुहार लगाई। महिला का कहना है कि पुरुष वार्ड में उसकी ड्यूटी लगाना और इस तरह का काम कराना नियमों के विरुद्ध है। सीएमएस डॉ. नीलिमा सोनकर ने बताया कि महिला कर्मचारी ने उनसे मुलाकात कर अपनी समस्या बताई थी।

राजनीति को लेकर नकारात्मक धारणा पर उठाए सवाल

पीठासीन अधिकारी सम्मेलन को विधानसभाध्यक्ष ने किया संबोधित, देशभर की विधायिकाओं के पीठासीन अधिकारी एक मंच पर जुटे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

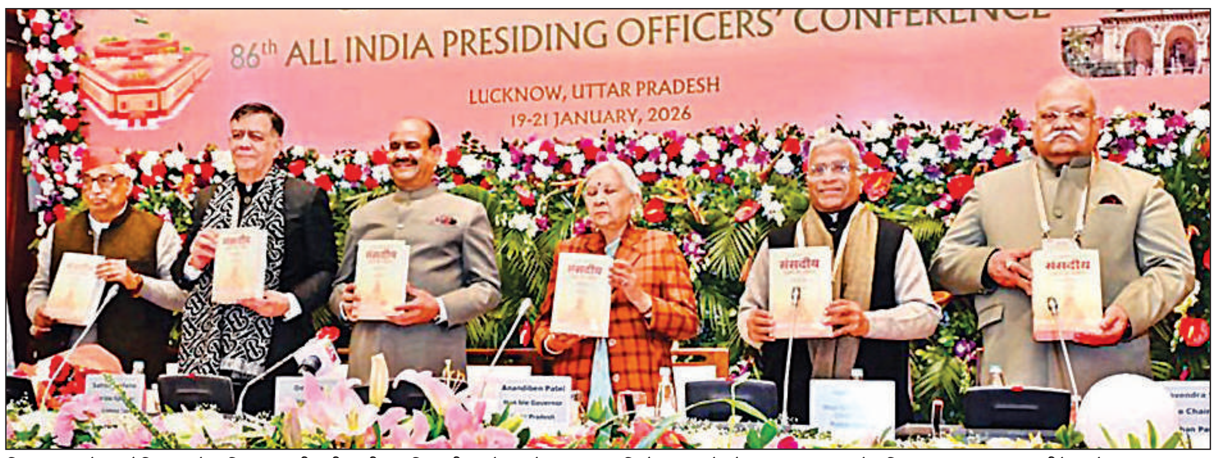

विधानसभा में आयोजित 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में पुस्तक का विमोचन करते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, विधानसभाध्यक्ष सतीश महाना, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह।

अमृत विचार : विधानसभाध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि आजादी के बाद से अब तक देश ने अनेक महान नेताओं को देखा है, जिन्होंने राष्ट्र को दिशा दी। उन्होंने राजनीति को लेकर बनाई गई नकारात्मक धारणा पर सवाल उठाते हुए कहा कि नेता वही बन सकता है, जिसे समाज का हर पक्ष समझ में आता हो।

सोमवार को विधानसभा में आयोजित 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में संबोधित करते हुए महाना ने कहा कि यह अत्यंत गौरव की बात है कि इतने बड़े राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी का अवसर प्रदेश को मिला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीते पौने 9 वर्षों में प्रदेश की छवि बदली है और लोगों का नजरिया उत्तर प्रदेश को लेकर सकारात्मक हुआ है। महाना ने कहा कि पीएचडी किए हुए, रिटायर्ड आईएएस-आईपीएस, जमीनी कार्यकर्ता और सफाईकर्मी भी विधानसभा में विधायक बनकर आते हैं और समाज को दिशा देने का कार्य करते हैं। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के सहयोग, सम्मान और संवाद से ही लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं आगे बढ़ती हैं।

सबसे पहले राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलन के साथ सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन किया गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित किया।

उत्तर प्रदेश भारत का हृदय प्रदेश : हरिवंश

राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश ने कहा कि लखनऊ तहजीब का प्रतीक है और उत्तर प्रदेश भारत का हृदय प्रदेश। काशी, प्रयाग, अयोध्या, नैमिषारण्य, चित्रकूट और सारनाथ जैसी पावन भूमि इसकी पहचान हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश आज अवसरों का प्रदेश बन रहा है और राज्य की जीडीपी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

लघु फिल्मों में प्रदेश की झलक

कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश कैसे बन रहा है सर्वोत्तम प्रदेश विषय पर लघु फिल्म दिखाई गई। इसमें प्रदेश के तीर्थ स्थलों, स्वतंत्रता संग्राम में योगदान, रानी लक्ष्मीबाई, रामप्रसाद बिस्मिल, चंद्रशेखर आजाद, काशी की सांस्कृतिक परंपराओं, बिस्मिल्लाह खान, पंडित रविशंकर, पंडित बिरजू महाराज जैसी महान विभूतियों का चित्रण किया गया है।

सम्मेलन आत्मनिरीक्षण व आत्मसुधार का मंच : माता प्रसाद पांडेय

नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह सम्मेलन आत्मनिरीक्षण और आत्मसुधार का मंच है। लोकतंत्र केवल विजय का अवसर नहीं, बल्कि शासन और समाज के बीच निरंतर संवाद की प्रक्रिया है। संविधान सरकार से बड़ा है, और नागरिक सत्ता से ऊपर हैं।

एक पद पर दो एक्स-रे टेक्नीशियन तैनात

- स्वास्थ्य विभाग में सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत एक्स-रे टेक्नीशियन की तैनाती में बड़े पैमाने पर अनियमितता का मामला सामने आया है। आरोप है कि कई जिलों में एक ही स्वीकृत पद पर नियमित और संविदा- दोनों तरह के एक्स-रे टेक्नीशियन कार्यरत दिखाए जा रहे हैं, जिससे सरकारी धन का दुरुपयोग हो रहा है।

प्रमुख सचिव अमित कुमार घोष को प्राप्त शिकायती पत्र में बताया गया कि मिशन निदेशक द्वारा 24 जुलाई 2012 को जारी आदेश के तहत 177 एक्स-रे टेक्नीशियन पद इस शर्त पर स्वीकृत किए गए थे कि यदि इन पदों पर नियमित भर्ती होती है तो संविदा कर्मियों की नियुक्ति स्वतः समाप्त मानी जाएगी और उनका कोई दावा मान्य नहीं होगा। इसके बावजूद सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त जानकारी में कई जिलों में एक ही केंद्र पर दो-दो टेक्नीशियन की तैनाती दर्शाई गई है।

शिकायतकर्ता द्वारा प्रेषित सूची के अनुसार अलीगढ़, अम्बेडकर नगर, अयोध्या, बाराबंकी, बांदा, हमीरपुर, हरदोई, झांसी, कौशांबी, लखीमपुर खीरी, रायबरेली और औरैया सहित कई जिलों के सामुदायिक एवं जिला अस्पतालों में यह स्थिति पाई गई है। इन स्थानों पर एक टेक्नीशियन की नियमित नियुक्ति होने के बावजूद एनएचएम के माध्यम से संविदा कर्मियों को भी तैनात दिखाया गया है।

आरोप लगाया गया है कि यह सब सीएमओ और अधीनस्थ लिपिकीय कर्मचारियों की मनमानी से किया जा रहा है, जिससे एनएचएम की धनराशि का गलत उपयोग हो रहा है और राज्य सरकार की छवि को नुकसान पहुंच रहा है।

न्यूज ब्रीफ

तीसरी काउंसिलिंग 23 जनवरी से

अमृत विचार, लखनऊ : नीट पीजी की तीसरी काउंसिलिंग में पीजी व डीएनबी सीटों पर दाखिले के लिए पीएमएस संवर्ग के 27 चिकित्सकों की सूची जारी हो गई है। मेरिट सूची में क्रमानुसार यह अभ्यर्थी पीजी काउंसिलिंग में कॉलेजों की प्राथमिकताएं देंगे। मालूम हो कि नीट पीजी 2025 की तीसरी काउंसिलिंग 23 जनवरी से शुरू होगी।

मंत्रिमंडल विस्तार की तय होगी डेडलाइन

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नामांकन और चुनाव कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को नई दिल्ली पहुंचे। उनके साथ दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत यूपी के सभी प्रस्तावक भी मौजूद रहे। माना जा रहा है कि भाजपा के शीर्ष नेता यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार की डेडलाइन तय कर सकते हैं, साथ ही गृह मंत्री अमित शाह का उप्र दिवस में आने का कार्यक्रम भी तय होगा।

सरगना व साथी की 1.09 करोड़ की संपत्ति कुर्क

अमृत विचार, लखनऊ : ठाकुरगंज क्षेत्र में सक्रिय गिरोह के सरगना आशीष सिंह उर्फ राजा और उसके साथी मनीष सिंह व अवनीश सिंह की कुल 1.09 करोड़ रुपये की संपत्ति कोर्ट के आदेश पर कुर्क की गई। वजीरगंज पुलिस ने यह कार्रवाई की है। पुलिस जांच में पता चला कि यह गिरोह 2018 से संगठित आपराधिक गतिविधियों में लिप्त था और इसी से भारी संपत्ति अर्जित की। कुर्क की गई संपत्तियों में मुख्य रूप से लखनऊ के ग्राम नरीना, परगना काकोरी की भूमि (खसरा संख्या 524, भाग 1/3) शामिल है, जिसकी कीमत लगभग 80 लाख आंकी गई है।

ब्लड कलेक्शन करने गए युवक से लूटपाट

अमृत विचार, लखनऊ : चिनहट के मल्हौर इलाके में रहने वाले व्यक्ति ने ब्लड का सैंपल लेने के लिए 16 जनवरी को पैथालॉजी के कर्मचारी को बुलाया। वहां पांच लोगों ने मिलकर उसका मोबाइल लूट लिया। विरोध करने पर पिटाई की। पीड़ित मटियारी निवासी सुनील कुमार यादव की तहरीर पर चिनहट थाने में पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस का कहना है कि इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की जा रही है।

यूपी में होगा 9,750 करोड़ रुपये का निवेश

दावोस में हुए समझौते से एआई, ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र में खुलेंगे नए रास्ते

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश के लिए वैश्विक निवेश के मोर्चे पर बड़ी उपलब्धि सामने आई है। स्विट्जरलैंड के दावोस में शुरू हुए विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के सम्मेलन में राज्य सरकार ने विभिन्न कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर कर 9,750 करोड़ रुपये के निवेश का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। इन निवेशों से प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रक्षा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों को नई गति मिलेगी।

स्विट्जरलैंड के दावोस में समझौता करते वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, साथ में अन्य।

सम्मेलन के पहले दिन प्रदेश सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने सेल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के साथ 8000 करोड़ का एमओयू किया। इसके तहत राज्य में कृषि अपशिष्ट से बिजली उत्पादन के लिए 500 मेगावाट क्षमता के 20 संयंत्र लगाए जाएंगे। प्रत्येक संयंत्र 25 मेगावाट का होगा और इन्हें धान उत्पादन वाले 16 चिन्हित जिलों में स्थापित किया जाएगा। इन संयंत्रों में पराली और धान के अवशेष का उपयोग कर बिजली बनाई जाएगी। इसके अलावा सिफी टेक्नालाजीज के साथ 1,600 करोड़ रुपये के निवेश का समझौता हुआ है। कंपनी नोएडा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित और नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित डेटा केंद्र स्थापित करेगी। इसके साथ ही नोएडा में एआई सिटी विकसित करने की योजना पर भी सहमति बनी है। एक विदेशी कंपनी के साथ 150 करोड़ रुपये के निवेश का समझौता किया गया है, जिससे प्रदेश में रक्षा उत्पाद निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। मालूम हो कि 19 से 23 जनवरी तक चल रहे दावोस सम्मेलन में उत्तर प्रदेश सरकार का प्रतिनिधिमंडल वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना के नेतृत्व में अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार, मुख्यमंत्री कार्यालय के सचिव अमित सिंह, इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद व यूपीनेडा के निदेशक इंदरजीत सिंह भाग ले रहे हैं।

अभी जेल में ही रहेंगे अमिताभ ठाकुर

- पत्नी नूतन की अग्रिम जमानत याचिका खारिज
- वारंट तामील होने से पूर्व आईपीएस की नहीं हो सकेगी रिहाई

अमिताभ ठाकुर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: जालसाजी के मामले में देवरिया जेल में निरुद्ध पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर की जमानत याचिका जिला जज धनेंद्र प्रताप सिंह ने सोमवार को मंजूर कर ली। इसी बीच लखनऊ में दर्ज एक अन्य मामले में पूर्व आईपीएस को वारंट बी तामिल कराया गया। इस कारण उनकी रिहाई नहीं हो सकेगी। वहीं, पूर्व आईपीएस की पत्नी नूतन ठाकुर की अग्रिम जमानत याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है। अब वह हाईकोर्ट जाने की तैयारी में हैं।

गोमतीनगर स्थित विराम खंड निवासी अमिताभ ठाकुर ने वर्ष 1999 में देवरिया में एसपी रहने के दौरान पत्नी नूतन के नाम से औद्योगिक क्षेत्र में प्लाट खरीदा था। आरोप है कि प्लाट खरीदने के दौरान नूतन ठाकुर की जगह नूतन देवी और पति का नाम अमिताभ ठाकुर की जगह अभिजात लिखा गया। सितंबर 2025 में इस मामले में लखनऊ के ताल कटोरा थाने में रिपोर्ट दर्ज हुई थी। इसी मामले में 10 दिसंबर को पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर देवरिया जेल भेज दिया। पूर्व आईपीएस अधिकारी के अधिवक्ता प्रवीण द्विवेदी की तरफ से जिला जज की अदालत में दाखिल जमानत अर्जी पर सोमवार को लगभग डेढ़ घंटे तक सुनवाई हुई। बचाव पक्ष ने जमकर बहस की। जिला जज ने पूर्व आईपीएस अधिकारी की जमानत अर्जी मंजूर कर ली। एक-एक लाख के व्यक्तिगत बंध पत्र पर यह जमानत मिली है। वहीं कोर्ट ने उनकी पत्नी नूतन ठाकुर की अग्रिम जमानत को खारिज कर दिया है। पूर्व आईपीएस अधिकारी के हाई सिक्योरिटी बैरक के बाहर जान से मारने की धमकी भरा एक पत्र मिला था। इसके बाद उनकी सुरक्षा जेल में बढ़ा दी गई थी। अमिताभ ठाकुर को लखनऊ के गोमती नगर थाने से वारंट बी के मामले में लखनऊ तलब किया गया है। ऐसे में अगर अमिताभ ठाकुर की रिहाई जेल से होती भी है तो उन्हें पुलिस अभिरक्षा में लखनऊ जेल भेजा जाएगा। क्योंकि उनका वारंट बी जिला कारागार व मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में प्राप्त हो चुका है।

मदरसा की मान्यता फिर निलंबित

- बिना अनुमति बेच दिया था मदरसा लुत्फिया अरबिया का भवन
- प्रबंधक नहीं दे सके मदरसा भूमि व भवन के स्वामित्व के दस्तावेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मदरसा लुत्फिया अरबिया तुर्कमानगेट, टनटनपाड़ा, अलीगढ़ की मान्यता को उप्र. मदरसा शिक्षा परिषद ने एक बार फिर निलंबित कर दिया है। परिषद ने यह कार्रवाई मदरसे की ओर से भूमि व भवन के स्वामित्व से जुड़े नियमों के उल्लंघन और बिना अनुमति संपत्ति के विक्रय व स्थान परिवर्तन के मामले में की है।

मदरसा बोर्ड के रजिस्ट्रार की तरफ से जारी आदेश में बताया गया कि वर्ष 2009-10 के ऑडिट प्रतिवेदन में यह सामने आया था कि मदरसे की एक मंजिला इमारत को पूर्व प्रबंधक की ओर से बिना सक्षम अधिकारियों की अनुमति के 3.75 लाख रुपये में बेच दिया गया। इस मामले में मदरसा मान्यता नियमावली 1987 और उप्र. अशासकीय अरबी व फारसी मदरसा मान्यता, प्रशासन एवं सेवा विनियमावली 2016 के उल्लंघन पाए गए थे। इसी आधार पर परिषद ने 29 जुलाई 2025 को मदरसे की मान्यता निलंबित की थी।

निलंबन आदेश के खिलाफ मदरसा प्रबंधन ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की। हाईकोर्ट ने 22 सितंबर 2025 को यह कहते हुए आदेश निरस्त कर दिया कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन नहीं हुआ है और प्रबंधन को सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया। साथ ही परिषद को निर्देश दिया गया कि सुनवाई के बाद नया आदेश पारित किया जाए।

मौका मिलने पर भी नहीं दे सके भवन स्वामित्व के दस्तावेज

हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में परिषद ने प्रबंधन को नोटिस जारी कर सुनवाई की, लेकिन प्रबंधक मदरसा भूमि व भवन के स्वामित्व से संबंधित कोई ठोस दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि मदरसा बिना सक्षम अनुमति के बार-बार स्थान बदलकर संचालित किया जा रहा था। इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए परिषद ने मदरसा लुत्फिया अरबिया अलीगढ़ की मान्यता निलंबित करने का आदेश जारी किया है।

साइबर ठगों ने निवेश के नाम पर 65 लाख ठगे

अमृत विचार, लखनऊ : जानकीपुरम निवासी उदय पाण्डेय और उनकी पत्नी प्रिया पांडेय व भाई संजय पाण्डेय से साइबर ठगों ने निवेश के नाम पर 65,30,600 रुपये ठग लिये। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकीपुरम निवासी उदय पाण्डेय के मुताबिक, उन्हें और उनके परिवार को व्हाट्सअप नंबरों के माध्यम से विभिन्न ग्रुप में जोड़ा गया। आरोपियों ने निवेश करने पर मोटे मुनाफे का लालच दिया। उदय ने पुलिस को बताया कि उनके एसबीआई खाते से 70 हजार, आईसीआईसीआई बैंक खाते से 8.65 लाख और बैंक ऑफ बड़ौदा के खाते से 36,22,600 रुपये ट्रांसफर कराये गये। इसके अलावा उनकी पत्नी प्रिया पांडेय के एसबीआई खाते से 1,54,000 रुपये और भाई संजय पांडेय के आईसीआईसीआई बैंक खाते से 18,21,000 रुपये ट्रांसफर कराये गये। इंस्पेक्टर साइबर क्राइम थाना बृजेश कुमार यादव के मुताबिक रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

बढ़ते कदम | चिकित्सा उपकरणों को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय मानकों पर अनुमोदन

यूपी में बनेंगी 'आस्का' प्रयोगशालाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: चिकित्सा उपकरण बनाने वाले स्टार्टअप और उद्योगपतियों के लिए उत्तर प्रदेश से बड़ी राहत की खबर है। अब उन्हें अपने उत्पादों के निर्यात अनुमोदन के लिए अमेरिका की प्रयोगशालाओं के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में अमेरिका की तर्ज पर आस्का (अनुरूपता आकलन प्रत्यायन योजना) प्रयोगशाला स्थापित करने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए भारत सरकार और निर्यात परिषद ने पहल तेज कर दी है।

यूपी हेल्थ टेक कान्क्लेव 1.0 के दूसरे दिन विशेषज्ञों ने बताया कि आस्का, अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन की एक मान्यता योजना है, जिसके तहत चिकित्सा उपकरणों के परीक्षण के लिए प्रयोगशालाओं को मान्यता दी जाती है। इन प्रयोगशालाओं से अनुमोदन मिलने के बाद ही चिकित्सा उपकरणों का अमेरिका और अन्य देशों में निर्यात संभव हो पाता है। वर्तमान में यह प्रक्रिया लंबी और जटिल है, जिससे निर्यातकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका, कनाडा, यूरोप, चीन और जापान में करीब 160 आस्का-मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाएं हैं। भारत में पहली ऐसी प्रयोगशाला स्थापित होने से न केवल अनुमोदन की समय-सीमा घटेगी, बल्कि लागत भी कम होगी। इसके साथ ही पड़ोसी देशों के उत्पादों का परीक्षण और अनुमोदन भी भारत में संभव हो सकेगा। यह प्रयोगशाला सार्वजनिक-निजी सहभागिता मॉडल पर स्थापित की जाएगी।

सरकार का अपराधियों को संरक्षण : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार के रहते न अपराध रुक सकता है और न भ्रष्टाचार। क्योंकि भाजपाई अपराधियों, भ्रष्टाचारियों से मिले हुए हैं। अपराधी भाजपाइयों और पुलिस के द्वारा संरक्षित हैं। महिलाओं के साथ अपराध की घटनाओं और साइबर अपराध में उत्तर प्रदेश देश में नंबर एक पर है। इसकी जिम्मेदार भाजपा सरकार है। सपा प्रमुख ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि सीतापुर में सेवानिवृत लेखपाल के घर परिवार को बंधक बनाकर 17 लाख की डकैती हो गयी। अम्बेडकरनगर जिले में अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र स्थित गांधी आश्रम में दिनदहाड़े एक महिला की गला रेता कर हत्या कर दी गई।

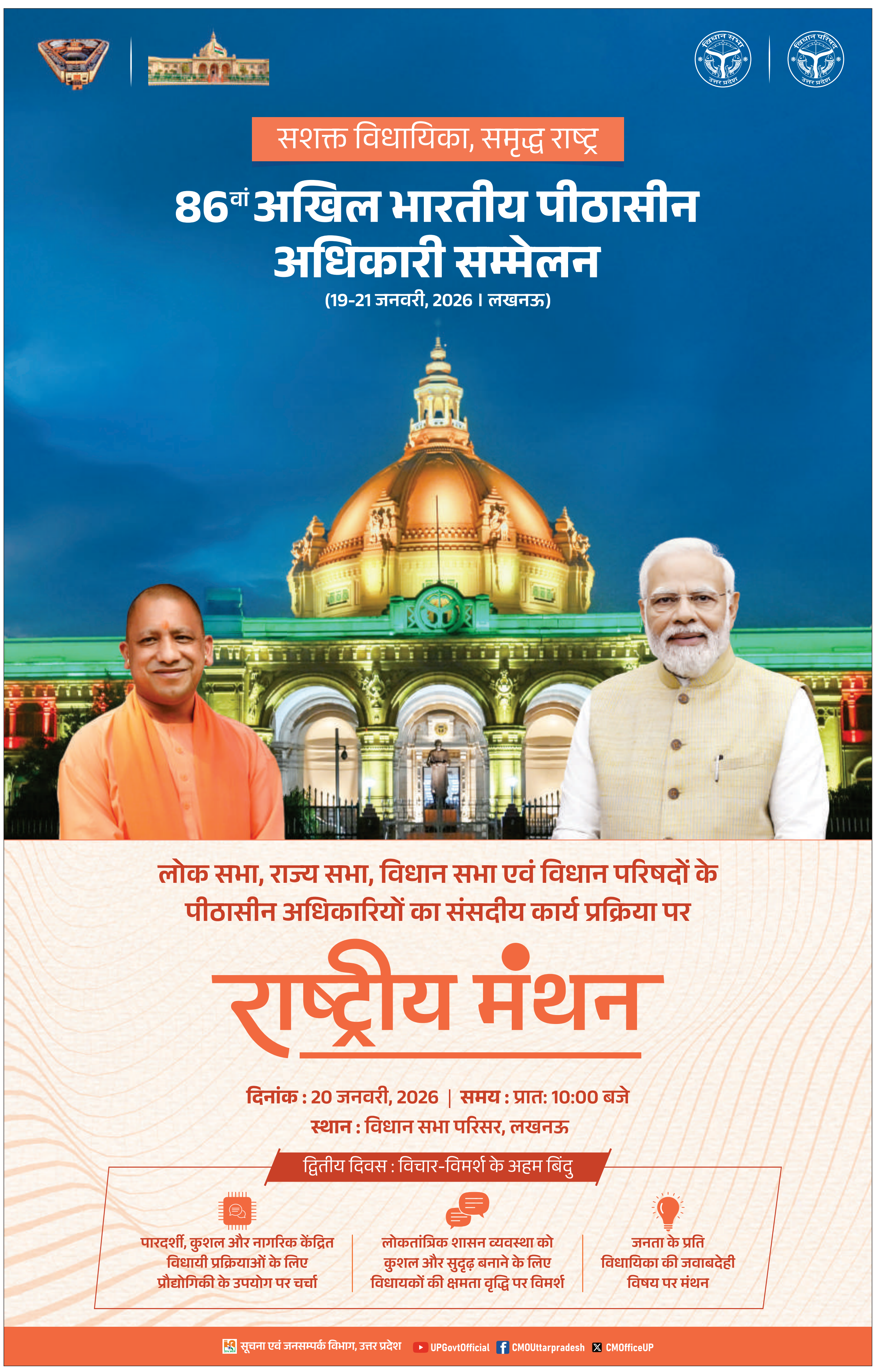

न्यूज ब्रीफ

15631 मतदाताओं के सत्यापन के लिए नोटिस हुई जारी

फतेहपुर, बाराबंकी : फतेहपुर विधानसभा क्षेत्र में विशेष मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) को प्रभावी बनाने के लिए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। इस अभियान में एक ईआरओ और 15 एईआरओ की तैनाती की गई है, ताकि मतदाता सूची में किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूट न जाए। आंकड़ों के अनुसार, 497 मतदान बूथों में से 487 बूथों पर 15,631 मतदाताओं की मैपिंग नहीं हो पाई थी। प्रशासन ने इन मतदाताओं को नोटिस भेजना शुरू कर दिया है। बीएलओ घर-घर जाकर नोटिस वितरित कर रहे हैं और मतदाताओं से आवश्यक दस्तावेजों के साथ सत्यापन कराने का अनुरोध किया गया है। एसडीएम कार्तिकेय सिंह ने बताया कि नोटिस का जवाब मिलने पर मतदाता विवरण को अपलोड कर सही सूची में दर्ज किया जाएगा और अभियान नियमित निगरानी के साथ सुचारू रूप से चलाया जा रहा है।

गांजा व कार समेत तस्कर गिरफ्तार

कोठी, बाराबंकी : थाना कोठी पुलिस टीम ने एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से 9 किलो 50 ग्राम अवैध गांजा व घटना में प्रयुक्त एक वाहन बरामद किया है। पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त शिवशंकर चौहान उर्फ कल्लू पुत्र स्व0 सूरजपाल निवासी ग्राम चौहान का पुरवा मजरे पारिगावां थाना मिल एरिया जनपद रायबरेली को बाबा ढाबा के पास ग्राम कमालाबाद से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से 9 किलो 50 ग्राम अवैध गांजा व घटना में प्रयुक्त एक वाहन बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पंजीकृत किया।

मेले की हर व्यवस्था पर रखें कड़ी निगरानी: डीएम

लोधेश्वर महादेवा में महाशिवरात्रि मेले को लेकर किया निरीक्षण

- **सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर दिये सख्त निर्देश**

रामनगर, बाराबंकी

निरीक्षण के दौरान दिशा-निर्देश देते डीएम। अमृत विचार

अमृत विचार: प्रसिद्ध लोधेश्वर महादेवा में आयोजित होने वाले फागुनी महाशिवरात्रि मेले को सकुशल, सुरक्षित व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सोमवार को जिलाधिकारी शशांक कुमार त्रिपाठी ने प्रशासनिक अमले के साथ मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरांत महादेवा पुलिस चौकी परिसर में बैठक कर अधिकारियों को समय से सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। डीएम ने अपर जिलाधिकारी निरंकार सिंह के साथ मेला मैदान, अभरण सरोवर, बोहनिया तालाब, जलहरी कुंड सहित प्रमुख स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने मंदिर मार्गों पर प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, सुचारु पार्किंग, जर्जर विद्युत खंभों व खुले तारों को हटाने तथा 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। खराब हाईमास्ट लाइटों को तत्काल ठीक कराने को कहा गया। बोहनिया तालाब व अभरण सरोवर की सफाई और नलकूप विभाग से जल भराव कराने, मेला क्षेत्र की साफ-सफाई, एंटी लार्वा छिड़काव व कचरा प्रबंधन की जिम्मेदारी बीडीओ रामनगर जितेंद्र कुमार, बीडीओ सूरतगंज देवेंद्र कुमार सिंह व नगर पंचायत ईओ अशोक खरवार को सौंपी गई। दुकानदारों को अग्निशमन यंत्र, कूड़ेदान रखने व पॉलिथीन प्रयोग न करने के निर्देश दिए गए। बुढ़वल रेलवे स्टेशन मार्ग पर प्रकाश व्यवस्था जिला पंचायत से कराने, महादेवा चौकी के पास रैन बसेरा की मरम्मत पर्यटन विभाग से कराने, मलबा हटाने, मार्ग चौड़े रखने तथा छुट्टा पशुओं पर नियंत्रण की जिम्मेदारी पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरजीत सचान को दी गई। पेयजल हेतु खराब हैंडपंप व पानी की टंकी दुरुस्त कराने तथा नगर पंचायत रामनगर, फतेहपुर व दरियाबाद को टैंकर से जलापूर्ति के निर्देश दिए गए। डीएम ने अस्थायी शौचालयों की सफाई, मोबाइल टॉयलेट, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम, सरोवरों में बैरिकेडिंग व जाल, गोताखोरों, पीएसी, मेडिकल कैंप, अग्निशमन दल, सीसीटीवी व ड्रोन कैमरों की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। यातायात व्यवस्था के तहत चौकाघाट-मरकामऊ मार्ग पर पुल निर्माण कार्य मेला अवधि में रोकने के निर्देश दिए गए। बैठक में बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर जिला युवा कल्याण अधिकारी, जिला खाद्य अधिकारी व अधिशासी अभियंता विद्युत सहित पांच अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। इस मौके पर पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट व एसडीएम रामनगर गुंजिता अग्रवाल, एएसपी विकास चंद्र त्रिपाठी, सीएमओ डॉ. अवधेश कुमार यादव, सीओ गरिमा पंत, पीडब्ल्यूडी अवर अभियंता अजीत, तहसीलदार विपुल कुमार सिंह, कोतवाल अनिल कुमार पांडेय, चौकी प्रभारी अभिनंदन पांडेय सहित अनेक अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीएनजी टैंकर में गैस रिसाव से हड़कंप

सफदरगंज, बाराबंकी: दादरा चौराहे के पास लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर सीएनजी गैस से भरे एक टैंकर में गैस का तेज रिसाव शुरू हो गया। गैस की गंध फैलते ही चालक सहित आसपास से गुजर रहे राहगीरों में दहशत फैल गई। राहगीरों की सूचना पर सफदरगंज पुलिस मौके पर पहुंची और एहतियातन यातायात को डायवर्ट कर दिया। इस दौरान दादरा कट से वाहनों को वन-वे निकालते हुए करीब 40 मिनट तक हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा। बताया जा रहा है कि यह टैंकर बाराबंकी स्थित रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड से रामसनेहीघाट की ओर सीएनजी गैस लेकर जा रहा था। टैंकर में गैस पाइप में रिसाव हो गया था।

पोते ने कुल्हाड़ी से चचेरी दादी की हत्या की

संवाददाता, शिवगढ़ (रायबरेली)

तारावती की फाइल फोटो।

अमृत विचार। पोते ने रिश्तों को कलंकित करते हुए चचेरी दादी की दिनदहाड़े कुल्हाड़ी से काटकर नृशंस हत्या कर दी। इतना ही नहीं रक्तरंजित कुल्हाड़ी लेकर ग्रामीणों को ललकराते हुए मृतका के मासूम पोते और उसकी बहू प्रिया को जान से मारने के लिए दौड़ा, किन्तु वह बेटे को गोदी में चीखते चिल्लाते हुए किसी तरह जान बचाकर भाग निकली।

मामला शिवगढ़ थाना क्षेत्र के कृष्णपाल खेड़ा मजरे राaनीखेड़ा का है, जहां सोमवार की सुबह दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक युवक ने चचेरी दादी की दिनदहाड़े कुल्हाड़ी से काटकर नृशंस हत्या कर दी। इस सनसनीखेज वारदात से पूरे क्षेत्र में हड़कम्प मच गया और ग्रामीण दहशत में आ गए। बताते हैं कि आरोपी सोनू गौतम पुत्र राजकुमार का घर तारावती (55) पत्नी रामप्रताप गौतम के घर के ठीक सामने है। बताया जा रहा है कि रविवार की शाम आरोपी शराब के नशे में धुत होकर तारावती के घर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा। मृतका के बेटे दिलीप कुमार का आरोप है कि इस दौरान उनकी मां और बेटियों को भी गंदी-गंदी गालियां और जान से मारने की धमकी दे रहा था। भयभीत होकर परिजनों ने डायल 112 पर सूचना दी, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, सोमवार को दिनदहाड़े आरोपी ने कुल्हाड़ी से तारावती पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि यदि मोहल्ले के ही रहने वाले धर्मराज ने जान जोखिम में डालकर कुल्हाड़ी न छीनी होती तो आरोपी कई लोगों को मौत के घाट उतार देता। सूचना मिलते ही शिवगढ़ और बछरावां थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने आरोपी सोनू को कुल्हाड़ी के साथ गिरफ्तार कर लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना पर घटना स्थल पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलित किए।

बयान दर्ज कराने नहीं आए राहुल गांधी

विधि संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी सोमवार को बयान दर्ज कराने कोर्ट में हाजिर नहीं हुए। बयान दर्ज कराने के लिए अवसर देते एमपी-एमएलए कोर्ट मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 20 फरवरी की तिथि निर्धारित की है।

सोमवार को हुई सुनवाई में परिवादी भाजपा नेता एवं पूर्व कोऑपरेटिव चेयरमैन विजय मिश्र न्यायालय में उपस्थित रहे। परिवादी पक्ष के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने बताया कि बचाव पक्ष की ओर से राहुल गांधी की व्यस्तता का हवाला देते हुए समय मांगा गया, जिस पर परिवादी पक्ष ने आपत्ति जताई। अदालत ने अवसर देते हुए अगली तिथि पर बयान दर्ज करने के लिए नियत की है। गौरतलब है कि यह मामला वर्ष 2018 का है। आरोप है कि राहुल गांधी ने बेंगलुरु में एक जनसभा के दौरान तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसी को लेकर विजय मिश्र ने 4 अगस्त 2018 को मानहानि का वाद दायर किया था। अदालत ने 27 नवंबर को राहुल गांधी को तलब किया था। राहुल गांधी ने 20 फरवरी 2024 को जमानत कराई थी, जबकि 25 जुलाई को दिए गए अपने बयान में उन्होंने इस मुकदमे को राजनीतिक साजिश करार दिया था। राहुल गांधी पर इस मामले में धारा 499 और 500 में केस दर्ज है।

देर रात गेस्ट हाउस पहुंचे राहुल, हुआ स्वागत

रायबरेली, अमृत विचार : नेता प्रतिपक्ष और जिले के सांसद राहुल गांधी अपने दो दिवसीय दौरे पर सोमवार देर रात भुएमऊ स्थित गेस्ट हाउस पर पहुंचे। इस दौरान जगह - जगह कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। हरचंदपुर में राहुल गाड़ी से उतरकर लोगों से मुलाकात भी किया। सांसद राहुल गांधी दौरे के दूसरे दिन सुबह भुएमऊ गेस्ट हाउस में प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद आईटीआई स्थित राजीव गांधी स्टेडियम में रायबरेली क्रिकेट लीग का शुभारम्भ करेंगे।

तीन ट्रक किए सीज दर्जनों का चालान

बाराबंकी, अमृत विचार: राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीम ने ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया। इस दौरान क्षमता से अधिक माल ढोने, फिटनेस प्रमाणपत्र न होने, बकाया टैक्स, बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट और अन्य नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की गई। सोमवार को सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) अंकिता शुक्ला ने लखनऊ-अयोध्या और बाराबंकी-लखनऊ मार्ग पर चेकिंग के दौरान आरजे नंबर के तीन ट्रकों को 50-50 टन ओवरलोड पाए जाने पर संबंधित थानों में निरुद्ध कराया।

गैर इरादतन हत्या प्रकरण में पांच को सश्रम कारावास

बाराबंकी, अमृत विचारः कोर्ट ने गैरइरादन हत्या के अपराध की घटना में 5 अभियुक्तों को 7-7 वर्ष कारावास व प्रत्येक को 13 हजार अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। थाना जहांगीराबाद पर पंजीकृत भादवि से संबंधित सफीक निवासी ढकौली, रघुराज निवासी थाना कोतवाली नगर, छोटू उर्फ अनीस पुत्र हनीफ, वसीम पुत्र हनीफ, शराफत अली पुत्र ननकऊ अली हनीफ निवासी नई बस्ती बहादुरपुर थाना जहाँगीराबाद को विभिन्न धाराओं में न्यायालय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश कोर्ट द्वारा दोषसिद्ध करते हुए 5 अभियुक्तों को 7-7 वर्ष सश्रम कारावास व अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। संक्षिप्त विवरण के अनुसार 3 मार्च 2017 को वादी प्रिंसराय पुत्र इनाखर राय निवासी नई बस्ती बहादुरपुर द्वारा सूचना दी गई कि अभियुक्तगण द्वारा वादी व उसके परिवारीजन को गाली-गलौज करते हुए मार-पीट करने, जिससे उनके पिता की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। उक्त सूचना पर मुकदमा पंजीकृत किया गया।

पुल निर्माण का प्रस्ताव कार्ययोजना में हुआ शामिल

सूरतगंज, बाराबंकीः घाघरा नदी पर फरूहाघाट में पुल निर्माण की मांग को लेकर किए जा रहे पत्राचार की फाइल अब लोक निर्माण विभाग की कार्ययोजना में शामिल कर दी गई है। प्रस्तावित पुल की लंबाई 2394 मीटर है और इसके पहुंच मार्ग व सुरक्षात्मक कार्य की प्रारंभिक लागत 471.39 करोड़ रुपये आंकी गई है। बतनेरा पंचायत की ग्राम प्रधान नंदनी अवस्थी और उनके पति अमरीश अवस्थी द्वारा इस पुल निर्माण की प्रक्रिया शीघ्र शुरू कराने हेतु शासन व केंद्र सरकार को कई पत्र भेजे गए थे। इस पहल से क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है।

7 बिस्वा जमीन वाले को भेजा 7 करोड़ का नोटिस

हरदोई, अमृत विचार। गुजर-बसर के लिए सिर्फ 7 बिस्वा जमीन, लेकिन हैसियत 7 करोड़ की। एकबारगी ऐसा मानना आसान नहीं है लेकिन एक गरीब व्यक्ति को इनकम टैक्स (आईटी) विभाग की तरफ से जारी की गई नोटिस ऐसा ही कह रही है। इनकम टैक्स विभाग ने एक ऐसे शख्स के नाम से 7 करोड़ से अधिक रुपये की नोटिस भेज दी जो हर दिन कुआं खोदकर पानी पीता है यानी कि हर दिन कमाना और हर दिन खाना। कई बार तो दो जून की रोटी कमा पाना मुश्किल हो जाता है। फिर उसके ऊपर करोड़ो की देनदारी थोपना, सरकारी सिस्टम पर सीधे उंगली उठाने के लिए काफी है। जानकारी के अनुसार माधौगंज थाने के रूदामऊ निवासी गोविंद पुत्र रामचन्द्र मजदूरी करता है और उसका बड़ा भाई पंकज ठेला खींचकर गुज़र-बसर करता है। उसी गोविंद के नाम से इनकम टैक्स विभाग (आईटी) ने 7 करोड़, 15 लाख, 92 हज़ार, 786 रुपये देनदारी की नोटिस भेजी है। खुद गोविंद ही नहीं बल्कि उसके पड़ोसी भी हैरान हैं कि 7 बिस्वा जमीन और मजदूरी करने वाले व्यक्ति की हैसियत 7 करोड़। गोविंद के घर वाले उसके नाम से आई नोटिस को लेकर घबराए हैं।

नोटिस दिखाता पीड़ित पंकज।

हमदर्दी जताने वाली महिला ने किया फर्जीवाड़ा

करीब 6 साल पहले गोविंद कमाने के लिए कानपुर गया था। वहीं उसे कोई महिला मिली जो उसकी हमदर्द बन गई और उसे सरकार से मदद दिलाने के नाम से अपने झांसे में ले लिया। वही महिला गोविंद को सीतापुर के सिंधौली लेकर गई, जहां उसने एचडीएफसी बैंक में उसका खाता खुलवा दिया। कुछ रुपये देकर उससे बैंक की पासबुक और चेक बुक अपने हाथ में ले ली। यहीं से गोविंद के नाम पर बैंक फर्जीवाड़े की नींव पड़ी। माना जा रहा है कि उसी महिला ने गोविंद के नाम से फर्ज़ी फर्म बनाई और उसी फर्म के नाम से करोड़ों का कारोबार कर उसे इन्कम टैक्स के जाल में फंसा दिया। लेकिन सवाल उठना लाज़िम है कि करोड़ो रुपये के कारोबार में बैंक अब तक क्या कर रही थी, उसने निगरानी और जांच-पड़ताल क्यों नहीं की?

पत्नी के अश्लील फोटो व वीडियो किए वायरल

कोठी, बाराबंकीः भागकर कोर्ट मैरिज करने के बाद युवती से उसके परिवार ने सभी रिश्ते खत्म कर दिए लेकिन युवक ने पत्नी के परिवार से पहले रंगदारी मांगी और रंगदारी न मिलने पर पत्नी के अश्लील फोटो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए।

कोठी थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाले युवक ने पुलिस को बताया कि उसकी सगी बड़ी बहन लगभग 12 वर्ष पूर्व घर से भागकर अपनी मर्जी से गोलू सिंह निवासी ग्राम सलौली थाना गोसाईगंज लखनऊ के साथ कोर्ट मैरिज कर रहने लगी थी। इस घटना के बाद सामाजिक प्रतिष्ठा और पारिवारिक कारणों से परिवार ने उससे सभी संबंध समाप्त कर लिए। इसके बावजूद गोलू सिंह, उसके पिता सुखवीर सिंह, माता निर्मला सिंह व भाई दीपक सिंह द्वारा अचानक फोन कर उसके परिजनों से तीन लाख रुपये की मांग की जाने लगी। जब उसने किसी भी प्रकार के रिश्ते से इंकार किया तो गोलू द्वारा फोन पर अश्लील फोटो व वीडियो भेजे जाने लगे। विरोध करने पर उक्त फोटो व वीडियो को फेसबुक सहित सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। विपक्षी आए दिन नए-नए फोटो व वीडियो वायरल कर उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल करने की धमकी दे रहे हैं।

दो युवतियां और एक किशोरी हुई लापता, परिजन परेशान

बाराबंकी, अमृत विचारः अलग-अलग थाना क्षेत्रों से दो युवतियां और एक किशोरी लापता हो गई। पहला मामला थाना दरियाबाद क्षेत्र का है। एक गांव वासी युवक ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनकी 21 वर्षीय बहन 18 जनवरी की रात घर से लापता हो गई। दूसरा मामला थाना जहाँगीराबाद क्षेत्र का है। एक गांव के व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उनकी 22 वर्षीय बेटी को गांव का ही युवक इसरार उर्फ मोनू बहला-फुसलाकर 18 जनवरी की सुबह भगा ले गया। आरोप है कि युवती अपने साथ जेवरात और करीब 50 हजार रुपये नकद भी ले गई है। परिजनों ने काफी तलाश की लेकिन जानकारी नहीं मिल सकी। तीसरा मामला थाना देवा क्षेत्र से सामने आया है, जहां एक व्यक्ति ने अपनी 14 वर्षीय नाबालिग पुत्री के 16 जनवरी की शाम से लापता होने की सूचना दी है। आरोप है कि गांव टाईकला निवासी अजीत गौतम नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा ले गया।

सीएम योगी ने सराहा, हेडमास्टर के तानों से हारी

- **कई बार की शिकायत अनसुनी करता रहा विभाग**

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

उमा वर्मा।

अमृत विचारः ज्ञान और संस्कार का मंदिर कहा गया विद्यालय समर्पित शिक्षिका की आख़िरी सांसों का गवाह बन गया। सबसे अहम पहलू यह कि सीएम योगी से प्रशंसित हुई शिक्षिका से हेडमास्टर के ताने और सहयोगियों की प्रताड़ना सहीं नहीं जा सकी। फिलहाल पति की तहरीर पर हेडमास्टर व सहायक अध्यापक पर मुकदमा दर्ज किया गया है। बताते चलें कि शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला जलालपुर की रहने वाली एवं सतरिख थाना क्षेत्र स्थित उधवापुर कम्पोजिट विद्यालय में कार्यरत सहायक अध्यापिका उमा वर्मा ने स्कूल में मिल रही मानसिक प्रताड़ना से टूटकर हेडमास्टर के कार्यालय में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इस हृदयविदारक घटना ने न सिर्फ शिक्षा जगत को झकझोर दिया है, बल्कि सिस्टम की संवेदनहीनता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। गौरतलब है कि उमा सहयोगियों के व्यवहार से खासी आहत थी और न सिर्फ उसने बल्कि पति की ओर से स्कूल से हटाए जाने की गुजारिश की जा चुकी थी पर विभाग ने अनसुनी कर दी। और तो और मानसिक रूप से प्रताड़ित, पीड़ित या सहयोगियों से परेशान कर्मियों की सुनवाई या काउंसिलिंग करने के लिए विभाग में कोई मंच भी नही। जिसके कारण ऐसे हादसे पहले भी सामने आए हैं और एक घटना और जुड़ गई। उमा वर्मा सुसाइड प्रकरण में पति ऋषि कुमार वर्मा की तहरीर पर पुलिस ने विद्यालय की प्रभारी प्रधानाचार्य सीतावती और सहायक अध्यापक सुशील कुमार वर्मा के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार पाठक ने बताया कि प्रकरण की जांच के लिए त्रिस्तरीय जांच कमेटी बनाई गई है। कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

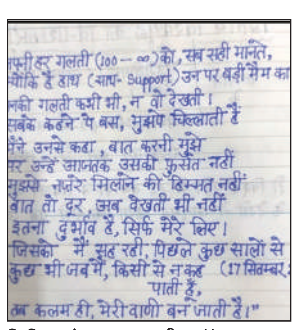

शिक्षिका के वायरल स्क्रीन शॉट।

सोशल मीडिया पर उड़ेलती थी पीड़ा

उमा बच्चों को पूरे मनोयोग और ईमानदारी से पढ़ाती थी। इसका प्रमाण यह है कि छात्र-छात्राओं ने न सिर्फ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल की बल्कि स्कूल के प्रोजेक्ट्स ने उच्च स्तर पर पहचान बनाई। इसी कार्य के लिए 11 नवंबर 2025 को बाराबंकी दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं उमा वर्मा की प्रशंसा की थी। आरोप है कि यही उपलब्धि कुछ लोगों को खटकने लगी। ईर्ष्या और दुर्भावना के चलते प्रधानाचार्य और एक सहायक अध्यापक ने उमा वर्मा को लगातार अपमानित करना और मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। रोज़-रोज़ की फटकार, ताने और दबाव ने एक संवेदनशील शिक्षिका को अंदर से तोड़ दिया। उमा वर्मा ने अपनी पीड़ा कई बार सोशल मीडिया के जरिए भी जाहिर की थी।

डॉ. प्रवीण तोगड़िया का स्वागत करते लोग। अमृत विचार

डॉ. प्रवीण तोगड़िया का किया स्वागत

लखनऊ, अमृत विचार : अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया का आगमन प्रांत मंत्री मनीष कुमार तिवारी के आवास पर हुआ। उनके आगमन पर क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला जहां सैकड़ों की संख्या में उपस्थित लोगों ने फूलमालाएं पहनाकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया ने मनीष कुमार तिवारी के आवास पर परिवारजनों के साथ समय व्यतीत किया। इसके बाद उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों से मुलाकात कर औपचारिक चर्चा की। इस अवसर पर मनीष कुमार तिवारी (प्रांत मंत्री), राजा रामजी, दिनेश रावत, आलोक तिवारी, राकेश तिवारी, राजेश त्रिवेदी, अश्वनी सिंह, अंकित पांडे, रामू मिश्रा, गौरव दुबे आदि रहे।

मणिकर्णिका घाट ध्वस्तीकरण के विरोध में कांग्रेस का ज्ञापन

बाराबंकी, अमृत विचार : जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन व नगर अध्यक्ष राजेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में वाराणसी के ऐतिहासिक मणिकर्णिका घाट को 10 जनवरी 2026 को ध्वस्त किए जाने पर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया। जिलाध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन ने कहा कि वर्ष 1791 में माता अहिल्याबाई होलकर द्वारा कराए गए जीर्णोद्धार वाले इस ऐतिहासिक घाट को बिना विचार किए तोड़ा गया, जिससे वहां स्थापित माता अहिल्याबाई होलकर की मूर्तियां मलबे में दब गईं। कांग्रेस ने मांग की कि पूरे मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए, मणिकर्णिका घाट का पुनर्निर्माण कर माता अहिल्याबाई होलकर की मूर्तियों की पुन: स्थापना हो।

हाईवे पर पलटी डबल डेकर बस, 11 घायल

बाराबंकी, अमृत विचार : हाइवे पर स्थित भाजपा कार्यालय के सामने यात्रियों को लेकर दिल्ली जा रही निजी डबल डेकर बस पलट गई। हादसे में 11 यात्री घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार गोला बस सर्विस की यह बस रविवार शाम गोरखपुर से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। चालक तेज रफ्तार में बस चला रहा था। रात करीब एक बजे बस चौपुला के पास एक ढाबे पर रुकी, जहां चालक-परिचालक ने भोजन किया। इसके बाद बस दोबारा रवाना हुई। लगभग दो बजे नारेपुरवा गांव स्थित भाजपा कार्यालय के पास चालक का बस से नियंत्रण हट गया और बस हाईवे किनारे पलट गई। बस पलटते ही मौके पर अफरातफरी मच गई। यात्रियों की चीख-पुकार सुनकर राहगीरों की भीड़ जुटी और डायल 112 पर सूचना दी गई। सूचना मिलते ही सीओ सिटी संगम कुमार, नगर कोतवाल सुधीर कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। सुरक्षित यात्रियों को अन्य वाहनों से गंतव्य के लिए रवाना किया गया। हादसे में घायल यात्रियों में मोहम्मद अनीस (43) निवासी ओखला नई दिल्ली, मनोज कुमार (58) निवासी बस्ती, तबरेज आलम (27), शिवा जायसवाल (19), आमिर रजा (26) निवासी जनपद गोरखपुर, अनुरुद्ध चौधरी (30) निवासी बस्ती, प्रदीप निषाद निवासी महराजगंज, आमना निवासी नई दिल्ली, विजया सिंह (24) निवासी सीतामढ़ी बिहार तथा खेमचंद्र (33) निवासी हिमाचल प्रदेश शामिल हैं।

जमीन के विवाद में भिड़े दो पक्ष

मसौली, बाराबंकीः निजामपुर में जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। दोनों पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चले, वहीं एक पक्ष ने युवती को पानी भरे खड्डु में फेंकने का आरोप लगाया है। घटना में महिला समेत सात लोग घायल हैं। एक पक्ष की ओर से मनोज कुमार पुत्र देशराज निवासी निजामपुर ने थाने में दी तहरीर में आरोप लगाया है कि 17 जनवरी की शाम गांव के ही हरिचरन, आमिर खान, मुलायम सहित करीब पांच अज्ञात लोगों ने लाठी-डंडों से उनके घर पर हमला कर दिया। इस हमले में मनोज कुमार सहित शब्बीर,जतिन, रामकिशोर, कृष्णा देवी और सरोज कुमारी को चोटें आईं।

युवक हुआ लापता

बाराबंकी, अमृत विचारः कोतवाली नगर क्षेत्र में तीन दिन पहले पूजा करने निकला एक युवक अचानक गायब हो गया। परिजनों ने हिन्दू संगठन के नेता पर अपहरण करने की आशंका जताते हुए पुलिस से शिकायत की है। परिजनों के मुताबिक ग्राम मंझपुरवा में शिव विहार कॉलोनी प्रेम सिंह यादव पुत्र स्वर्गीय कालिका सिंह 16 जनवरी की शाम शुगर मिल बाजार स्थित एक मंदिर में पूजा करने की बात कहकर घर से निकले थे। देर रात तक घर न लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं लग सका। पत्नी मंजू सिंह ने पुलिस को बताया कि 9 जनवरी को मोहल्ले के ही कुलदीप मिश्रा व रमाशंकर मिश्रा तथा सत्या पंडित निवासी ढकौली से सहन की भूमि को लेकर कहासुनी हुई थी। आरोप है कि विवाद के दौरान इन लोगों ने प्रेम सिंह यादव, उनके बेटे शिव सिंह यादव और भतीजे चंद्रेश कुमार यादव को जान से मारने की धमकी दी थी।

25 हजार घूस लेते रंगेहाथ धरे गए दरोगा, डीलर को भी दबोचा

बाराबंकी, अमृत विचारः मारपीट को लेकर दर्ज मुकदमे में और नाम न बढ़ाने के लिए रिश्वत ले रहे बदोसरांय थाने में तैनात उपनिरीक्षक को एंटी करप्शन टीम ने धर दबोचा। दरोगा के पास से टीम तय रकम का आधे 25 हजार रुपये बरामद किए, वहीं इस मामले में डीलिंग कराने वाला एक शख्स भी धरा गया। दोनों के खिलाफ मामले की रिपोर्ट दर्ज की जा रही है।

सुरेश कुमार।

बदोसरांय थाना क्षेत्र के ग्राम खलसापुर में गत वर्ष के अक्टूबर माह में जमीनी रंजिश को लेकर मारपीट हो गई थी। पीड़ित महिला की ओर से दर्ज इस मामले में थाने पर तैनात प्रमोटी उपनिरीक्षक सुरेश कुमार विवेचक थे। बताया जा रहा कि दरोगा की ओर से लगातार दबाव के बाद आरोपी सूरज ने संपर्क किया तो रिपोर्ट में और नाम न बढ़ाने के लिए 50 हजार रुपये का लेन देन तय हुआ। उधर सूरज ने एंटी करप्शन टीम अयोध्या तक शिकायत पहुंचा दी। टीम ने सबकुछ तय कर दिया। सोमवार को इसी मामले में शपथ पत्र जमा करने के लिए हाईकोर्ट जाने की बात कहकर दरोगा सुरेश कुमार थाने से निकले। सफदरगंज थाना क्षेत्र में चौपुला पर दरोगा की सूरज से भेंट हुई, तय रकम का आधा 25 हजार रुपये दरोगा के हाथ जाते ही पास ही निगाह रख रही टीम ने रंगे हाथों दबोच लिया। इसी दौरान मामले में डीलिंग करा रहा खुर्शीद नामक व्यक्ति भी दबोच लिया गया।

बहराइच में मेडिकल कॉलेज परिसर में बनी अवैध मजारों पर चला बुलडोजर

24 साल पहले तत्कालीन नगर मजिस्ट्रेट ने करार दिया था अवैध, अब कार्रवाई

संवाददाता, बहराइच

नगर में स्थित महाराजा सुहेलदेव मेडिकल कॉलेज के परिसर में बनी छोटी दस मजारों को सोमवार को जिला प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। इन मजारों को 24 साल पहले तत्कालीन नगर मजिस्ट्रेट ने अवैध बताया था , जिसके बाद इसका संचालन करने वाले लोगों ने कमिश्नर ने यहां अपील की थी। लेकिन सात साल पहले 2019 में कमिश्नर ने भी तत्कालीन नगर मजिस्ट्रेट के आदेश को सही करार दिया था। जिसके बाद आज ये कार्यवाही की गई है।

नगर के जिलाधिकारी कार्यालय के पास स्थित मेडिकल कालेज से लगी सैकड़ों वर्ष पहले से रसूल शाह बासवाडी का अस्ताना है जिसमें पहले सिर्फ दो मजारे थी जो की वक्फ बोर्ड में भी दर्ज है । बाद इसकी देखरेख करने वाले लोगों ने करीब दस अन्य छोटी मजारे भी स्थापित कर दी थी । इन दस मजारों को सन 2002 में तत्कालीन नगर मजिस्ट्रेट ने अवैध बताते हुए इसके ध्वस्तीकरण के आदेश दिए जिसके बाद कमेटी ने जिलाधिकारी के यहां अपील की 2004 में ये अपील भी खारिज हो गई। जिसके पश्चात संबंधित पक्ष ने मंडलायुक्त के यहां आदेश के खिलाफ अपील की करीब 15 साल बाद 2019 में वहां से भी कोई राहत नहीं मिली। तो कमेटी ने प्रशासन से इसको स्वयं हटाने की बात कही। इसी बीच सन 2023 में मेडिकल कालेज बनने के बाद ये मजार उसके परिसर में आ गई थी। नगर मजिस्ट्रेट राजेश प्रसाद ने बताया कि बीते दस जनवरी को संबंधित पक्ष को अवैध दस मजारों को 17 जनवरी तक हटाने का नोटिस दिया था। लेकिन नियत तिथि तक मजारों को न हटाने पर सोमवार को जिलाधिकारी के निर्देश पर पुलिस बल की मौजूदगी में दस मजारों को बुलडोजर चला कर ध्वस्त कर दिया गया है।

कार्रवाई के बाद मौके पर पड़ा मलबा।

हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन–पूजन के लिए उमड़े श्रद्धालु। अमृत विचार

रामनगरी में उमड़ा आस्था का महाकुंभ रामभंदिर व हनुमानगढ़ी में लगी कतार

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार: मौनी अमावस्या के दूसरे दिन सोमवार को रामनगरी में आस्था और श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। भोर से ही सरयू में स्नान कर दान पुण्य करने के बाद प्रमुख मंदिरों में दर्शन-पूजन का सिलसिला शुरू हुआ। राम मंदिर और हनुमान गढ़ी मंदिर पर दिन भर दर्शनार्थियों की लंबी कतार लगी रही। एक अनुमान के मुताबिक करीब 10 लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे। सोमवार सुबह 6 से रात्रि 10 बजे तक तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं रामलला के दर्शन किये। हनुमानगढ़ी पर भारी भीड़ से महाकुंभ सा नजारा दिख रहा था।

मौनी अमावस्या के दिन रविवार शाम से ही प्रयागराज में संगम स्नान के उपरांत श्रद्धालुओं के अयोध्या पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था, सोमवार को ब्रह्म मुहूर्त से ही श्रद्धालु सरयू घाटों पर पहुंच गए। कड़ाके की ठंड के बावजूद लाखों लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई और दीप जलाया। स्नान के बाद भक्त सीधे राम जन्मभूमि मंदिर और हनुमान गढ़ी की ओर बढ़े। सबसे ज्यादा दबाव रामपथ, हनुमानगढ़ी व राम मंदिर में दिखा। भीड़ को देखते हुए सुबह 6 बजते ही श्रृंगार आरती के साथ रामलला का पट खुल गये। घंटों इंतजार के बाद श्रद्धालुओं को रामलला के दर्शन का सौभाग्य मिला। दर्शन करने पहुंचे लाखों श्रद्धालुओं में आस्था के अलग स्वरूप दिखे। कहीं जय श्रीराम तो कही हर-हर महादेव व जय बजरंग बली का उद्घोष तो कहीं भजन करते हुए श्रद्धालु माहौल को भक्तिमय बना रहे थे।

न्यूज ब्रीफ

मतदाता पंजीयन कार्य की ली जानकारी

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विधानसभा क्षेत्र कपिलवस्तु अंतर्गत मंडल लोटन और नौगढ़ देहात(ग्रामीण) में गांव – गांव लगभग 20 बूथों पर जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान ने मतदाता पंजीयन की समीक्षा की। जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने बूथों पर पार्टी के बूथ अध्यक्ष बीएलए–1 व बीएलओ से संवाद कर जानकारी ली। कहा कि विशेष प्रगाढ़ मतदाता पुनरीक्षण अभियान में 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे युवा वर्ग व छूटे हुए मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए आवश्यक प्रपत्र लेकर समय से बीएलओ पूर्ण करें। कुछ बूथों पर आ रही बूथ मैपिंग के समस्या को लोगों ने जिलाध्यक्ष को अवगत कराया। जिलाध्यक्ष ने मौके पर ही उप जिलाधिकारी नौगढ़ से वार्ता कर तत्काल समय के समाधान के लिए कहा। इस दौरान जिला मीडिया प्रभारी भाजपा निशांत पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष लोटन दृग नारायण सिंह सहित पार्टी के बूथ अध्यक्ष और बीएलओ उपस्थित रहे।

बैठक में नवीनीकरण व विस्तार पर जोर

कुशीनगर, अमृत विचार :श्रमजीवी पत्रकार यूनियन की बैठक सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित सूचना विभाग के कार्यालय पर जिलाध्यक्ष सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में पुष्टि नये सत्र के नवीनीकरण सहित तमाम मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में सर्वप्रथम संगठन के महासचिव संजय चाणक्य ने पूर्व की कार्रवाई को पढ़कर सुनाया। इसकी पुष्टि के पश्चात नये सत्र के नवीनीकरण, जनपद के सभी तहसील का जनवरी माह के अंतिम सप्ताह तक गठन व संगठन का मजबूती से विस्तारी करण पर जोर दिया गया। जिलाध्यक्ष सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि संगठन अनवरत पत्रकारों के हित में कार्य कर रही है। राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर पर लगातार गैर मान्यता प्राप्त पत्रकारों का आयुष्मान कार्ड बनवाने की मांग चल रही है उम्मीद है कि सरकार जल्द कोई निर्णय ले।

परीक्षा में बैठने का अधिकार, गरिमा के साथ जीने के अधिकार के समान

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि परीक्षा में शामिल होने का अधिकार, संविधान के अनुच्छेद 21 में निहित गरिमा के साथ जीने के अधिकार के समान है। कोर्ट ने इस टिप्पणी के साथ रज्जू भैया विश्वविद्यालय के अधिकारियों को दो सप्ताह के भीतर याचिकाकर्ता के लिए बीएससी (जीव विज्ञान) के प्रथम सेमेस्टर की विशेष परीक्षा कराने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति विवेक सरन ने पाया कि इस मामले में याचिकाकर्ता की कोई गलती नहीं थी। चूंकि विश्वविद्यालय के पोर्टल में उसके प्रवेश का रिकॉर्ड अद्यतन नहीं किया गया था, इसलिए उसे प्रवेश पत्र देने से मना कर दिया गया। कोर्ट ने कहा कि केवल तकनीकी त्रुटि के आधार पर विद्यार्थी का भविष्य बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। कोर्ट ने परीक्षा के परिणाम उचित समयावधि के भीतर प्रकाशित करने का भी निर्देश दिया ताकि याचिकाकर्ता अपनी आगे की पढ़ाई कर सके। मामला रज्जू भैया विश्वविद्यालय से संबद्ध उर्मिला देवी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बीएससी (जीव विज्ञान) की प्रथम वर्ष की छात्रा श्रेया पांडेय से जुड़ा है। अगली सुनवाई की तिथि 10 फरवरी तय की गई है।

सोनभद्र : पांच नाबालिग बच्चों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

सोनभद्र,एजेंसी। कर्मा थानाक्षेत्र के बहेरा गांव में रविवार रात एक शिव मंदिर की दीवार पर अल्पसंख्यक समुदाय के लड़कों द्वारा कथित तौर पर पेशाब किए जाने तथा विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दिये जाने को लेकर पुलिस ने पांच नाबालिगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अनिल कुमार ने सोमवार को बताया कि बहेरा गांव में एक मंदिर है। जहां दूसरे समुदाय के कुछ नाबालिग बच्चों द्वारा अनैतिक एवं ग़ैर क़ानूनी कार्य किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि बच्चों के इस कृत्य का दूसरे समुदाय के लोगों ने विरोध किया जिसके बाद कुछ नोकझोंक हुई थी।

अधेड़ व्यक्ति की संदिग्ध हालात में मौत

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। थाना क्षेत्र उसका बाजार अन्तर्गत एक अधेड़ व्यक्ति की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गयी है, जिसकी हत्या की अशंका जताई जा रही है। बता दें कि थाना क्षेत्र उसका बाजार अन्तर्गत रविवार रात्रि में तालभिरौना गांव के समीप सड़क के किनारे एक अधेड़ व्यक्ति का शव मिलने से आस–पास के लोगो में हड़कम्प मचा है। वहीं सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक व्यक्ति की पहचान चन्द्रबली लोधी उर्फ सरदार लोधी (50) निवासी तालभिरौना गांव के रूप में हुई है।

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म में बाल अपचारी सहित दो गिरफ्तार

सिद्धार्थनगर , अमृत विचार। प्रभारी निरीक्षक उसका बाजार हरेकृष्ण उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस ने नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म में वांछित एक अभियुक्त व एक बाल अपचारी को गिरफ्तार किया। अभियुक्ता को पकड़कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। अभियुक्तों की पहचान विजेन्द्र निवासी ग्राम महुलानी थाना उसका बाजार जनपद सिद्धार्थनगर व एक बाल अपचारी थे।

कर्मचारी संघ शाखा बढ़नी के अध्यक्ष चुने गए वीरेन्द्र

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ द्वितीय की ब्लॉक शाखा बढ़नी का चुनाव सोमवार को विकास खण्ड बढ़नी सभागार में सम्पन्न हुआ। जिसमें उपस्थित सफाई कर्मचारियों द्वारा सर्व सहमति से वीरेन्द्र कुमार को निर्विरोध ब्लॉक अध्यक्ष व धर्मराज को मंत्री पद पर चुना गया।

18 फरवरी से 8 मार्च तक प्रभावित रहेगा संचालन

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे पर इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार निरन्तर किया जा रहा है। इसी क्रम में गाड़ियों की गति बढ़ाने, संचलन समय में बचत करने एवं अतिरिक्त गाड़ियों के संलचन के लिए गोण्डा-बुढ़वल रेलखण्ड पर स्थित गोण्डा-गोण्डा कचहरी स्टेशनों के मध्य तीसरी लाइन के प्रावधान के लिए प्री-नान इण्टरलॉक एवं नान इण्टरलॉक कार्य किये जाने के कारण 18 फरवरी से 8 मार्च तक कुछ गाड़ियों का निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन, पुनर्निर्धारण, शॉर्ट टर्मिनेशन/शॉर्ट -ओरिजिनेशन किया जायेगा।

इस दौरान 15 मार्च को 22921 बान्द्रा टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस, 17 मार्च को 22922 गोरखपुर-बान्द्रा टर्मिनस एक्सप्रेस, 18 मार्च को 22199 ग्वालियर-बलरामपुर एक्सप्रेस, 19 मार्च को 22200 बलरामपुर-ग्वालियर एक्सप्रेस, 16 मार्च को 15133 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनस एक्सप्रेस, 18 मार्च को 15134 आनन्द विहार टर्मिनस-छपरा एक्सप्रेस, 17 मार्च को 12597 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस, 18 मार्च को 12598 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। इसी तरह 19 मार्च को 15029 पुणे-गोरखपुर एक्सप्रेस, 21 मार्च को 15030 गोरखपुर-पुणे एक्सप्रेस, 22 मार्च को 55073 गोरखपुर-बढ़नी एक्सप्रेस, 03 से 20 मार्च 14213 वाराणसी-बहराइच एक्सप्रेस, 4 से 21 मार्च तक 14214 बहराइच-वाराणसी एक्सप्रेस, 16 से 20 मार्च तक 64220 अयोध्या कैण्ट-मनकापुर मेमू गाड़ी निरस्त रहेगी। 16 से 20 मार्च तक 64223 मनकापुर-अयोध्या धाम मेमू गाड़ी, 16 से 20 मार्च 64224 अयोध्या धाम-मनकापुर मेमू गाड़ी, 16 से 20 मार्च तक 64217 मनकापुर-अयोध्या कैण्ट मेमू गाड़ी निरस्त रहेगी। 18 से 20 मार्च तक 15273 रक्सौल-आनन्द विहार टर्मिनस एक्सप्रेस, 19 से 21 मार्च तक 15274 आनन्द विहार टर्मिनस-रक्सौल एक्सप्रेस, 02 से 20 मार्च तक 75109/75110 गोण्डा-बहराइच-गोण्डा डेमू गाड़ी, 75111/75112 गोण्डा-बहराइच-गोण्डा डेमू गाड़ी, 75113/75114 गोण्डा-बहराइच-गोण्डा डेमू गाड़ी निरस्त रहेगी।

यात्री सुविधाओं को किया जा रहा बेहतर

गोरखपुर, अमृत विचार। यात्री प्रधान पूर्वोत्तर रेलवे अपने उपभोक्ताओं को उन्नत यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के लिये सतत प्रयत्नशील है। पूर्वोत्तर रेलवे पर यात्री सुविधाओं के विकास एवं विस्तार के लिये इन्फ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ एवं सुविकसित किया जा रहा है। वर्तमान वित्त वर्ष 2025–26 में यात्रियों के संरक्षित आवागमन के लिए फुट ओवर ब्रिज (एफ.ओ.बी.) का कार्य पूर्ण कर यात्री जनता के लिये खोल दिया गया है तथा यात्रियों का ट्रेनों में चढ़ना उतरना सुविधाजनक बनाने हेतु उच्च–तल के प्लेटफॉर्म (नया/विस्तार) का कार्य पूर्ण किया गया है। पूर्वोत्तर रेलवे के कुल 23 स्टेशनों पर फुट ओवर ब्रिज (एफ.ओ.बी.) तथा 09 स्टेशनों पर 14 उच्च–तल के प्लेटफॉर्म (नया/विस्तार) का कार्य पूर्ण किया गया। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

धूमधाम से मनाई गई महाराणा की पुण्यतिथि

सिद्धार्थनगर/कुशीनगर, अमृत विचार। अखिल क्षत्रिय महासभा द्वारा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की 430वीं पुण्यतिथि जिला मुख्यालय राजन सिंह जिला अध्यक्ष के आवास पर धूमधाम से मनाया गया जिसके क्रम में महाराणा प्रताप जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया गया। जिला अध्यक्ष राजन सिंह की अध्यक्षता में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन हरेंद्र बहादुर सिंह वरिष्ठ जिला महामंत्री ने किया, कार्यक्रम को संबोधित राजन सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, कृष्ण पाल सिंह, सत्यानंद सिंह सुजीत सिंह आदि ने किया। वहीं कुशीनगर में महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पर अखिल क्षत्रिय महासभा के नेतृत्व में नगर के महाराणा प्रताप चौक पर स्थापित वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के प्रतिमा पर साफ सफाई के बाद माल्यार्पण कर उनकी पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर गोरखपुर मंडल उपाध्यक्ष अखिल क्षत्रिय महासभा के लक्ष्मण प्रताप राव ने कहा कि महाराणा प्रताप राष्ट्र के गर्व है।

निर्माण कार्यों की समीक्षा की

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) बलराम सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री डैश बोर्ड विकास कार्यों एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। सीडीओ ने जिन विभागों की रैंकिंग में प्रगति कम पायी गयी उन पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सुधार लाने का निर्देश दिया। लाभार्थियो को योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। विद्युत विभाग को कहा कि निर्धारित समय के अंदर खराब या फुंके हुए ट्रान्सफार्मर बदलवाए जाएं।

सनातन धर्म की रक्षा में बाधाएं भारतीय संस्कृति की जड़ों पर चोट : जगतगुरु

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। सनातन धर्म हिंदू रक्षा वाहिनी के परमाध्यक्ष एवं विश्व हिंदू परिषद की परामर्श समिति के सदस्य जगतगुरु रामानुजाचार्य जी ने सोमवार को बनकटवां स्थित देवरहा बाबा मठ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सनातन धर्म विरोधी गतिविधियों पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म की रक्षा में लगातार व्यवधान उत्पन्न किए जा रहे हैं, जो न केवल धार्मिक आस्था के लिए घातक हैं, बल्कि भारतीय संस्कृति की जड़ों पर भी सीधा आघात हैं।

जगतगुरु ने तथाकथित तत्वों द्वारा देवरहा बाबा के भक्तों का अपमान किए जाने और उनकी आस्था पर प्रश्नचिह्न लगाए जाने की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह कृत्य धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला है और इसे किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। ऐसे लोगों के विरुद्ध प्रशासन को सख्त और त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए।

विहिप के परामर्श समिति के सदस्य जगतगुरु रामानुजाचार्य जी महाराज।

सूचना

सूचित हो कि मैंने विद्यालय वैभव एकेडमी इन्दिरा नगर, लखनऊ से शैक्षणिक वर्ष 2017 में ICSE बोर्ड से रोल नं0– 6568718 के अनुसार कक्षा 10 की परीक्षा उत्तीर्ण की है, किन्तु मार्कशीट में त्रुटिवश मेरे पिता का नाम अल्लाउद्दीन अंसारी (ALLAUDDIN ANSARI) व माता का नाम जैबुन निशा (JAIBUN NISHA) अंकित हो गया है जो कि गलत है। जबकि मेरे पिता का सही नाम अलाउद्दीन अंसारी (ALAUDDIN ANSARI) व माता का सही नाम जैबुन नेशा (JAIBUN NESHA) है जो कि सही है। अतः मेरी उपरोक्त मार्कशीट पर भी मेरे पिता और माता का सही नाम अंकित किया जाये। **फिरोज आलम पुत्र श्री अलाउद्दीन अंसारी मूल निवासी– वार्ड नं0–1, पिपरा चानकी, सैदपुर, पश्चिमी चंपारण, बिहार।**

सूचना

सूचित हो कि मैंने विद्यालय वैभव एकेडमी इन्दिरा नगर, लखनऊ से शैक्षणिक वर्ष 2016 में ICSE बोर्ड से रोल नं0– 6223620 के अनुसार कक्षा 10 की परीक्षा उत्तीर्ण की है, किन्तु मार्कशीट में त्रुटिवश मेरे पिता का नाम अल्लाउद्दीन अंसारी (ALLAUDDIN ANSARI) व माता का नाम जैबुल निशा (JAIBUL NISHA) अंकित हो गया है जो कि गलत है। जबकि मेरे पिता का सही नाम अलाउद्दीन अंसारी (ALAUDDIN ANSARI) व माता का सही नाम जैबुन नेशा (JAIBUN NESHA) है जो बिल्कुल सही है। अतः मेरी उपरोक्त मार्कशीट पर भी मेरे पिता और माता का सही नाम अंकित किया जाये। **गुलशन आरा पुत्री श्री अलाउद्दीन अंसारी मूल निवासिनी– वार्ड नं0–1, पिपरा चानकी, सैदपुर, पश्चिमी चंपारण, बिहार।**

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रायबरेली

पत्रांकः /के0जी0बी0बी0/997–1001/2025–26 दिनांकः 19.01.2026

सूचना

शासनादेश संख्या–1553/68–5/2020 दिनांक 11 दिसम्बर 2020 एवं निदेशक राज्य परियोजना कार्यालय के पत्रांक–के0जी0बी0वी0/शिक्षक / 1837/2024–25 दिनाँक 30.05.2024 द्वारा दिए गए निर्देशों के कम में जनपद रायबरेली के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (कक्षा 6 से 8) में अस्थाई रूप से सृजित संविदा आधारित शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों की नियुक्ति हेतु इच्छुक, अर्ह, योग्य महिला अभ्यर्थियों से पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, रायबरेली में निर्धारित प्रारूप पर निर्धारित शर्तो के अधीन आवदेन पत्र आंमत्रित किये गये थे। आवदेन पत्र स्वीकार करने की अन्तिम तिथि 22.12.2025 की सायं 05:00 बजे तक थी। प्राप्त आवेदन पत्रों से पात्र अभ्यर्थियों (पूर्णकालिक व अंशकालिक शिक्षिका एवं लेखाकार) की काउंसलिंग दिनांक 23.01.2026 व साक्षात्कार हेतु पात्र अभ्यर्थियों (सहायक रसोइया, चौकीदार व चपरासी) को 28.01.2026 को कार्यालय जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, रायबरेली में प्रातः 11:00 बजे से 05:00 बजे तक आयोजित होगी। समस्त अभ्यर्थी काउसंलिंग मे अपने समस्त मूल अभिलेखों सहित उपस्थित होंगे।

काउंसलिंग एवं साक्षात्कार हेतु पात्र अभ्यर्थियों की सूची जनपद रायबरेली के एन0आई0सी0 की वेबसाइड–http://raebareli.nic.in व कार्यालय के सूचना तट पर उपलब्ध है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रायबरेली

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन आमंत्रित किया जाता है।

Admin Unit/Zone	Lucknow-NR-Division-Commercial/Northern Railway
Auction Catalogue No./Lot No.	BSB-SMU-26
Description of Work	Allotment of catering Stall at BSB Station of Lucknow Division, Northern Railway for the period of 05 years.
Catalogue Published on	16.01.2026
Auction Start (All Lots)	02.02.2026 at 13:30 hrs.
Auction closed Date/Time	02.02.2026 at 13:30 hrs.
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

Details of catering stalls to be auctioned are as under:-

Sn	Station	Lot No	Stall ID	Close Date/Time	Quota	Sub Quota
1	Varanasi Cantt. (BSB)	Catg-LKO-BSB-SMU-109-25-1	BSB/PF-10&11/ 214	02-02-2026 at 13:30 hrs	SMU	SC(WOMEN)

196/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

लखनऊ विकास प्राधिकरण

(ISO 14001 : 2004, ISO 9001-2008 प्रमाणित संस्था)

प्राधिकरण भवन, विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (उ.प्र.)। पीबीएक्स : 1800 1800 5000, वेबसाइट: www.ldalucknow.in

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की आवासीय / व्यवसायिक / रेन्ट / नजूल / इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट योजनाओं के निम्नलिखित आवेदकों द्वारा उनके नाम के सामने अंकित सम्पत्ति का हस्तानान्तरण / नामांकरण किये जाने हेतु प्राधिकरण में प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत किया गया है :–

क्र सं.	मूल आवंटी का नाम	भवन / भूखण्ड / फ्लैट संख्या	योजना का नाम	मृत्यु का दिनांक	मूल आवंटी के उत्तराधिकारी अथवा आवेदक का नाम	उत्तराधिकारी के पक्ष में अनापत्ति कर्ताओं के नाम	मूल आवंटी (मृतक) से आवेदक के सम्बंध
1	2	3	4	5	6	7	8
1	स्व0 स्नेहलता द्विवेदी	भवन संख्या– L-2/850	विनय खण्ड गोमती नगर	17.05.2019	श्री वीरेन्द्र कुमार द्विवेदी श्री आशीष द्विवेदी श्रीमती कणिका द्विवेदी	उत्तराधिकार के आधार पर	पति पुत्र पुत्री–वि0
2	आवंटी / मृतक श्री महेन्द्र सिंह कार्की	भवन संख्या– एम–3 / 788 सेक्टर–एच	कानपुर रोड	18.08.2016	श्रीमती चन्द्रप्रभा कार्की	श्रीमती रूचि नेगी श्रीमती रितु भंडारी श्रीमती नितू कार्की सोती	मृतक की विवाहित पुत्री
3	स्व0 पुष्पा त्रिवेदी	भवन संख्या–SSE-94 सेक्टर–जी	जानकीपुरम योजना, लखनऊ	25.10.2024	1. श्रीमती कामिनी मिश्रा (विवाहित पुत्री)	1. श्री सहदेव प्रसाद त्रिवेदी–पति 2. श्रीमती कुसुम शुक्ला (विवाहित पुत्री)	पत्नी / पुत्र
4	आवंटी / मृतक श्री राम प्रताप कश्यप	भूखण्ड संख्या– 6 / 119	बालू अड्डा	30.11.2024	श्री प्रदीप कुमार कश्यप	श्रीमती बसंती देवी	मृतक की पत्नी
5	स्व0 श्री भगत सिंह	भूखण्ड संख्या– E-26	ट्रांसपोर्ट नगर योजना, फेज–II	06.05.2025	1. श्री कुलदीप सिंह, 2. श्रीमती गुरमीत कौर, 3. श्री इशदीप सिंह, 4. श्री नमन छाबड़ा	–	पुत्र– 52 पुत्रवधू–47 पौत्र–26, पौत्र–24

उपर्युक्त नामान्तरण के आवेदन के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह साक्ष्य सहित प्रकाशन तिथि से 30 दिनों के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त करा दें। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्राधिकरण अभिलेखों में कॉलम–6 पर लिखित व्यक्ति का नाम दर्ज कर लिया जायेगा तथा उसके बाद किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैंने अपना नाम SAMIRA FOUFIQ से बदल कर SAMIRA TAUFIQ रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। W/O: MOHAMMED RAIS R/O: 115/4] BAGH MUNNA, GHASIYARI MANDI, KAISERBAGH, LUCKNOW

सूचना

मैं MOHD MOHSIN पुत्र MOHD ISHA, निवासी ग्राम खण्ड पिपरा, पो0–शुजागंज, अयोध्या, उ0प्र0, सबको सूचित करता हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर MO- MOHSIN S/O MO ISHA रख लिया है, अतः आज से मुझे MO MOHSIN S/O MO- ISHA के नाम से जान पहचाना व लिखा जाये।

सूचना

मैंने अपना नाम ASHISH S/O OM KANT से बदल कर अपना नाम ASHISH RAWAT S/O OM KANT RAWAT कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये । **आशीष रावत पुत्र ओम कांत रावत निवासी म0नं0– 317/3 बी ब्लॉक विष्णु नगर पनकी, पंकबहादुर नगर , पनकी, गंगा गंज, कानपुर नगर उ0 प्र0**

सूचना

मैंने अपना नाम MOHD SHARIQ RAZA से बदल कर MOHD SHARIQ रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: MOHD SHAFEEQ R/O: 543, CHINHAT, MALLOR STATION ROAD, LUCKNOW

सूचना

मेरे आधार कार्ड नंबर 546210395761 में मेरा नाम शिवानी देवी है जबकि हाईस्कूल के अंकपत्र व प्रमाण पत्र में केएम शिवानी लिखा है। उपरोक्त दोनों नाम मेरे ही हैं। अतः मुझे शिवानी देवी के स्थान पर केएम (KM) शिवानी के नाम से जाना जाए और यही नाम सही है। **शिवानी पुत्री मलिखान सिंह, निवासी डाकबंगला रोड, सरायमीरा– कन्नौज।**

NOTICE

I NITIN SAXENA (F/O OJAS), R/O.D-1/37, SEC-F, JANKIPURAM, LUCKNOW, U.P CHANGE MY MINOR SON NAME AS OJAS TO OJAS SAXENA, FOR ALL FUTURE PURPOSE.

सूचना

मैंने अपना नाम MIRZA FAARHAN AUZIL BASH से बदलकर MOHAMMAD FARHAN HUSAIN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MIRZA JAYER HUSAIN ADD-450/128 QAISER COTTAGE MUFTIGANJ POST-CHOWK DIST-LUCKNOW-226003(U.P.)

सूचना

मै **आमीन पुत्र श्री नन्हे नि0-ग्राम-रहुला, पो0 तह0-बिलग्राम हरदोई,** मेरे पुत्र मो0 आमिल के विद्यालयी अभिलेखों में मेरे पुत्र का नाम मो0 आमिल अंकित हो गया है जो कि गलत है जबकि उसका सही नाम आमिल मंसूरी है जो आधार कार्ड में भी संशोधन उपरांत सही दर्शाया गया है। अतः पुत्र के विद्यालय अभिलेखों में उसका सही नाम मो0 आमिल के स्थान पर वास्तविक नाम आमिल मंसूरी दर्ज किया जाये।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं RAMESH YADAV से RAMESH KUMAR रख लिया है अब भविष्य में मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना व पहचाना जाए। पुत्र JAGESHWAR YADAV निवासी 826 धनुवा सांड भदेसर लखनऊ का रहने वाला हूं।

सार्वजनिक घोषणा

यह सार्वजनिक रूप से घोषित किया जाता है कि श्री सत्येन्द्र पाण्डेय (वर्तमान स्वामी) की संपत्ति की चेन से संबंधित बिक्री विलेख दिनांक 06 / 08 / 2013 (लवकेश → शषि श्रीवास्तव), उप–निबंधक–III, लखनऊ, बुक 1, जिल्द 10020, पृष्ठ 89–108, क्रमांक 6084, प्लॉट 9 व 10 (आंशिक), खसरा 554, ग्राम सुगामऊ, लखनऊ से संबंधित, गुम हो गई है। ई–एफआईआर संदर्भ सं.– 20260000075752 आपत्ति हो तो 15 दिवस में सूचित करें।

सूचना

मेरा नाम पहले जमाल अहमद था जबकि मेरा वास्तविक नाम जमाल अहमद सिद्दीकी है जो कि मेरे आधारकार्ड में भी अंकित है। मुझे जमाल अहमद सिद्दीकी के नाम से ही जाना पहचाना जाये। **जमाल अहमद सिद्दीकी पुत्र मुशीर अहमद सिद्दीकी, 1/7-के, मतीन पुरवा खुर्रम नगर लखनऊ (उ0प्र0)**

सूचना

सूचित हो कि मेरा हाईस्कूल का अंकपत्र और प्रमाणपत्र जिसका अनुक्रमांक 5235727 वर्ष 2014 और इंटरमीडिएट का अंकपत्र और प्रमाणपत्र जिसका अनुक्रमांक 5667592 वर्ष 2016 है। वास्तव में कही खो गई है। **सुमित कुमार पुत्र दिनेश कुमार प्लाट नं. 1 सी शालीमार गार्डन 1 आई आई एम रोड, भिठौली खुर्द नियर आई आई एम तिराहा लखनऊ।**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की मेरे पुत्र रिंकू कश्यप व उनकी पत्नी चांदनी का चाल चलन सही नहीं है। दोनों लोग आये दिन मेरे साथ परिवार के अन्य सदस्यों को गाली देते हुए मार पीट कर प्रताड़ित कर रहे हैं। जिससे तंग आकर मै अपनी चल अंचल सम्पति से रिंकू व चांदनी को बेदखल करता हूं। आज के बाद दोनों लोग अपने कृत्य के स्वयं जिम्मेदार होंगे। **बनारसी पुत्र नकछेद ग्राम बबुरास थाना व वि.खं. करनैलगंज गोंडा।**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेसर्स, शुभ शक्ति फूड इण्डस्ट्रीज प्रा0लि0, ग्राम–अलीनगर, करौंदा, कुर्सी, तहसील–फतेहपुर, जनपद–बाराबंकी (उ0प्र0) की शीतगृह मूल लाइसेंस पुस्तिका कहीं खो गयी है। यदि भविष्य में कोई भी मूल लाइसेंस पुस्तिका का प्रयोग करता है, तो अवैध होगा। **भवदीय –(अनिल कुमार शर्मा) शीतगृह स्वामी, शुभ शक्ति फूड इण्डस्ट्रीज प्रा0लि0, ग्राम–अलीनगर, करौंदा, कुर्सी, तहसील– फतेहपुर, बाराबंकी। मोबाइल नं0– 9451368525**

सूचना

मै **ज्योति वर्मा पुत्री राजेन्द्र प्रसाद निवासिनी नौबस्ता, ज्योरी जनपद बाराबंकी उ0प्र0,** मेरी लाइफ इन्श्योरेन्स पालिसी पर मेरा नाम त्रुटिवश (ARADHANA VERMA) अंकित हो गया है। जबकि मेरा सही नाम ज्योति वर्मा (JYOTI VERMA) है जो मेरे आधार कार्ड सं0–8873 4607 3763 व अन्य अभिलेखो मे दर्ज है। उपरोक्त (ARADHANA VERMA) व ज्योति वर्मा (JYOTI VERMA) दोनो नाम मेरे ही है। अतः मुझे ज्योति वर्मा के नाम से जाना व पहचाना जाये।

न्यूज ब्रीफ

नंदू गिरोह का सदस्य हवाई अड्डे पर गिरफ्तार

नई दिल्ली। कपिल सांगवान उर्फ नंदू गिरोह के एक प्रमुख सदस्य को दिल्ली हवाई अड्डे पर गिरफ्तार कर लिया गया। वह करीब दो साल से फरार था और विदेश में था। दिल्ली की एक अदालत ने उसे कई आपराधिक मामलों में भगोड़ा घोषित किया था। हरियाणा निवासी मनोज राठी (33), नजफगढ़ पुलिस थाना में 2021 में दर्ज हत्या के एक मामले तथा बाबा हरिदास नगर थाना में शस्त्र अधिनियम के तहत दर्ज दो मामलों में वांछित था।

तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

अंबाला। अंबाला के तीन स्कूल को सोमवार को बम की धमकी वाला ई-मेल मिलने के बाद तुरंत पुलिस को सूचित किया गया और पूरी जांच की गई, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया। पुलिस ने बताया कि तीनों स्कूल में गहन तलाशी ली गई लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। इनमें से दो स्कूल अंबाला कैंट में और एक अंबाला सिटी में स्थित है। अंबाला छावनी थाना प्रभारी जतिंदर ढिल्लों ने कहा, पूरी तरह से तलाशी ली गई, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

27 करोड़ की 13.6 किग्रा मेफेड्रोन जब्त

ठाणे। मुंब्रा में मादक पदार्थ तस्करी के एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करने के बाद 27.21 करोड़ रुपये मूल्य की ''मेफेड्रोन'' जब्त की गई है। यह ठाणे पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत थाना स्तर पर मादक पदार्थ की अब तक की सबसे बड़ी खेप की जब्ती है। पुलिस उपायुक्त (जोन 1) सुभाष बुर्से ने बताया कि एक सूचना के आधार पर, मुंब्रा थाने की स्वापक औषधि एवं मन: प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) टीम ने एक अस्पताल के पास जाल बिछाया और बासु उमरदीन सैयद को 23.5 ग्राम मेफेड्रोन के साथ गिरफ्तार किया। डीसीपी ने बताया कि हमारी जांच में मध्य प्रदेश से ठाणे तक फैली आपूर्ति श्रृंखला का खुलासा हुआ।

प्रवासी बन सरकारी कर्मी ने हड़पे 18 लाख

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की आर्थिक अपराध शाखा ने एक पूर्व सरकारी कर्मचारी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। कर्मचारी पर नौकरी में रहते हुए खुद को प्रवासी बताकर 18.3 लाख रुपये सहायता प्राप्त करने का आरोप है। ईओडब्ल्यू को मिली शिकायत में आरोप था कि उसने खुद का और अपने परिवार के सदस्यों का प्रवासी के तौर पर अवैध तरीके से पंजीकरण कराया है और नकद आर्थिक सहायता प्राप्त की।

भारत और यूएई में रणनीतिक रक्षा साझेदारी योजना, एलएनजी समझौते पर किए हस्ताक्षर

प्रधानमंत्री मोदी व यूएई के राष्ट्रपति अल नहयान में 200 अरब डॉलर के व्यापार लक्ष्य पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने सोमवार को एक रणनीतिक रक्षा साझेदारी की योजना पेश की और एलएनजी समझौते पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान ने 2032 तक वार्षिक व्यापार के लिए 200 अरब अमेरिकी डॉलर का लक्ष्य निर्धारित करते हुए संबंधों को मजबूत करने के लिए व्यापक एजेंडा प्रस्तुत किया।

मोदी ने दिल्ली हवाई अड्डे पर अल नाह्यान का गले मिलकर स्वागत किया और फिर वे एक ही वाहन में प्रधानमंत्री आवास तक साथ गए, जहां उन्होंने व्यक्तिगत स्तर पर और प्रतिनिधिमंडल स्तर के प्रारूपों में बातचीत की। दोनों पक्षों द्वारा हस्ताक्षर किए गए पांच दस्तावेजों में सबसे अहम दस्तावेज रणनीतिक रक्षा साझेदारी स्थापित करने का आशय पत्र रहा। यह कदम पाकिस्तान और सऊदी अरब द्वारा अपने दशकों पुराने रक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के चार महीने बाद उठाया गया। रक्षा साझेदारी के तहत भारत और यूएई रक्षा औद्योगिक सहयोग और उन्नत प्रौद्योगिकियों, साइबरस्पेस प्रशिक्षण, विशेष अभियानों, अपनी सेनाओं की अंतरसंचालनीयता और आतंकवाद रोधी गतिविधियों में सहयोग पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस दौरान एक और समझौते पर हस्ताक्षर किए गए जिसके तहत हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) 2028 से शुरू होने वाले 10 वर्षों में अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी गैस से 0.5 मिलियन मीट्रिक टन एलएनजी (तरल प्राकृतिक गैस) खरीदेगी। कतर के बाद संयुक्त अरब अमीरात भारत को एलएनजी की आपूर्ति करने वाला दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है।

दोनों पक्षों ने उन्नत परमाणु प्रौद्योगिकियों में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने का भी फैसला किया, जिसमें बड़े परमाणु रिएक्टर और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर का विकास तथा उन्नत रिएक्टर प्रणालियों, परमाणु ऊर्जा संयंत्र संचालन और रखरखाव एवं परमाणु सुरक्षा में सहयोग शामिल है। यूएई नेता की यात्रा को विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

नई दिल्ली में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान। ● एजेंसी

● उन्नत परमाणु प्रौद्योगिकियों में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने का भी फैसला

भारत में डेटा सेंटर में निवेश पर विचार करेगा खाड़ी देश

विदेश सचिव मिसरी ने कहा कि खाड़ी देश भारत में डेटा सेंटर की क्षमता बढ़ाने के लिए निवेश पर भी विचार करेगा। दोनों पक्षों ने 2032 तक वार्षिक व्यापार के लिए 200 अरब अमेरिकी डॉलर का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। वर्ष 2023-24 में दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 84 अरब अमेरिकी डॉलर का था। मिसरी ने बताया कि खाद्य सुरक्षा से जुड़े समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए।

नहयान ने की सीमा पार आतंकवाद की निंदा

मिसरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और अल नाह्यान ने सीमा पार आतंकवाद की स्पष्ट रूप से निंदा की और कहा कि आतंकवाद के सभी कृत्यों के समर्थकों और वित्तपोषकों को न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए।

आप ही भारत के अभिनेता निर्देशक और दर्शक होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने सोमवार को विकसित भारत के निर्माण में देश के युवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि इस यात्रा में वे इसके अभिनेता, निर्माता, निर्देशक और कई बार दर्शक भी होंगे। यहां राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) कैडेट की एक सभा को संबोधित करते हुए, त्रिपाठी ने कड़ी मेहनत और लगन के महत्व पर जोर देने के लिए टेनिस के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर का उदाहरण दिया और साहस के महत्व को समझाने के लिए 1971 के युद्ध में सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के शौर्य और बलिदान को याद किया।

नौसेना प्रमुख ने युवाओं से आत्म-अनुशासन और टीम वर्क के मूल्यों को आत्मसात करने का आग्रह किया और जोर देकर कहा कि केवल व्यक्तिगत उत्कृष्टता से कोई संगठन या राष्ट्र विकसित नहीं हो सकता। एडमिरल ने कहा, यदि आप इस टीम भावना और युवा ऊर्जा को एकता और उद्देश्य के साथ जोड़ सकते हैं, तो यह 2047 तक विकसित भारत बनने के हमारे राष्ट्र के लक्ष्य में एक प्रेरक शक्ति बन जाएगी।

● नेशनल कैडेट कोर के युवाओं से बोले नौसेना प्रमुख एडमिरल त्रिपाठी

व्यक्तिगत लाभों से ऊपर उठना होगा

नौसेना प्रमुख ने कहा, इसलिए, अगर मैं ''विकसित भारत'' के निर्माण को एक फिल्म के निर्माण के समान देखूं तो आप इस यात्रा में इसके अभिनेता, अभिनेत्री, निर्माता, निर्देशक और कई बार इसके दर्शक भी होंगे। उन्होंने कहा कि आपको व्यक्तिगत लाभों से ऊपर उठना होगा। उन्होंने यह भी कहा, इसमें मेरा क्या फायदा है? वाली मानसिकता को अपने शब्दकोश से बाहर कर देना चाहिए।

प्राथमिकी रद्द करने वाली लालू की याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद की उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें उन्होंने सीबीआई की ओर से जमीन के बदले नौकरी घोटाले में दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध किया है। लालू प्रसाद के अधिवक्ता कपिल सिब्बल और सीबीआई की तरफ से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा के समक्ष दलीलें पूरी कीं।

प्रसाद ने याचिका में प्राथमिकी के साथ 2022-23 और 2024 में दायर तीन आरोपपत्रों और संज्ञान संबंधी आदेशों को भी रद्द करने का अनुरोध किया है। राजद सुप्रीमो ने दलील दी कि इस मामले में जांच, प्राथमिकी, छानबीन और उसके बाद दायर आरोपपत्र कानूनी रूप से टिकने योग्य नहीं हैं, क्योंकि सीबीआई ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा-17ए के तहत अनिवार्य पूर्व स्वीकृति नहीं ली। सिब्बल ने सोमवार को कहा कि सीबीआई का कहना है कि लालू प्रसाद ने रेल मंत्री के रूप में अपनी आधिकारिक क्षमता में काम किया। उन्होंने कहा कि इसलिए प्रसाद पर आधिकारिक कार्यों या कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान कथित रूप से किए गए कृत्यों के लिए मुकदमा चलाने के वास्ते मंजूरी की आवश्यकता है। राजू ने सिब्बल की दलीलों का विरोध किया।

जमीन के बदले नौकरी देने का मामला

न्यायिक सुधारों से जुड़ी याचिका से सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने व्यापक न्यायिक सुधारों के अनुरोध वाली जनहित याचिका पर नाराजगी जताते हुए सोमवार को इसे प्रचार याचिका करार देते हुए असंतोष व्यक्त किया और याचिका खारिज कर दी। उच्चतम न्यायालय ने साथ ही यह भी कहा कि इस अदालत को बाहर कैमरों को संबोधित करने के मंच के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

याचिकाकर्ता ने यह निर्देश देने का अनुरोध किया था कि भारत की हर अदालत में किसी भी मामले का निपटारा एक वर्ष की समय-सीमा में किया जाए। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सवाल उठाया कि वह ऐसा निर्देश कैसे जारी कर सकती है, जिसमें सभी मामलों का एक वर्ष में निपटारा अनिवार्य किया जाए। यह जनहित याचिका कमलेश त्रिपाठी ने दायर की थी, जो स्वयं पेश होकर मामले की पैरवी कर रहे थे। सुनवाई के दौरान त्रिपाठी ने दलीलें हिंदी में रखने की अनुमति मांगी। देश में बदलाव लाने के लिए उनकी अर्जी पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि ऐसी आकांक्षाओं के लिए औपचारिक याचिका उपयुक्त माध्यम नहीं है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आप देश में बदलाव चाहते हैं न? इसके लिए ऐसी याचिका दायर करने की जरूरत नहीं है। आप मुझे एक पत्र लिखकर भेज दीजिए। पीठ ने प्रचार याचिका दायर करने के मकसद की विशेष रूप से आलोचना की।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आप लोग बाहर खड़े कैमरामैनों के सामने बोलने के लिए याचिका मत डालिये। याचिकाकर्ता के अनुरोध की व्यवहारिकता पर सवाल उठाते हुए प्रधान न्यायाधीश ने सवाल किया कि आप कह रहे हैं कि एक साल में हर कोर्ट फैसला करे? ऐसी कितनी कोर्ट चाहिए आपको? पीठ ने आदेश में कहा कि यदि याचिकाकर्ता चाहे तो न्यायिक सुधारों के लिए प्रशासनिक पक्ष से संबंधित पत्र प्रधान न्यायाधीश को प्रस्तुत कर सकता है, जिसमें यदि कोई सुझाव हों तो वे दे सकते हैं। यह स्पष्ट है कि ऐसे सभी सुझावों का हमेशा स्वागत है।

● सीजेआई सूर्यकांत बोले - कैमरों को संबोधित करने के मंच के रूप में कोर्ट का इस्तेमाल न हो

पांच लाख का जुर्माना लगाने को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को लखनऊ के वकील की याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने आरोप लगाया था कि एक निरर्थक जनहित याचिका दायर करने के लिए अक्टूबर 2023 में खुली अदालत में उन्हें 25,000 रुपये का जुर्माना देने का आदेश दिया गया था, लेकिन उन पर पांच लाख का जुर्माना लगाया गया था। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने 13 अक्टूबर 2023 को वकील अशोक पांडे की जनहित याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें यह निर्देश देने का अनुरोध था कि न्यायमूर्ति देवेंद्र उपाध्याय को बंबई हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में फिर से शपथ दिलाई जाए क्योंकि संविधान के तहत तय तरीके से शपथ नहीं ली गई थी। न्यायमूर्ति उपाध्याय अब दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश हैं। पांडे के अनुसार, पीठ ने खुली अदालत में उन पर निरर्थक जनहित याचिका दायर करने के लिए 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया था। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि हम आदेश का पालन करेंगे और इसमें पांच लाख रुपये का जिक्र है।

राजमार्ग से 500 मीटर के दायरे में शराब की दुकानें हटाने के आदेश पर रोक

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को राजस्थान हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें राज्य सरकार को राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों से 500 मीटर के दायरे में आने वाली सभी शराब की दुकानों को हटाने का निर्देश दिया गया था। हाईकोर्ट ने सड़क हादसों में हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए यह आदेश दिया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने शराब विक्रेताओं और राजस्थान सरकार की याचिकाओं पर नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट की चिंता वाजिब थी और सरकार भविष्य में आबकारी नीति बनाते समय इस पर विचार कर सकती है। शीर्ष अदालत ने आदेश दिया कि नोटिस जारी किया जाए। चुनौती दिए आदेश पर रोक लगाई जाती है। राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने पहले निर्देश दिया था कि राजमार्गों से 500 मीटर के भीतर शराब की दुकानें नहीं होनी चाहिए, लेकिन समस्या वहां पैदा हुई जहां ये सड़कें शहरों से गुजरती हैं। बाद में आदेश में स्पष्ट था कि नगर निकाय की सीमा के भीतर शराब की दुकानों पर ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं होगा।

इंदौर में भिखारी निकला लाखों रुपये की संपत्ति का मालिक

इंदौर, एजेंसी

इंदौर में प्रशासन ने भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान के दौरान कुष्ठ रोग से जूझ रहे 50 वर्षीय भिखारी को बचाया है और शुरुआती तौर पर पता चला है कि वह तीन मकानों, एक कार और तीन ऑटो रिक्शा समेत लाखों रुपये की संपत्ति का मालिक है।

प्रशासन ने इंदौर में भीख लेने के साथ ही भीख देने और भिखारियों से कोई सामान खरीदने तक पर कानूनी रोक लगा रखी है और उसका दावा है कि शहर भिक्षुकमुक्त है। महिला और बाल विकास विभाग के अधिकारी दिनेश मिश्रा ने बताया कि आम लोगों की सूचना पर सर्राफा क्षेत्र से एक कुष्ठ रोगी को भिक्षावृत्ति से मुक्त कराने के लिए बचाया गया है। भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान के नोडल अधिकारी मिश्रा ने बताया कि हमें पता चला है कि इस व्यक्ति के पास तीन पक्के मकान हैं। इनमें तीन मंजिलों वाला एक भवन शामिल है। इसके अलावा, उसके पास तीन ऑटो रिक्शा हैं जिन्हें उसने किराये पर दे रखा है। मिश्रा के मुताबिक, इस व्यक्ति के पास एक कार भी है जिसमें बैठकर वह भीख मांगने जाता है और इसके लिए उसने चालक रखा हुआ है। कुष्ठ रोग से जूझ रहा यह व्यक्ति पहियों के सहारे घिसटने वाली गाड़ी पर बैठकर भीख मांगता है।

मिश्रा के मुताबिक, यह व्यक्ति वर्ष 2021-22 से भिक्षावृत्ति कर रहा है और यह भी पता चला है कि उसने सर्राफा क्षेत्र में लोगों को चार से पांच लाख रुपये उधार दिए हैं जिनसे वह दैनिक ब्याज वसूलता है। उन्होंने बताया कि इस ब्याज से वह हर दिन 1,000 से 2,000 रुपये कमाता है।

● दंग रह गए भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान में लगे अधिकारी

2016 में प्रणय और राधिका रॉय को भेजे आयकर नोटिस रद्द

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को एनडीटीवी के संस्थापकों प्रणय रॉय और राधिका रॉय को भेजे 2016 के आयकर नोटिस को रद्द कर दिया और विभाग को सांकेतिक लागत के रूप में प्रत्येक को एक लाख रुपये देने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति दिनेश मेहता और विनोद कुमार की पीठ ने टिप्पणी की कि अधिकारियों द्वारा प्रणय और राधिका को उसी मुद्दे के लिए दूसरी बार पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही के अधीन करना मनमाना था।

पीठ ने रॉय परिवार की याचिकाओं को स्वीकार करते हुए कहा कि इस मामले के तथ्य स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि कार्यवाही मनमानी और वैधानिक प्रावधानों के विपरीत होने के साथ न्यायिक प्रक्रिया के मूलभूत सिद्धांतों के भी विरुद्ध है। याचिकाकर्ताओं को जारी नोटिसों और इसके परिणामस्वरूप जारी किए आदेश या कार्यवाही रद्द की जाती हैं।

लाटरी से तय होगा मुंबई महापौर के लिए आरक्षण

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई और 28 अन्य नगर निकायों के महापौरों के चुनाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है, और महापौर पद किस श्रेणी में जाएगा इसका फैसला 22 जनवरी को लॉटरी के जरिए होगा। शहरी विकास विभाग ने एक आदेश जारी कर कहा है कि यह काम लॉटरी के जरिये राज्य सचिवालय (मंत्रालय) में होगा। महाराष्ट्र में महापौरों का चुनाव पार्षदों द्वारा किया जाता है और यह पद रोटेशन के आधार पर आरक्षण के अधीन होता है।

लॉटरी के माध्यम से यह निर्धारित किया जाता है कि महापौर का पद किस श्रेणी के लिए आरक्षित होगा, जैसे सामान्य, महिला, अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और ओबीसी श्रेणी। श्रेणी की घोषणा होने के बाद, पात्र उम्मीदवार अपना नामांकन दाखिल करते हैं। इसके बाद, नगर निकायों के निर्वाचित पार्षदों की एक विशेष बैठक में चुनाव आयोजित किया जाता है। सदन की कुल सदस्य संख्या के आधे से अधिक मत हासिल करने वाला उम्मीदवार महापौर निर्वाचित होता है। किसी भी एकल पार्टी को स्पष्ट बहुमत न मिलने की स्थिति में गठबंधन निर्णायक भूमिका निभाते हैं। मुंबई में 15 जनवरी को हुए चुनावों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। भाजपा ने बीएमसी की कुल 227 सीटों में से 89 सीटों पर जीत हासिल की है और करीब 30 वर्षों के बाद ठाकरे परिवार से देश के सबसे अमीर नगर निकाय का नियंत्रण छीन लिया है।

● महाराष्ट्र में 28 नगर निकायों में महापौर चुनाव प्रक्रिया शुरू

गणतंत्र दिवस की तैयारी...

नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड के लिए पूर्वाभ्यास के दौरान मोटरसाइकिल फॉर्मेशन बनाते हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स और सशस्त्र सीमा बल के जवान।

बजट में पेश होगा बिजली संशोधन विधेयक

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को कहा कि बिजली संशोधन विधेयक संसद के बजट सत्र में पेश किया जाएगा। इसका उद्देश्य विद्युत क्षेत्र में सुधार और ऋण में डूबी बिजली वितरण कंपनियों की लाभप्रदता दिलाना है। मंत्री ने आईआईटी दिल्ली-सीईआरसी-ग्रिड इंडिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के उद्घाटन पर यह बात कही।

विद्युत मंत्रालय ने रविवार को बताया था कि कई वर्षों तक घाटे में रहने के बाद विद्युत वितरण कंपनियों ने 2024-25 में संयुक्त रूप से 2,701 करोड़ का लाभ दर्ज किया है। मंत्रालय ने कहा कि 50 वितरण कंपनियां अब भी घाटे में हैं। सभी वितरण कंपनियों को लाभप्रद बनाने की रणनीतियों पर लाल ने कहा कि अगले बजट सत्र में हम विद्युत अधिनियम में संशोधन करने जा रहे हैं ताकि वितरण कंपनियों को घाटा न हो और उन्हें समय पर भुगतान हो सके।

मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विद्युत अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों पर चर्चा करने के लिए राज्य प्रतिनिधियों के साथ परामर्श बैठक भी आयोजित की है। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआईपीईएफ) ने इसका विरोध करते हुए तर्क दिया कि विधेयक में कई वितरण लाइसेंसधारियों को सरकारी बिजली वितरण कंपनियों के मौजूदा नेटवर्क का उपयोग करने का प्रस्ताव है। एआईपीईएफ के चेयरमैन शैलेंद्र दुबे ने कहा कि यह विधेयक निजीकरण के उद्देश्यों का समर्थन करता है। केंद्र सरकार विद्युत (संशोधन) नियमों के माध्यम से अपने निजीकरण एजेंडे को आगे बढ़ा रही है।

● विद्युत क्षेत्र में सुधार और ऋण में डूबी बिजली वितरण कंपनियों की लाभप्रदता दिलाना उद्देश्य

● एआईपीईएफ के चेयरमैन ने कहा- विधेयक निजीकरण के उद्देश्यों का समर्थन करता है

कमरे में अंगीठी जलाकर सोए रिटायर्ड बीडीओ की पत्नी समेत मौत

बरेली, अमृत विचार : सर्दी से बचने के लिए कमरे में अंगीठी जलाकर सोने की गलती सेवानिवृत्त बीडीओ और उनकी पत्नी पर भारी पड़ी। दोनों की दम घुटने से मौत हो गई।

राजेंद्रनगर निवासी 98 वर्षीय रिटायर्ड बीडीओ उमा शंकर सक्सेना और उनकी 78 वर्षीय पत्नी कामिनी देवी रविवार रात अपने कमरे में अंगीठी जलाकर सोए थे। सोमवार सुबह उनके पोते ने उनके कमरे से धुआं निकलता देखा तो शोर मचाया। परिजनों ने कमरा खोलकर देखा तो दोनों को बेसुध पाया। बेटे डॉ. आलोक सक्सेना ने बताया कि कमरे में वेंटिलेशन नहीं था। रात भर अंगीठी जलती रहने से दोनों की दम घुटने से मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बगैर उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। हालांकि प्रेमनगर थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद चौकी इंचार्ज को जांच के लिए मौके पर भेजा गया है।

कोर्ट के फैसले तक नहीं होंगे एनपीए के खुलासे

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला आने तक सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत बैंक निरीक्षण रिपोर्टों और ऋण चूककर्ताओं की सूचियों को जारी करने पर रोक लगा दी है। राष्ट्रीय स्तर पर इसके व्यापक प्रभावों को समझते हुए, पारदर्शिता निगरानी संस्था ने फैसला सुनाया कि उच्चतम न्यायालय द्वारा बैंकों की लंबित याचिकाओं पर मंगलवार को निर्णय होने तक किसी भी गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) का आंकड़ा या जुर्माने का खुलासा नहीं किया जाएगा।

आरबीआई निरीक्षण रिपोर्टों के खुलासे पर ऐतिहासिक जयंतीलाल एन मिस्त्री फैसले पर पुनर्विचार की मांग वाली लंबित याचिकाओं को देखते हुए, सीआईसी ने रजिस्ट्री को उच्चतम न्यायालय की सुनवाई के बाद मामले को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। सूचना आयुक्त खुशवंत सिंह सेठी ने कहा कि शीर्ष न्यायालय के निर्देशों का इंतजार करना उचित होगा, क्योंकि उच्चत न्यायालय को मंगलवार को इस मामले की सुनवाई करनी है। सीआईसी ने भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, एक्सिस बैंक, आरबीएल बैंक, यस बैंक, सिटीबैंक एनए और अहमदनगर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक की अपीलों पर अंतरिम आदेश जारी किए। इस मामले से जुड़े सवालों का राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव पड़ेगा और इनमें स्पष्टता के लिए शीर्ष अदालत का फैसला जरूरी है, खासकर आरबीआई की निरीक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक करने से जुड़े जयंतिलाल एन. मिस्त्री फैसले पर पुनर्विचार की याचिकाएं लंबित होने के कारण।

सीआईसी ने कहा कि आयोग ने रामामले में उच्चतम न्यायालय के निर्देश का लाभ लेना उचित होगा। साथ ही अंतिम निर्णय तक कोई भी जानकारी प्रकट न करने का निर्देश दिया। ये मामले रिजर्व बैंक के निरीक्षण और जोखिम मूल्यांकन रिपोर्ट, गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) और जानबूझकर चूक करने वालों की सूची, कारण बताओ नोटिस, वैधानिक निरीक्षणों के बाद लगाए दंड और संबंधित प्रवर्तन कार्रवाइयों जैसी जानकारी का खुलासा करने के निर्णयों पर बैंकों द्वारा उठाई गई आपत्तियों से संबंधित हैं।

● सीआईसी ने अंतिम फैसला आने तक आरटीआई के तहत जारी होने वाली जानकारी पर लगाई रोक

अमृत विचार

मंगलवार, 20 जनवरी 2026

प्रेम का मार्ग कोई उम्मीद न रखने का मार्ग है। प्यार तभी मौजूद होता है, जब पूर्ण स्वीकृति हो और कुछ भी बदलने की कोई इच्छा ना हो।
–ओशो, विचारक

महत्वाकांक्षा और चुनौतियां

उत्तर प्रदेश हेल्थ केयर और मेडिकल टेक्नोलॉजी का हब बनने की ओर है, मुख्यमंत्री का दावा पिछले एक दशक में इस क्षेत्र में किए गए ठोस प्रयासों और ठोस नीतिगत पहलों पर आधारित है। हालांकि देश के सर्वाधिक आबादी वाले राज्य के लिए यह लक्ष्य महत्वाकांक्षी होने के साथ चुनौतीपूर्ण भी है। पिछले दस वर्षों में उत्तर प्रदेश ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से करोड़ों परिवारों को सार्वभौमिक स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिला। एम्स और तमाम नए अस्पताल शुरू हुए, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार, टीकाकरण कवरेज का विस्तार और स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण ने मृत्यु दर घटाने में मदद की है। आज नीति आयोग के स्वास्थ्य सूचकांक में राज्य का सातवें स्थान पर पहुंचना इन्हीं सुधारों को दर्शाता है। हालांकि आगे चुनौतियां भी कम नहीं हैं। जनसंख्या का दबाव, डॉक्टरों व नर्सों की कमी, क्षेत्रीय असंतुलन व ग्रामीण गरीबी। इनसे निपटने के लिए मेडिकल व पैरामेडिकल शिक्षा का विस्तार, ग्रामीण सेवा को प्रोत्साहन, दवा व उपकरणों की सस्ती उपलब्धता और समुदाय आधारित स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों को अभी और मजबूत करना होगा। संक्रामक और गैर-संक्रामक रोगों के दोहरे बोझ से निपटने के लिए एक उत्तरदायी, डेटा-आधारित और समावेशी स्वास्थ्य प्रणाली अभी निर्माणाधीन अवस्था में ही है। ऐसे में भविष्य की ओर देखें तो सरकार की योजनाएं स्वास्थ्य सेवाओं, मेडिकल रिसर्च और तकनीक को एक साथ आगे बढ़ाने पर केंद्रित होनी चाहिए। मेडिकल डिवाइस पार्क और बल्क ड्रग फार्मा पार्क की स्थापना से दवाइयों और मेडिकल उपकरणों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, आयात पर निर्भरता घटेगी, रोजगार और निवेश के अवसर भी सृजित होंगे।

मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाना, पीपीपी मॉडल पर सुपर स्पेशिएलिटी अस्पतालों को प्रोत्साहन देना और हेल्थ स्टार्टअप्स के लिए अनुकूल वातावरण बनाना भी इसी रणनीति का हिस्सा है। यूपी-आईएमआरएएस जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म से क्लीनिकल ट्रायल व मेडिकल रिसर्च से जुड़े अनुमोदनों को सरल, पारदर्शी और तेज बना है और शोधकर्ताओं और डॉक्टरों को नौकरशाही बाधाओं से राहत मिली तथा निवेशकों को समयबद्ध और भरोसेमंद प्रक्रियाएं भी। यह प्लेटफॉर्म उत्तर प्रदेश को रिसर्च-फ्रेंडली राज्य बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। डिजिटल हेल्थ के क्षेत्र में भी प्रगति उल्लेखनीय है। हालांकि इनसे जुड़ी पहलों का लाभ दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों तक समान रूप से पहुंचना अभी बाकी है। सूबा अपने सकल घरेलू उत्पाद का लगभग डेढ़ प्रतिशत स्वास्थ्य पर व्यय करता है, यह कम है। इसे कम से कम 2.5 प्रतिशत तक बढ़ाना आवश्यक है। प्रति व्यक्ति स्वास्थ्य व्यय भी अभी अपेक्षाकृत कम है, बुनियादी ढांचे, मानव संसाधन और प्राथमिक स्वास्थ्य पर निवेश बढ़ाकर इसे सुधारा जा सकता है। यदि प्रदेश को अपने प्रतिद्वंद्वी राज्यों से प्रतिस्पर्धा करनी है, तो गुणवत्ता और समानता विशेष ध्यान देना होगा। हेल्थ केयर और मेडिकल टेक्नोलॉजी का हब बनने से आम जनता को बेहतर, सस्ती और सुलभ सेवाएं मिलेंगी और यही किसी भी स्वास्थ्य नीति की अंतिम कसौटी है। फिलहाल रणनीतिक योजनाओं और मुख्यमंत्री की राजनीतिक इच्छाशक्ति से सूबा इस लक्ष्य के करीब पहुंचता दिखता है।

प्रसंगवश

बेघरपन: विकास की छाया में छिपा संकट

दुनिया में बेघर लोगों की स्थिति पर रिपोर्ट जारी करने वाली ओईसीडी के अनुसार, सबसे अधिक बेघर लोगों वाला देश पाकिस्तान है, जहां लगभग 80 लाख से अधिक लोग बिना किसी स्थाई आश्रय के जीवन जी रहे हैं। इस सूची में सीरिया 53 लाख बेघर लोगों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि बांग्लादेश 50 लाख बेघर लोगों के साथ तीसरे स्थान पर है। चीन 25.79 लाख बेघर लोगों के साथ नौवें स्थान पर है और नेपाल 25 लाख बेघर लोगों के साथ दसवें स्थान पर। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित देशों का भी इस सूची में शामिल होना यह दर्शाता है कि आवास की समस्या केवल विकासशील देशों तक सीमित नहीं, बल्कि एक वैश्विक चुनौती बन चुकी है। भारत की आबादी 140 करोड़ से अधिक होने के बावजूद बेघर लोगों की संख्या लगभग 17.70 लाख बताई गई है।

भारत की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर मानी जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार भारत 17.70 लाख बेघर लोगों के साथ दुनिया में 13 वें स्थान पर हैं। इसका एक बड़ा कारण प्रधानमंत्री आवास योजना

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

(पीएमएवाई) है, जिसके तहत करोड़ों परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराया गया है। इस योजना ने बेघरपन को कम करने में अहम भूमिका निभाई है। इसके अलावा स्थिर आर्थिक वृद्धि ने लोगों की क्रय-शक्ति बढ़ाई है, जिससे वे छोटे घर खरीदने या किराए पर लेने में सक्षम हुए हैं। ग्रामीण रोजगार गारंटी जैसी योजनाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को भी काफी हद तक रोका है। साथ ही भारत की पारंपरिक संयुक्त परिवार व्यवस्था भी आर्थिक संकट के समय लोगों को सहारा देती रही है। केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी द्वारा राज्यसभा में दिए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत में कुल 17.73 लाख बेघर लोग हैं, जिनमें 9.38 लाख शहरी और 8.34 लाख ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। शहरी क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 1.80 लाख बेघर लोग हैं, इसके बाद महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और गुजरात का स्थान आता है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी उत्तर प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र में बेघर लोगों की संख्या अधिक है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की बात करें तो 2001 की जनगणना में यहां 24,966 बेघर लोग दर्ज किए गए थे, जो 2011 में बढ़कर 46,724 हो गए। गैर सरकारी संगठनों का दावा है कि वर्तमान में दिल्ली में 1.50 लाख से अधिक बेघर लोग रह रहे हैं, जिनकी पूरी गिनती अब तक संभव नहीं हो पाई है।

बेघर लोगों की स्थिति अत्यंत दयनीय और असुरक्षित होती है। उन्हें भोजन, आश्रय, स्वच्छ पानी, स्वास्थ्य सेवाओं और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ता है। महिलाओं और बच्चों के लिए यह स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। पहचान पत्रों के अभाव में वे सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाते और गरीबी के दुष्चक्र में फंसे रहते हैं। बेघर होना मूल रूप से पर्याप्त आवास के मानवाधिकार का उल्लंघन है। इस समस्या से निपटने के लिए सरकारों को निर्णायक भूमिका निभानी होगी। किफायती आवास का निर्माण, रैन बसेरों की संख्या बढ़ाना और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को प्रभावी बनाना आवश्यक है। साथ ही आम नागरिक भी बेघर लोगों की मदद कर सकते हैं। भोजन, कपड़े, स्वच्छता सामग्री देना, आश्रयों में सेवा करना और जागरूकता फैलाना इसमें शामिल है। स्थानीय प्रशासन और सहायता समूहों से जुड़कर सहयोग करना भी उपयोगी साबित हो सकता है। छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़ा बदलाव ला सकते हैं। सम्मान और संवेदना के साथ की गई सहायता बेघर लोगों को गरिमापूर्ण जीवन की ओर ले जा सकती है। हमारा थोड़ा सा सहयोग उनकी सबसे बड़ी जरूरत बन सकता है और यही एक संवेदनशील समाज की पहचान है।

बैंकों में एफडीआई की नीति: अवसर और आशंकाएं

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारत सरकार एक बड़ा और रणनीतिक कदम उठाने की तैयारी में है, जिसके तहत वह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (Public Sector Banks-PSBs) में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) की सीमा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 49 प्रतिशत करने पर विचार कर रही है। यह प्रस्ताव न केवल बैंकिंग सेक्टर, बल्कि संपूर्ण भारतीय वित्तीय प्रणाली के लिए परिवर्तनकारी साबित हो सकता है।

कोविड-19 के बाद भारतीय बैंकिंग सेक्टर ने तेजी से सुधार दिखाया है। सरकारी बैंकों का NPA स्तर ऐतिहासिक न्यूनतम पर है, क्रेडिट ग्रोथ 15 प्रतिशत से ऊपर जा चुकी है और मुनाफा पिछले कई वर्षों के मुकाबले बेहतर है, लेकिन इसके बावजूद PSBs को पूंजी की कमी, कम रिटर्न ऑन इक्विटी और तकनीकी प्रतिस्पर्धा की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। निजी क्षेत्र के बैंक तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, जबकि सरकारी बैंक पूंजी जुटाने में पिछड़ जाते हैं। ऐसे में सरकार का यह फैसला विदेशी निवेश को आकर्षित करने और PSBs को मजबूत पूंजी ढांचा देने की दिशा में एक स्वाभाविक कदम माना जा रहा है।

सरकार के प्रस्ताव के तहत FDI सीमा को 49 प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना है, लेकिन सरकार अपनी 51 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बनाए रखेगी ताकि बैंकों पर नियंत्रण उसके पास ही रहे। यानी यह पूर्ण निजीकरण नहीं, बल्कि आंशिक उदारीकरण है। इस कदम से विदेशी निवेशक सीधे PSBs में हिस्सेदारी ले सकेंगे, जिससे बैंक की पूंजी पर्याप्तता (Capital Adequacy Ratio) में सुधार होगा और वे बड़े ऋण देने में सक्षम बन सकेंगे। सरकार का मानना है कि विदेशी निवेश से न केवल पूंजी आएगी, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय अनुभव, बेहतर प्रबंधन प्रथाएं और नई तकनीकें भी आएंगी, जो सरकारी बैंकों की कार्यक्षमता को सुधारेंगी। हालांकि इस कदम पर सवाल भी उठ रहे हैं। कई विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशी निवेश की सीमा बढ़ाना कहीं न कहीं PSBs के सार्वजनिक स्वरूप को कमजोर कर सकता है। सरकारी बैंक सिर्फ लाभ कमाने के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने के लिए भी जाने जाते हैं, जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना, जनधन योजनाएं लागू करना या कृषि ऋण देना।

सरकार के प्रस्ताव के तहत FDI सीमा को 49 प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना है, लेकिन सरकार अपनी 51 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बनाए रखेगी ताकि बैंकों पर नियंत्रण उसके पास ही रहे। यानी यह पूर्ण निजीकरण नहीं, बल्कि आंशिक उदारीकरण है।

यदि विदेशी निवेशक बड़ी हिस्सेदारी रखते हैं, तो वे लाभ केंद्रित दृष्टिकोण अपनाएंगे, जिससे सामाजिक बैंकिंग की भावना प्रभावित हो सकती है। इससे विदेशी मुद्रा का प्रवाह बढ़ेगा, भारत के बैंकिंग सेक्टर पर वैश्विक भरोसा मजबूत होगा और भारतीय अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक रूप से पूंजी स्थिरता मिलेगी। विदेशी निवेशकों के लिए भी यह अवसर है, क्योंकि भारतीय बैंकिंग सेक्टर उभरती अर्थव्यवस्था में सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र है। वर्तमान में भारतीय बैंकिंग प्रणाली का बाजार मूल्य 700 अरब डॉलर से अधिक है और इसमें सरकारी बैंकों की हिस्सेदारी लगभग 60 प्रतिशत है। यदि इन बैंकों में विदेशी निवेशकों को 49 प्रतिशत हिस्सेदारी की अनुमति मिलती है, तो यह अरबों डॉलर के निवेश का रास्ता खोल सकता है।

निवेशकों के लिए यह कदम कई मायनों में महत्वपूर्ण है। पहला, इससे बैंकों के शेयरों में दीर्घकालिक स्थिरता और वृद्धि की संभावना बनेगी। दूसरा, विदेशी निवेश आने से इन बैंकों की कॉर्पोरेट गवर्नेंस में सुधार होगा, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। तीसरा, यह निर्णय भारत के वित्तीय बाजारों में वैश्विक निवेशकों के भरोसे को और मजबूत करेगा। विदेशी निवेशकों की बढ़ती मांग से इन शेयरों के मूल्य में और वृद्धि हो सकती है। हालांकि कुछ जोखिम भी हैं। यदि सरकार नियंत्रण बनाए रखती है, तो विदेशी निवेशक निर्णय प्रक्रिया में सीमित भूमिका पा सकते हैं, जिससे वे उतनी उत्सुकता नहीं दिखाएंगे। वहीं, यदि नियंत्रण धीरे-धीरे कमजोर होता है, तो नीति निर्माण और बैंकिंग प्राथमिकताएं विदेशी हितों की ओर झुक सकती हैं। इसलिए सरकार को एक संतुलित नीति बनानी होगी, जहां विदेशी निवेश को आकर्षित किया जाए, पर नियंत्रण और सामाजिक बैंकिंग की भावना भी बनी रहे।

इस नीति के बाद पूंजी जुटाना आसान होगा, बैंकों की ऋण देने की क्षमता बढ़ेगी और तकनीकी नवाचार जैसे डिजिटल बैंकिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित जोखिम प्रबंधन आदि में तेजी आएगी। भारत सरकार की "विकसित भारत 2047" की दृष्टि में यह कदम एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है, क्योंकि इसका उद्देश्य कम से कम दो भारतीय बैंकों को दुनिया के शीर्ष 20 बैंकों की सूची में लाना है। आम उपभोक्ताओं के लिए भी यह कदम लाभकारी सिद्ध हो सकता है, क्योंकि विदेशी पूंजी के साथ बैंकिंग सेवाओं में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, ब्याज दरें अधिक पारदर्शी होंगी और डिजिटल सेवाएं सस्ती और तेज मिलेंगी। हालांकि सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि ग्रामीण और निम्न आय वर्ग के ग्राहकों की पहुंच और सेवा गुणवत्ता पर कोई नकारात्मक असर न पड़े।

कहा जा सकता है कि सरकार का यह कदम 'PSBs को बेचने' की दिशा में नहीं, बल्कि 'उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और पूंजी सशक्त बनाने' की दिशा में है। भारत की वित्तीय प्रणाली को अधिक आधुनिक व वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाएगी। परंतु इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि सरकार पारदर्शिता, नियामक संतुलन और सार्वजनिक हित के बीच सही संतुलन कैसे बनाए रखती है।

आमने सामने

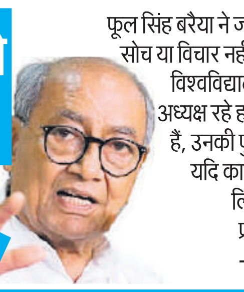

फूल सिंह बरैया ने जो बात कही, वह उनकी निजी सोच या विचार नहीं हैं। उन्होंने तो बिहार के एक विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष रहे हरि मोहन झा, जो कि ब्राह्मण हैं, उनकी पुस्तक का उल्लेख किया था। यदि कार्रवाई करनी ही है, तो पुस्तक लिखने वाले पर करनी चाहिए। प्रकाशक पर कार्रवाई करिए।
– **दिग्विजय सिंह**, वरिष्ठ नेता

यदि बरैया के शब्द उनके निजी विचार नहीं थे, तो ऐसी घृणित और महिला–विरोधी बयान देने की आवश्यकता ही क्या थी? क्या किसी पुस्तक का हवाला देकर महिलाओं की गरिमा पर प्रहार उचित हो जाता है? क्या सार्वजनिक रूप से दिए गए बयान की जिम्मेदारी वक्ता की नहीं होती? यदि वे शब्द गलत थे, तो कांग्रेस ने उसी समय सार्वजनिक खंडन क्यों नहीं किया?
– **आशीष अग्रवाल**, भाजपा मीडिया प्रभारी, मप्र

ग्रीनलैंड विवाद और बदलती वैश्विक धुरी

प्रो. आरके जैन
बड़वानी (मप्र)

डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड को लेकर अपनाई गई आक्रामक नीति अब न सनक भर रह गई है और न ही चुनावी बयानबाजी तक सीमित है। यह 2026 की वैश्विक राजनीति का एक गंभीर और निर्णायक संकट बन चुकी है। जनवरी 2026 में ट्रंप के ऐलान किया कि 1 फरवरी 2026 से डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, नीदरलैंड्स और फिनलैंड (आठ नाटो देशों) के आयात पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगेगा, जो 1 जून 2026 से 25 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा, जब तक ग्रीनलैंड की 'पूर्ण और संपूर्ण खरीद' पर डील नहीं हो जाती। यह बयान उस सोच को उजागर करता है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय राजनीति को कूटनीति नहीं, बल्कि दबाव और सौदेबाजी का खेल माना जा रहा है।

ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप का यह रवैया नया नहीं है। 2019 में भी उन्होंने इसे एक "रियल एस्टेट डील" बताया था, जिसे उस समय मजाक या कूटनीतिक अपरिपक्वता कहकर टाल दिया गया, लेकिन सात साल बाद वही विचार एक अलग, अधिक संगठित और खतरनाक रूप में सामने आया है। अब इसे राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्कटिक क्षेत्र में चीन और रूस की बढ़ती मौजूदगी और दुर्लभ खनिजों पर नियंत्रण जैसे तर्कों से जोड़ा जा रहा है। यही कारण है कि यह मुद्दा अब केवल अमेरिका और डेनमार्क के बीच सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे नाटो और वैश्विक व्यवस्था के लिए चुनौती बन गया है। यूरोप की प्रतिक्रिया इस संकट की गंभीरता को रेखांकित करती है। डेनमार्क ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि ग्रीनलैंड बिक्री के लिए नहीं है, जबकि ग्रीनलैंड के लोग भी सड़कों पर उतरकर अपनी स्वायत्तता और पहचान की रक्षा कर रहे हैं। "कोई दबाव नहीं, कोई संकेत नहीं" जैसे बयान यह दर्शाते हैं कि स्थानीय नेतृत्व किसी भी सूरत में बाहरी दबाव स्वीकार करने को तैयार नहीं है। फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और अन्य यूरोपीय देशों ने भी एकजुट होकर ट्रंप की धमकी को अंतर्राष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के खिलाफ बताया है। यूरोप की सड़कों पर गूंजते "यांकी गो होम" जैसे नारे इस असंतोष की तीव्रता को उजागर करते हैं।

ट्रंप के तर्क अपनी जगह साफ हैं। आर्कटिक क्षेत्र में बर्फ पिघलने से नए समुद्री मार्ग खुल रहे हैं, जो वैश्विक व्यापार और सैन्य रणनीति दोनों के लिए अहम हैं। इसके अलावा, ग्रीनलैंड में लिथियम, कोबाल्ट और अन्य रेयर अर्थ एलिमेंट्स की भरपूर उपलब्धता है, जो भविष्य की तकनीक इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और नवीकरणीय ऊर्जा के लिए अनिवार्य मानी जाती है। ट्रंप का दावा है कि ग्रीनलैंड 'गोल्डन डोम' मिसाइल रक्षा प्रणाली के लिए रणनीतिक रूप से आवश्यक है, हालांकि विशेषज्ञों का मत है कि वर्तमान पिटुफिक अंतरिक्ष आधार और डेनमार्क के साथ हुए समझौतों के कारण अमेरिका को पहले से ही पर्याप्त पहुंच है तथा पूर्ण क्रय की जरूरत विवादित है। इन दलीलों के पीछे संसाधनों और प्रभुत्व की पुरानी लालसा ही काम कर रही है।

आर्थिक दृष्टि से यह प्रस्ताव कई गहरे सवाल खड़े करता है। ट्रंप की टीम ने ग्रीनलैंड की संभावित खरीद कीमत 700 बिलियन डॉलर तक बताई है, जिसमें खरीद के अलावा माइंस, इंफ्रास्ट्रक्चर और सब्सिडी के लिए सैकड़ों बिलियन अतिरिक्त खर्च शामिल हैं और लाभ 10-20 साल बाद दिख सकता है। जबकि विशेषज्ञों का आकलन है कि इससे किसी ठोस आर्थिक लाभ के संकेत कम से कम दो दशक बाद ही सामने आ सकते हैं। इसके बावजूद, टैरिफ जैसे आर्थिक हथियारों के जरिए सहयोगी देशों पर दबाव बनाना नाटो की मूल भावना और आपसी भरोसे के खिलाफ जाता है। यही कारण है कि इस कदम को केवल एक आक्रामक नीति नहीं, बल्कि गठबंधन की विश्वसनीयता पर सीधा खतरा माना जा रहा है। इस टकराव का प्रभाव यूरोप की सीमाओं तक सीमित नहीं रहने वाला है। वैश्विक सप्लाई चेन पहले ही दबाव में है और यदि ट्रंप की टैरिफ नीति से ट्रेड वॉर तेज होता है, तो इसके झटके पूरी दुनिया में महसूस किए जाएंगे। इसी बीच रूस और चीन आर्कटिक क्षेत्र में अपनी मौजूदगी लगातार बढ़ा रहे हैं और विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप की आक्रामक रणनीति अनजाने में उन्हें और रणनीतिक अवसर प्रदान कर सकती है। यह 'पावर पॉलिटिक्स' का नया चरण है, जहां आर्थिक दबाव को भू-राजनीतिक लक्ष्य हासिल करने के औजार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

भारत के लिए यह पूरा घटनाक्रम अप्रत्यक्ष होते हुए भी दूरगामी असर रखने वाला है। भारत आर्कटिक काउंसिल का ऑब्जर्वर है और जलवायु परिवर्तन के कारण इस क्षेत्र में उभरते संसाधनों और नए समुद्री मार्गों में उसकी दिलचस्पी स्वाभाविक है। ग्रीनलैंड के रेयर अर्थ मिनरल्स भारत की इलेक्ट्रिक वाहन नीति, बैटरी निर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों के लिए बेहद अहम हैं। यदि अमेरिका इन संसाधनों पर नियंत्रण स्थापित करता है, तो भारत के लिए अमेरिका के साथ रणनीतिक सहयोग के नए रास्ते खुल सकते हैं, विशेषकर क्वाड और इंडो-पैसिफिक ढांचे के अंतर्गत।

फिर भी, जोखिम को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ट्रंप की टैरिफ नीति का असर भारत पहले भी महसूस कर चुका है। भारत के लिए यह दौर सतर्कता, दूरदर्शिता और स्मार्ट डिप्लोमेसी की मांग करता है। 2026 में दुनिया एक नाजुक मोड़ पर खड़ी है, जहां लिया गया एक फैसला पूरी वैश्विक राजनीति की दिशा बदल सकता है। यदि भारत इस परिवर्तन को समझदारी से संभालता है, तो वह न केवल चुनौतियों से उबर पाएगा, बल्कि एक सशक्त वैश्विक शक्ति के रूप में और मजबूती से उभरेगा।

भारत के लिए यह पूरा घटनाक्रम अप्रत्यक्ष होते हुए भी दूरगामी असर रखने वाला है। भारत आर्कटिक काउंसिल का ऑब्जर्वर है और जलवायु परिवर्तन के कारण इस क्षेत्र में उभरते संसाधनों और नए समुद्री मार्गों में उसकी दिलचस्पी स्वाभाविक है।

सोशल फोरम

आनंद भवन: जहां सुरक्षित है नेहरू की मूल वंशावली

पिछले 10-12 सालों से वास्तविकता के नाम पर आधुनिक इतिहास की भांति-भांति की शिक्षा हमें दी जा रही है। भ्रमित समाज के लिए इनमें सबसे रोचक जवाहर लाल नेहरू की 'आधुनिक वंशावली' लगती है, जिसे देखकर चौंकते तो सभी हैं, परंतु ऐसे

विजय सिंह
रुद्रपुर, उत्तराखंड

बहुत सारे लोग हैं, जिन्हें उसकी सच्चाई को लेकर रत्ती भर भी संदेह नही। फिर भी छद्म इतिहासकार, शंका का बीजारोपण करने में सफल होते दिखाई देते हैं। इस आधुनिक वंशावली में पंडित नेहरू को 'मुस्लिम' सिद्ध करने का प्रयास किया गया है। यद्यपि 'फैक्ट-चेक' करने वालों ने इस आधुनिक वंशावली को सिरे से नकार दिया है, परंतु वो दुष्प्रचार की ताकत ही क्या, जो शंका के बीज ना बो सके। ये है आज की सोशल मीडिया का करिश्मा। इस यूनिवर्सिटी से ज्ञान अर्जित करके लोग महाज्ञानी बन गए हैं और समाज में धड़ल्ले से ज्ञान बांटते दिख जाते हैं।

नेहरू परिवार की सच्चाई यह है कि जवाहर लाल नेहरू के पिता मोतीलाल नेहरू जी के दादा जी 'राजनरायन कौल' को 1713 में एक 'संस्था' ने कश्मीर से उत्तर प्रदेश बुलाया था। कश्मीरी पंडित राजनरायन कौल फारसी व संस्कृत के विद्वान थे, जिसकी वजह से संस्था को उनकी जरूरत महसूस हुई थी। राजनरायन कौल के तीन पुत्र थे, साहिब राम, टीका राम और मानिस राम। मानिस राम के पुत्र गंगाधर नेहरू (जवाहर लाल के दादा)। गंगाधर नेहरू के पुत्र मोतीलाल नेहरू (जवाहर लाल के पिता)। मोती लाल नेहरू के दो और भाई थे, नंदलाल और वंशीधर। जवाहर लाल नेहरू की दो बहनें भी थीं, विजयलक्ष्मी और कृष्णा कुमारी। उसके बाद की वंशावली तो सभी लोग के स्मरण में ताजी ही होगी। इंदिरा गांधी से होते हुए, राजीव गांधी व संजय गांधी और फिर राहुल गांधी व प्रियंका गांधी तक। इससे पहले कि आनंद भवन की दीवार पर लटके, मूल वंशावली को हटाकर कहीं आधुनिक वंशावली न लटका दिया जाए, यदि किसी को प्रयागराज जाने का अवसर मिलता है, उन्हें जवाहर लाल नेहरू के पैतृक निवास स्थल 'आनंद भवन' जाकर, जो वर्तमान में नेहरु जी व गांधीजी की स्मृतियों को संजोए, एक भव्य संग्रहालय में तब्दील हो चुका है, नेहरू परिवार की मूल वंशावली का भी अवलोकन जरूर करना चाहिए। प्रसंगवश याद दिला दें कि जवाहरलाल नेहरू का पैतृक निवास 'आनंद भवन' को उनके परिवार ने सरकार को दान कर दिया था। उस समय इस ऐतिहासिक भवन की कीमत लगभग 200 करोड़ आंकी गई थी और आज जिसकी कीमत लगभग 49,000 करोड़ बताई जाती है।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

अर्थव्यवस्था को जाली करेंसी से पहुंचती चोट

देश में जाली नोटों का कारोबार कई राज्यों में फैला हुआ है। इनमें कुछ नकली करेंसी विदेशों से आ रही है, तो कुछ भारत में ही तैयार की जा रही है। पहले तक पांच सौ, हजार और सौ रुपये के नकली नोट ही बड़ी समस्या बने हुए थे, लेकिन अब पचास, बीस और दस रुपये के नकली नोटों का भी धड़ल्ले से चलन हो रहा है। कारोबारी, पुलिस और सौदागर इन छोटे मूल्यवर्ग के नकली नोटों को ग्रामीण बाजारों में आसानी से खपा देते हैं, जिससे आम लोगों को नुकसान उठाना पड़ता है। बीते कुछ समय में देश के अलग-अलग हिस्सों से नकली नोटों के कई मामले सामने आए हैं। 18 जनवरी को उत्तर प्रदेश के सीतापुर में पुलिस ने एक महिला सहित दो आरोपियों को

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

लगभग एक लाख रुपये के नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया। 1 जनवरी को हरियाणा के फरीदाबाद में नकली नोट बनाकर बाजार में चलाने के आरोप में दो युवक पकड़े गए। 17 जनवरी को महाराष्ट्र के यवतमाल जिले में एक बड़े जाली नोट नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ। इसी तरह बांदा, सूरत और भोपाल जैसे शहरों में भी नकली नोटों के रैकेट सामने आए हैं, जो इस समस्या की गंभीरता को दर्शाते हैं। हालांकि भारत डिजिटल लेनदेन के मामले में अग्रणी देशों में शामिल है और दुनिया के लगभग आधे रियल टाइम डिजिटल भुगतान भारत में होते हैं, फिर भी नकली करेंसी की मौजूदगी चिंता का विषय बनी हुई है। नकली नोटों का बढ़ता नेटवर्क देश की बैंकिंग सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है। हाल ही में दिल्ली पुलिस ने 18 सरकारी और निजी बैंकों की शिकायत पर मामला दर्ज किया, जिसमें करीब 11 हजार नकली नोट जमा होने की बात सामने आई। यह स्थिति देश की वित्तीय व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है।

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में नकली नोट पकड़े जाने के मामलों में तेजी आई है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, 500 रुपये के नकली नोटों की संख्या में 2019 से 2023 के बीच 317 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आरबीआई के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में 500 रुपये के 1.18 लाख नकली नोट पाए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37 प्रतिशत अधिक हैं। यह संकेत देता है कि असामाजिक और राष्ट्रविरोधी तत्व लगातार नए तरीके अपनाकर इस चुनौती को जटिल बना रहे हैं। नोटबंदी का उद्देश्य नकली नोटों और काले धन पर रोक लगाना था, लेकिन मौजूदा आंकड़े इसकी सीमित प्रभावशीलता की ओर इशारा करते हैं। हालांकि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देकर सरकार ने नकदी पर निर्भरता कम करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म ने लेनदेन को सरल और पारदर्शी बनाया है, फिर भी डिजिटल साक्षरता की कमी और नकदी पर निर्भरता इस समस्या को बढ़ावा देती है। नकली नोटों के प्रसार में जागरूकता की कमी सबसे बड़ी बाधा है, खासकर ग्रामीण इलाकों में। तकनीक की मदद से जालसाज हूबहू असली जैसे नोट तैयार कर रहे हैं, जिससे पहचान करना मुश्किल हो गया है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि नकली नोट न केवल अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि आम जनता के विश्वास को भी कमजोर करते हैं। इससे निपटने के लिए तकनीकी सशक्तिकरण, कड़ी निगरानी और व्यापक जागरूकता अभियान बेहद जरूरी हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

वसंत पंचमी भारतीय संस्कृति में बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाने वाला त्योहार है, जिसमें हमारी परंपरा, भौगोलिक परिवर्तन, सामाजिक कार्य तथा आध्यात्मिक पक्ष सभी का सम्मिश्रण है। हिन्दू पंचांग के अनुसार माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को वसंत पंचमी का त्योहार मनाया जाता है। वास्तव में भारतीय गणना के अनुसार वर्ष भर में पड़ने वाली छह ऋतुओं में वसंत को ऋतुराज अर्थात सभी ऋतुओं का राजा माना गया है और वसंत पंचमी के दिन को वसंत ऋतु का आगमन माना जाता है, इसलिए वसंत पंचमी ऋतु परिवर्तन का दिन भी है, जिस दिन से प्राकृतिक सौंदर्य निखारना शुरू हो जाता है। पेड़ों पर नई पत्तिया कोपलें और कालिया खिलना शुरू हो जाती हैं, पूरी प्रकृति एक नवीन ऊर्जा से भर उठती है। साथ ही यह त्योहार मां सरस्वती की पूजा और ज्ञान, संगीत, कला एवं विद्या के प्रति समर्पण का प्रतीक है।

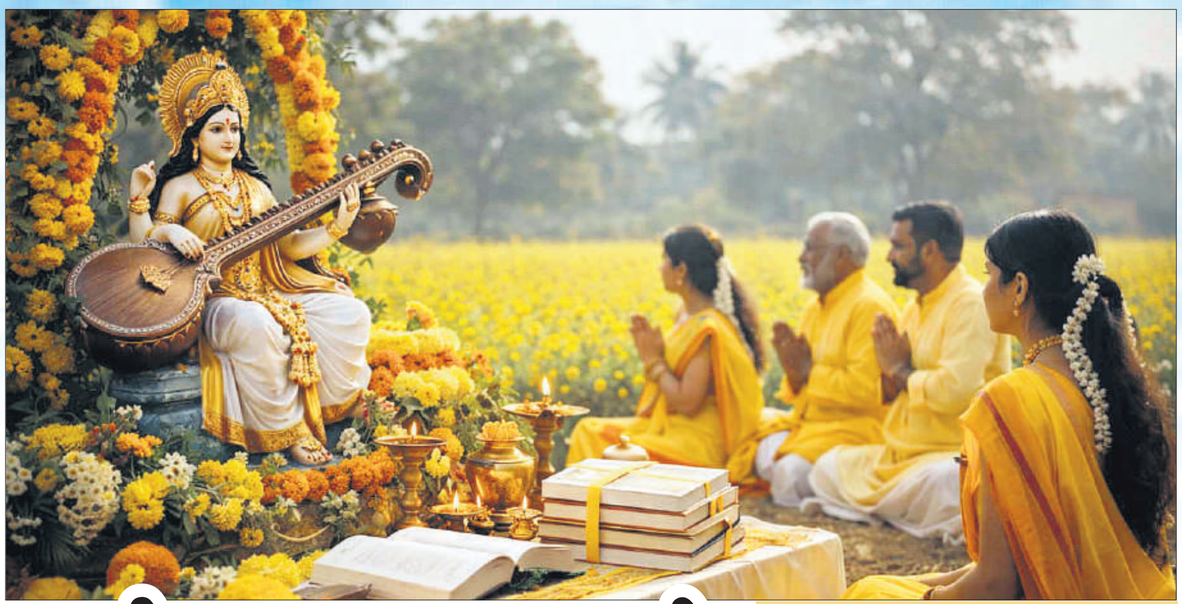

वसंत पंचमी

प्रकृति के नवोन्मेष और ज्ञान की आराधना का पर्व

डॉ. विपिन शर्मा
ज्योतिषाचार्य

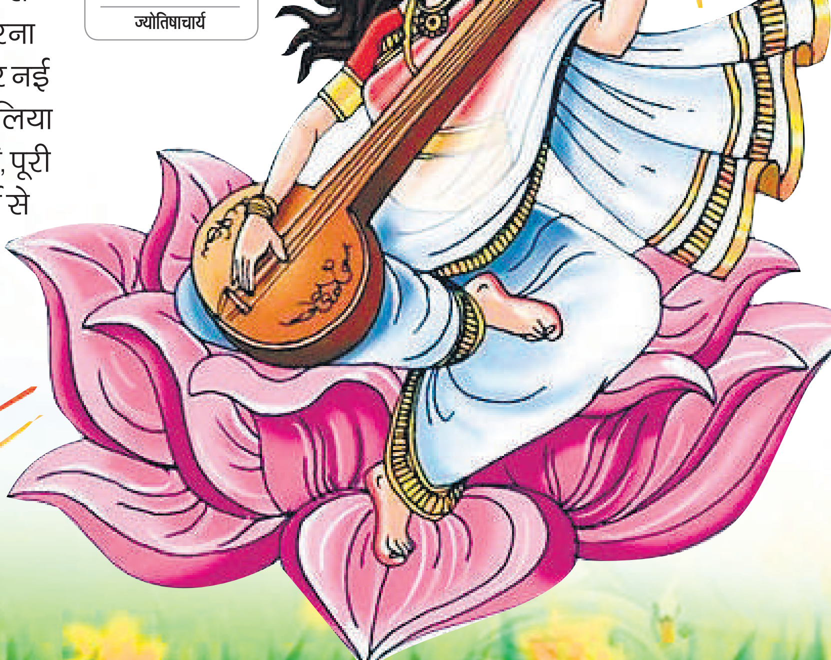

वसंत पंचमी को विशेष रूप से सरस्वती जयंती के रूप में मनाया जाता है। यह माता सरस्वती का प्राकट्योत्सव है, इसलिए इस दिन विशेष रूप से माता सरस्वती की पूजा उपासना कर उनसे विद्या बुद्धि प्राप्ति की कामना की जाती है। विद्यार्थियों के लिए वसंत पंचमी का त्योहार बहुत विशेष होता है। इस दिन पीले वस्त्र पहनने और खिचड़ी बनाने और बांटने की प्रथा भी प्रचलित है, तो इस दिन वसंत ऋतु के आगमन होने से कई स्थानों में आकाश में पतंगें उड़ाने की परंपरा भी दीर्घकाल से प्रचलन में है। वसंत पंचमी के दिन का एक और विशेष महत्व भी है। वसंत पंचमी को मुहूर्त शास्त्र के अनुसार एक स्वयं सिद्ध मुहूर्त और अनसूझ साया भी माना गया है अर्थात इस दिन कोई भी शुभ मंगल कार्य करने के लिए पंचांग शुद्धि की आवश्यकता नहीं होती। इस दिन नींव पूजन, गृह प्रवेश, वाहन खरीदना, व्यापार आरंभ करना, सगाई और विवाह आदि मंगल कार्य किए जा सकते हैं।

ज्ञान की देवी सरस्वती

माता सरस्वती को ज्ञान, संगीत, कला, विज्ञान और शिल्प-कला की देवी माना जाता है। भक्त लोग, ज्ञान प्राप्ति और सुस्ती, आलस्य एवं अज्ञानता से छुटकारा पाने के लिए, आज के दिन देवी सरस्वती की उपासना करते हैं। आज के दिन शिशुओं को पहला अक्षर लिखना सिखाने का भी विधान है। दूसरे शब्दों में वसंत पंचमी का दिन विद्या आरंभ करने के लिए काफी शुभ माना जाता है, इसीलिए माता-पिता आज के दिन शिशु को माता सरस्वती के आशीर्वाद के साथ विद्या आरंभ कराते हैं। सभी विद्यालयों में वसंत के दिन सुबह के समय माता सरस्वती की पूजा की जाती है।

शुभ कार्यों के लिए उपयुक्त दिन

वसंत पंचमी का दिन सनातन कैलेंडर में पंचमी तिथि को मनाया जाता है। जिस दिन पंचमी तिथि सूर्योदय और दोपहर के बीच में व्याप्त रहती है, उस दिन को सरस्वती पूजा के लिए उपयुक्त माना जाता है। सनातन कैलेंडर में सूर्योदय और दोपहर के मध्य के समय को पूर्वाह्न के नाम से जाना जाता है। ज्योतिष विद्या में पारंगत व्यक्तियों के अनुसार वसंत पंचमी का दिन सभी शुभ कार्यों के लिए उपयुक्त माना जाता है। इसी कारण से वसंत पंचमी का दिन अबूझ मुहूर्त के नाम से प्रसिद्ध है और नवीन कार्यों की शुरुआत के लिए उत्तम माना जाता है। वसंत पंचमी के दिन किसी भी समय सरस्वती पूजा की जा सकती है, परंतु पूर्वाह्न का समय पूजा के लिए श्रेष्ठ माना जाता है। सभी विद्यालयों और शिक्षा केन्द्रों में पूर्वाह्न के समय ही सरस्वती पूजा कर माता सरस्वती का आशीर्वाद ग्रहण किया जाता है।

वसंत पंचमी कथा

सृष्टि के प्रारंभिक काल में भगवान विष्णु की आज्ञा से ब्रह्मा ने जीवों, खासतौर पर मनुष्य योनि की रचना की। अपनी सर्जना से वे संतुष्ट नहीं थे। उन्हें लगता था कि कुछ कमी रह गई है, जिसके कारण चारों ओर मौन छाया रहता है। विष्णु से अनुमति लेकर ब्रह्मा ने अपने कमंडल से जल छिड़का, पृथ्वी पर जलकण बिखरते ही उसमें कंपन होने लगा। इसके बाद वृक्षों के बीच से एक अद्भुत शक्ति का प्राकट्य हुआ। यह प्राकट्य एक चतुर्भुजी सुंदर स्त्री का था, जिसके एक हाथ में वीणा तथा दूसरा हाथ वर मुद्रा में था। अन्य दोनों हाथों में पुस्तक एवं माला थी। ब्रह्मा ने देवी से वीणा बजाने का अनुरोध किया। जैसे ही देवी ने वीणा का मधुरनाद किया, संसार के समस्त जीव-जंतुओं को वाणी प्राप्त हो गई। जलधारा में कोलाहल व्याप्त हो गया। पवन चलने से सरसराहट होने लगी। तब ब्रह्मा ने उस देवी को वाणी की देवी सरस्वती कहा। सरस्वती को वागीशवरी, भगवती, शारदा, वीणावादनी और वाग्देवी सहित अनेक नामों से पूजा जाता है। ये विद्या और बुद्धि प्रदाता हैं। संगीत की उत्पत्ति करने के कारण ये संगीत की देवी भी हैं। वसंत पंचमी के दिन को इनके जन्मोत्सव के रूप में भी मनाते हैं। ऋग्वेद में भगवती सरस्वती का वर्णन करते हुए कहा गया है- प्रणो देवी सरस्वती वाजेभिर्वजिनीवती धीनामणित्रयवतु। अर्थात ये परम चेतना हैं। सरस्वती के रूप में ये हमारी बुद्धि, प्रज्ञा तथा मनोवृत्तियों की संरक्षिका हैं। हम में जो आचार और मेधा है, उसका आधार भगवती सरस्वती ही हैं। इनकी समृद्धि और स्वरूप का वैभव अद्भुत है। पुराणों के अनुसार श्रीकृष्ण ने सरस्वती से खुश होकर, उन्हें वरदान दिया था कि वसंत पंचमी के दिन तुम्हारी भी आराधना की जाएगी और यूं भारत के कई हिस्सों में वसंत पंचमी के दिन विद्या की देवी सरस्वती की भी पूजा होने लगी, जो कि आज तक जारी है।

पौराणिक कथा

कर्ण और धर्म का मौन उपदेश

महाभारत के विराट चरित्रों में कर्ण एक ऐसा नाम है, जो अपने त्याग और दानशीलता के कारण आज भी स्मरण किया जाता है। उन्हें दानवीर कहा गया, क्योंकि दान उनके लिए कोई विशेष कर्म नहीं, बल्कि जीवन की स्वाभाविक प्रवृत्ति थी। प्रतिदिन प्रातः स्नान कर सूर्यदेव को अर्घ्य देने के पश्चात कर्ण के द्वार पर जो भी याचक आता, वह निराश होकर कभी नहीं लौटता था। उनके लिए दान यश, पुण्य या प्रशंसा का साधन नहीं, बल्कि धर्म का सहज पालन था।

एक दिन देवताओं के राजा इंद्र, ब्राह्मण का वेश धारण कर कर्ण के पास पहुंचे। उन्होंने कर्ण से उनके जन्मजात कवच और कुंडल दान में मांग लिए। ये कवच-कुंडल कर्ण के शरीर का अभिन्न अंग थे और उन्हें युद्ध में अजेय बनाते थे। कर्ण समझ चुके थे कि यह याचना किसी साधारण उद्देश्य से नहीं की गई है। उन्हें यह भी ज्ञात था कि यह दान उन्हें मृत्यु के मार्ग पर ले जाएगा और इसका संबंध अर्जुन की रक्षा से है। फिर भी कर्ण के मन में कोई द्वंद्व नहीं उठा। उन्होंने एक क्षण का भी विलंब नहीं किया। न किसी शर्त की बात की, न किसी प्रतिफल की अपेक्षा रखी। अपने शरीर को चीरकर उन्होंने कवच और कुंडल दान कर दिए।

यह केवल शारीरिक त्याग नहीं था, बल्कि आत्मबल और धर्मनिष्ठा की चरम अभिव्यक्ति थी। कर्ण के लिए धर्म जीवन से बड़ा था। कर्ण के इस असाधारण त्याग से इंद्रदेव भी भावविभोर हो उठे। उन्होंने कर्ण को वरदान स्वरूप शक्ति अस्त्र प्रदान किया, जो एक बार प्रयोग करने पर शत्रु का निश्चित वध कर सकता था। जाते समय इंद्रदेव ने उनसे प्रश्न किया- “कर्ण, तुम जानते थे कि यह दान तुम्हारे प्राण ले सकता है, फिर भी तुमने इसे क्यों दिया?” कर्ण का उत्तर सरल, किंतु अत्यंत गहन था- “यदि धर्म किसी लाभ या भय से बंधा हो, तो वह धर्म नहीं रहता।”

यह प्रसंग हमें सिखाता है कि महाभारत में धर्म किसी पक्ष, विजय या पराजय से नहीं जुड़ा है। वह मनुष्य के आचरण, कर्तव्य और त्याग से प्रकट होता है। कर्ण का जीवन इस सत्य का मौन उपदेश है कि परिस्थितियां चाहे जैसी हों, धर्म का मार्ग आत्मा की आवाज से तय होता है।

बोधकथा

सेवा बिना साधना अधूरी

एक बार संत ज्ञानेश्वर महाराज प्रातः काल नदी तट पर भ्रमण के लिए निकले। नदी के पास उन्होंने देखा कि एक बालक पानी में गोते लगा रहा है। कुछ दूरी पर एक संन्यासी आंखें मूंदे ध्यानमग्न बैठा था। तभी अचानक वह बालक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए ज्ञानेश्वर महाराज तुरंत नदी में कूद पड़े और बालक को सुरक्षित बाहर निकाल लाए।

इसके पश्चात उन्होंने संन्यासी को पुकारा। संन्यासी ने आंखें खोलीं तो ज्ञानेश्वर महाराज ने उससे पूछा- “क्या तुम्हारा ध्यान लगता है?”

संन्यासी ने उत्तर दिया- “नहीं महाराज, मन बार-बार भटक जाता है।” ज्ञानेश्वर महाराज ने पुनः प्रश्न किया- “जब बालक डूब रहा था, तब क्या तुमने उसे देखा नहीं?” संन्यासी बोला- “देखा तो था, पर मैं ध्यान में बैठा था।” यह सुनकर ज्ञानेश्वर महाराज ने करुण भाव से कहा- “ऐसे ध्यान से सिद्धि कैसे मिलेगी? प्रभु ने तुम्हें सेवा का अवसर दिया था और सेवा ही तुम्हारा प्रथम कर्तव्य था। यदि तुम उस कर्तव्य का पालन करते, तो तुम्हारा ध्यान स्वतः स्थिर हो जाता। प्रभु की सृष्टि उनका बगीचा है। यदि बगीचा उजड़ रहा हो और हम केवल उसकी सुंदरता का ध्यान करें, तो यह भक्ति नहीं, उपेक्षा है। बगीचे का आनंद लेना है, तो उसे संवारना भी सीखना होगा।”

यह प्रसंग आज के समय में और अधिक प्रासंगिक हो उठता है। यदि हमारा पड़ोसी भूखा सो रहा है और हम पूजा-पाठ में लीन हैं, तो यह मान लेना कि हम कोई पुण्य कार्य कर रहे हैं, आत्मवंचना है। वह भूखा व्यक्ति भी उसी ईश्वर की प्रतिछवि है, जिसे हम मंदिरों में खोजते हैं। भूखे को अन्न, दुखी को सहारा और असहाय को सहायता देना भी उतना ही बड़ा धर्म है, जितना मंत्र-जप या आरती। ईश्वर ने केवल पूजा के लिए नहीं, बल्कि सेवा के लिए भी मनुष्य को संवेदना दी है। किसी भी जीव, प्रकृति या समाज की उपेक्षा कर की गई भक्ति प्रभु को प्रसन्न नहीं कर सकती। सच्ची साधना वही है, जिसमें मनुष्य अपने कर्म से ईश्वर की सृष्टि को संवारने का प्रयास करे। सेवा से जुड़ी साधना ही आत्मिक शांति का मार्ग प्रशस्त करती है।

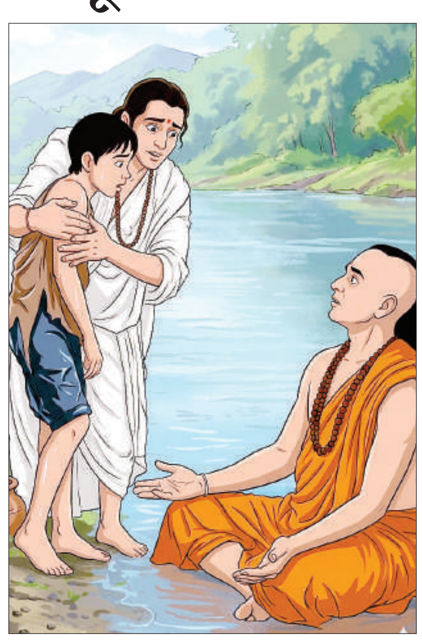

महत्वपूर्ण व्रत

रथ सप्तमी

- 25 जनवरी, रविवार 2026
- स्नान मुहूर्त – सुबह 05 :26 से 07 :13
- अवधि – 01 घंटा 47 मिनट
- अरुणोदय – 06 :48
- अवलोकनीय सूर्योदय – 07 :13

सप्तमी तिथि भगवान सूर्य को समर्पित है। मान्यताओं के अनुसार, भगवान सूर्य देव ने रथ सप्तमी के दिन से समस्त संसार को प्रकाशित करना प्रारंभ किया था, जिसे भगवान सूर्य का जन्म दिवस माना जाता था।

पूजा विधि : सुबह स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें। तांबे के पात्र में जल, रोली, अक्षत और लाल फूल लें। इसके बाद सूर्य देव के मंत्रों का जप करते हुए जल उनको अर्घ्य दें, तत्पश्चात आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें। सूर्य चालीसा पढ़ें। पूजा संपन्न करने के बाद अंत में गरीबों को दान दें।

पुरुषार्थ : मानव जीवन का मूल्याधारित लक्ष्य-संधान

यह धरा कर्मभूमि के नाम से जानी जाती है, जहां मनुष्य और पशु दोनों साथ-साथ विचरण करते हुए अपने-अपने प्रयोजनों की पूर्ति के लिए कर्म करते हैं, परंतु इन दोनों के कर्म में एक मौलिक अंतर है। पशु का कर्म स्वाभाविक, प्रवृत्तिजन्य और विवेकहीन होता है, जो जीवन-रक्षा और क्षुधा-पूर्ति तक सीमित रहता है, जबकि मनुष्य का कर्म विवेकयुक्त, मूल्याधारित और लक्ष्यपरक होता है। यही विवेकसम्मत कर्म पुरुषार्थ कहलाता है।

पुरुषार्थ का सामान्य अर्थ है, अपने उद्देश्य या अपेक्षा की पूर्ति हेतु किया गया सचेत प्रयास। पशु भी कर्म करता है, परंतु उसका कर्म जैविक आवश्यकताओं से आगे नहीं बढ़ता। इसके विपरीत मनुष्य का पुरुषार्थ उसकी जिजीविषा, चेतना और आत्मिक उत्कर्ष का प्रतीक है। मानव द्वारा किया गया पुरुषार्थ लौकिक और अलौकिक, भौतिक और आध्यात्मिक, नैतिक और धार्मिक सभी आयामों को समाहित करता है। इसी कारण उसका मूल्यांकन भी नैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्तर पर किया जा सकता है।

डॉ. रज्जन कुमार
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

भारतीय दर्शन में पुरुषार्थ को मानव जीवन का मूल लक्ष्य माना गया है। 'पुरुषार्थ' शब्द का अर्थ है- “पुरुष का उद्देश्य” अथवा “मानव का लक्ष्य”। शास्त्रों में मानव जीवन के चार प्रमुख पुरुषार्थ बताए गए हैं-धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष, जिन्हें 'चतुर्वर्ग' भी कहा जाता है। ये चारों मिलकर मानव जीवन को संतुलित, मर्यादित और सार्थक बनाने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। मानव पुरुषार्थ विवेकहीन या लक्ष्यविहीन प्रयास नहीं, बल्कि जीवन को श्रेष्ठ दिशा देने वाला सचेत उपक्रम है।

मनुष्य शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा चारों की संतुष्टि के लिए जो प्रयास करता है, वही पुरुषार्थ है। इन चार पुरुषार्थों में मोक्ष को अंतिम लक्ष्य माना गया है, जबकि धर्म, अर्थ और काम उसके साधन हैं। इनका संतुलित समन्वय ही पूर्ण मानव जीवन का आदर्श प्रस्तुत करता है।

धर्म चारों पुरुषार्थों का नियामक सिद्धांत है। धर्म वह मूल्य-सिद्धांत है, जो जीवन, समाज और सृष्टि के संतुलन को बनाए रखता है। इसका आशय नैतिक कर्तव्य, सदाचार, पवित्रता, स्वभाव और उचित आचरण से है। मनुस्मृति में धर्म के दस लक्षण बताए गए हैं-क्षमा, दम, अस्तेय, शौच, इंद्रिय-निग्रह, विद्या, ज्ञान, सत्य और क्रोध पर नियंत्रण। धर्म मनुष्य में अच्छे-बुरे का विवेक जगाता है और कर्मफल के सिद्धांत को स्वीकार करता है। लोकमान्यता है कि पुण्य कर्म मृत्यु के बाद भी मनुष्य का साथ देते हैं।

अर्थ दूसरा प्रमुख पुरुषार्थ है, जिसका संबंध भौतिक साधनों और आवश्यकताओं की पूर्ति से है। अर्थ का अर्थ केवल धन या संपत्ति नहीं, बल्कि वे सभी साधन हैं, जो जीवन-निर्वाह और सामाजिक दायित्वों की पूर्ति में सहायक हों। पंचमहायज्ञ, दान, अतिथि-सत्कार, संतान-पालन और समाज-कल्याण जैसे कार्यों के लिए अर्थ आवश्यक है। गृहस्थ आश्रम में अर्थ अर्जन पर विशेष बल दिया गया है, परंतु शास्त्र यह भी कहते हैं कि धन का अर्जन नैतिक और धार्मिक मर्यादाओं के भीतर होना चाहिए। आवश्यकता से अधिक धन को व्यक्ति अपना निजी स्वामित्व न मानकर समाज की अमानत समझे, यही अर्थ का आदर्श स्वरूप है।

काम तीसरा पुरुषार्थ है, जिसे प्रायः केवल भोग या यौन-इच्छा से जोड़ दिया जाता है, जबकि इसका अर्थ कहीं व्यापक है। काम मनुष्य की सभी इच्छाओं, अभिलाषाओं, भावनाओं और सौंदर्यबोध का प्रतिनिधित्व करता है। यह जीवन के आनंद का प्रतीक है-शारीरिक, मानसिक और रचनात्मक सभी स्तरों पर। साहित्य, संगीत, कला, नृत्य और प्रेम ये सभी काम के ही विस्तार हैं। काम व्यक्ति को मानसिक संतुलन प्रदान करता है और गृहस्थ जीवन में समाज की निरंतरता बनाए रखने में सहायक होता है। इच्छाओं की संतुष्टि के बाद ही व्यक्ति उनमें विरक्ति प्राप्त कर मोक्ष की ओर अग्रसर होता है। मोक्ष चौथा और अंतिम पुरुषार्थ है। धर्म, अर्थ और काम के समन्वय से जब व्यक्ति आत्म-ज्ञान प्राप्त करता है और अज्ञान के बंधनों से मुक्त हो जाता है, तब मोक्ष की अवस्था आती है। मोक्ष का अर्थ जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्ति और आत्मा का परम सत्य से एकाकार होना है। यह अवस्था स्थायी आनंद, शांति और पूर्णता की अनुभूति कराती है।

शास्त्रों के अनुसार मोक्ष की प्राप्ति के तीन मार्ग हैं- कर्मयोग, ज्ञानयोग और भक्तियोग। कर्मयोग निष्काम कर्म पर बल देता है, ज्ञानयोग आत्म-बोध और विवेक पर आधारित है और भक्तियोग प्रेम, श्रद्धा और समर्पण के माध्यम से ईश्वर की प्राप्ति का मार्ग दिखाता है। इनमें भक्तियोग को सर्वसुलभ और सरल माना गया है, जबकि ज्ञानयोग कठिन और कर्मयोग जीवन को परिष्कृत करते हुए भक्ति की ओर ले जाता है। पुरुषार्थ का महत्व इस बात में निहित है कि यह स्वार्थ और परमार्थ के बीच संतुलन स्थापित करता है। यह मनुष्य को न केवल व्यक्तिगत विकास की ओर ले जाता है, बल्कि सामाजिक और नैतिक उत्तरदायित्वों का बोध भी कराता है। धर्म जीवन को अनुशासित करता है, अर्थ आवश्यकताओं की पूर्ति करता है, काम जीवन में आनंद भरता है और मोक्ष जीवन को परम लक्ष्य प्रदान करता है। इस प्रकार पुरुषार्थ मानव जीवन की वह सार्थक शक्ति है, जो सांसारिक सुखों के बीच भी धर्म के पालन द्वारा मोक्ष प्राप्ति का मार्ग दिखाती है। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का संतुलित समन्वय ही मानव जीवन को पूर्ण, मूल्ययुक्त और अर्थवान बनाता है।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	83,246.18	25,585.50
गिरावट	324.17	108.85
प्रतिशत में	0.39	0.42

सोना 1,48,100 प्रति 10 ग्राम

चांदी 3,02,600 प्रति किलो

न्यूज ब्रीफ

चीन की आर्थिक वृद्धि दर 2025 में 5% पर

बीजिंग। चीन की अर्थव्यवस्था अमेरिकी शुल्क के बावजूद मजबूत निर्यात के दम पर 2025 में 5% बढ़कर 2001 अरब डॉलर पहुंच गई। वहीं इसकी सबसे बड़ी कमजोरी घरेलू खपत सुस्त बनी रही। चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 2025 में चीन के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वार्षिक आधार पर 5% की वृद्धि दर्ज की गई। यह देश के 5% के वार्षिक लक्ष्य के अनुरूप है। एनबीएस के अनुसार, जीडीपी 2001 अरब डॉलर (140,187.9 अरब युआन) के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। घरेलू चुनौतियों की श्रृंखला से अंतिम तिमाही में वृद्धि दर तीन साल के निचले स्तर 4.5% पर आ गई।

डीजीसीए ने इंडिगो पर की मामूली कार्रवाई

मुंबई। पायलट संगठन एफआईपी ने बड़े पैमाने पर उड़ानें बाधित होने के मामले में इंडिगो पर विमानन नियामक डीजीसीए द्वारा लगाए 22.20 करोड़ जुर्माने को मामूली करार देते हुए सोमवार को इसकी कड़ी आलोचना की। भारतीय पायलट महासंघ (एफआईपी) ने कहा कि यात्रियों और विमानों की सुरक्षा से किसी भी सूरत में समझौता नहीं किया जा सकता है। उसने उड़ानों को रद्द करने की अवधि पर डीजीसीए की जांच को लेकर भी सवाल उठाए। डीजीसीए ने शनिवार को विस्तृत जांच के बाद दिसंबर के शुरुआती दिनों में हजारों उड़ानें रद्द करने के लिए इंडिगो पर कुल 22.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था।

बीसीसीएल सूचीबद्धता के दिन 77% उछला

नई दिल्ली। भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) अपनी बाजार सूचीबद्धता के दिन निर्गम मूल्य से 77% की तगड़ी बढ़त के साथ बंद हुआ। बीएसई पर शेयर 45.21 रुपये के भाव पर सूचीबद्ध हुआ जो 23 रुपये के निर्गम मूल्य से 96.56% अधिक है। बाद में यह मुनाफावसूली से थोड़ा गिरकर 40.66 रुपये पर बंद हुआ। एनएसई पर यह शेयर निर्गम मूल्य से 95.65% की बढ़त के साथ 45 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कारोबार के अंत में यह 40.58 रुपये पर बंद हुआ। कोल इंडिया के स्वामित्व वाली बीसीसीएल का बाजार मूल्यांकन 18,935.36 करोड़ रुपये रहा। बीसीसीएल ने 1,071 करोड़ के आईपीओ के लिए 21-23 रुपये तय किया था।

दो लाख टन चावल मंगाएगा बांग्लादेश

कोलकाता। भारतीय चावल मिल संचालकों और निर्यातकों ने बांग्लादेश द्वारा निजी क्षेत्र को दो लाख टन उष्णा चावल के आयात की अनुमति का स्वागत किया है। मिल संचालकों ने कहा कि बांग्लादेश सरकार ने 232 निजी कंपनियों को 10 मार्च, 2026 तक चावल आयात करने की अनुमति दी है। यह बढ़िया और उष्णा किस्मों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के बीच घरेलू कीमतों को स्थिर करने के प्रयासों का हिस्सा है। यह आवंटन बांग्लादेश की आयात योजना के अतिरिक्त है। भारतीय चावल निर्यातक महासंघ (आईआरईएफ) के अध्यक्ष, प्रेम गर्ग ने कहा कि बांग्लादेश पारंपरिक रूप से भारतीय चावल का स्थिर खरीदार है।

डीओसी निर्यात में 40 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली। सोयाबीन डी-आयल्ड केक (डीओसी) के निर्यात में आई भारी गिरावट से दिसंबर में देश का डीओसी निर्यात सालाना आधार पर 3.98 लाख टन से 40 प्रतिशत घटकर 2.40 लाख टन रह गया। उद्योग संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने कहा कि सोयाबीन डीओसी का निर्यात दिसंबर में घटकर 1.14 लाख टन रह गया जो दिसंबर 2024 में 2.78 लाख टन था।

अनुमान : 7.3% रहेगी भारतीय वृद्धि दर

मुद्राकोष ने कहा- तीसरी तिमाही में आर्थिक प्रदर्शन, चौथी में मजबूत रफ्तार बनेगी आधार

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने सोमवार को भारतीय अर्थव्यवस्था के बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.3% कर दिया जो अक्टूबर में जारी अनुमान से 0.7% अंक अधिक है। वाशिंगटन स्थित बहुपक्षीय वित्तीय संस्था ने अपनी विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भी भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.4% कर दिया गया है, जो पहले 6.2% था।

आईएमएफ ने कहा कि भारत में 2025 (वित्त वर्ष 2025-26) के लिए वृद्धि अनुमान को 0.7% अंक बढ़ाकर 7.3% कर दिया गया है। इसका कारण तीसरी तिमाही में अपेक्षा से बेहतर आर्थिक प्रदर्शन और चौथी तिमाही में मजबूत रफ्तार है। मुद्राकोष ने कहा कि आने वाले समय में भारत की वृद्धि दर में कुछ नरमी आ सकती है। वित्त वर्ष 2026-27 और 2027-28 में भारत की वृद्धि दर 6.4% रहने का अनुमान है, क्योंकि चक्रीय एवं अस्थायी कारकों का प्रभाव धीरे-धीरे कम होगा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 8% रही। जुलाई-सितंबर तिमाही में यह वृद्धि 8.2% दर्ज की गई थी। सांख्यिकी मंत्रालय के पहले अग्रिम अनुमान के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के 7.4% की दर से बढ़ने की संभावना है। 2024-25 में वृद्धि दर 6.5% थी। मुद्रास्फीति के मोर्चे पर आईएमएफ ने कहा कि 2025 में खाद्य कीमतों में नरमी आने से महंगाई में उल्लेखनीय गिरावट आई है और आगे चलकर इसके निर्धारित लक्ष्य के करीब लौटने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति 2% घट-बढ़ के साथ 4% पर सीमित रखने का लक्ष्य मिला हुआ है।

विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट के अनुसार, 2026-27 में जीडीपी 6.4% रहने का लगाया अनुमान

वैश्विक अर्थव्यवस्था के वृद्धि को किया 3.3%

वाशिंगटन। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सोमवार को कहा कि आपूर्तिशृंखला के कारण से मजबूत वैश्विक अर्थव्यवस्था इस साल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की संरक्षणवादी व्यापार नीतियों के असर से बाहर निकल सकती है। आईएमएफ ने एक रिपोर्ट में कहा कि ऐसा कुछ हद तक उत्तरी अमेरिका और एशिया में कृत्रिम मेधा (एआई) में निवेश बढ़ाने से संभव होगा। इस बहुपक्षीय निकाय को उम्मीद है कि इस साल वैश्विक वृद्धि दर 3.3% रहेगी। यह आंकड़ा 2025 के समान ही है, लेकिन पिछले अक्टूबर में जारी 2026 के लिए 3.1% के अनुमान से अधिक है। आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गौरींचास और उनके सहयोगी टोबियास एड्रियन ने मुद्राकोष के 'विश्व आर्थिक परिदृश्य' पर रिपोर्ट के साथ जारी ब्लॉग पोस्ट में लिखा, अमेरिका के नेतृत्व वाले महत्वपूर्ण व्यापारिक व्यवधानों और बढ़ी हुई अनिश्चितता के बावजूद वैश्विक अर्थव्यवस्था उल्लेखनीय मजबूती दिखाना जारी रखे हुए है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था को 2001 के बाद से तकनीकी निवेश की सबसे तेज रफ्तार का लाभ मिल रहा है। इसके इस साल 2.4% की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो मुद्रा कोष के अक्टूबर के पूर्वानुमान और 2025 की अनुमानित वृद्धि दर (दोनों 2.1%) से अधिक है। इसमें अनुमान जताया गया है कि चीन की वृद्धि दर 4.5% रहेगी।

रिपोर्ट अनुसार, उत्तरी अमेरिका और एशिया में एआई में निवेश बढ़ाने से ऐसा होना संभव

विप्रो ने 250 चयनित युवाओं को काम पर नहीं रखा : एनआईटीईएस

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों की संस्था एनआईटीईएस ने सोमवार को श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को लिखित शिकायत दर्ज कर विप्रो लिमिटेड पर 250 से अधिक नव-चयनित कर्मचारियों को कई महीने बाद भी काम पर नहीं रखने का आरोप लगाया। इस संबंध में विप्रो से फिलहाल जवाब नहीं मिला है।

आईटी कर्मचारियों के निकाय ने कहा कि केंद्र सरकार से हस्तक्षेप करने और विप्रो से स्पष्ट जवाब मांगने का आग्रह किया गया है। कंपनी को सभी प्रभावित उम्मीदवारों को स्पष्ट लिखित जानकारी देनी चाहिए, चाहे वह नियुक्ति की तय तारीख की पुष्टि हो या कारण सहित समापन। एनआईटीईएस की शिकायत में कहा गया है कि प्रभावित उम्मीदवार विभिन्न राज्यों में विप्रो की तरफ से संचालित टर्बो और नेक्स्टजेन टैलेंट हायरिंग कार्यक्रम के तहत चयनित किए गए थे। इन उम्मीदवारों को मई, 2025 में चयन की पुष्टि करने वाले आशय पत्र जारी किए गए थे जिनमें पद, वेतन और नौकरी शुरू करने से संबंधित प्रक्रिया का विवरण था।

पांच लाख टन गेहूं के आटे का निर्यात करेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने पांच लाख टन गेहूं के आटे और उससे संबंधित उत्पादों के निर्यात की अनुमति दे दी है। निर्यात पर लगे प्रतिबंध में ये आंशिक ढील तीन साल के बाद दी गई है। केंद्र सरकार ने साल 2022 में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। भारत इस जिंस का प्रमुख उत्पादक देश है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अधिसूचना में कहा कि गेहूं के आटे और संबंधित उत्पादों का निर्यात प्रतिबंधित रहेगा। मौजूदा नीतिगत शर्तों के अतिरिक्त, पांच लाख टन तक गेहूं के आटे और संबंधित उत्पादों के निर्यात की अनुमति दी गई है। डीजीएफटी ने कहा कि जो आवेदक इस उत्पाद का निर्यात करना चाहते हैं, उन्हें महानिदेशालय से अनुमति लेनी होगी और इसके लिए आवेदन करना होगा। पहले चरण के तहत आवेदन 21 से 31 जनवरी, 2026 तक किए जा सकते हैं। इसके बाद जब तक निर्यात की निर्धारित मात्रा उपलब्ध रहेगी, तब तक हर महीने के अंतिम दस दिनों के दौरान आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। निर्यात का यह अधिकार जारी होने की तारीख से छह महीने के लिए वैध होगा। निर्यातक, आटा मिलें या प्रसंस्करण इकाइयां इसके लिए आवेदन कर सकती हैं, हालांकि उनके पास वैध आईईसी (आयात निर्यात कोड) और एफएसएसएआई (एफएसएसएआई) लाइसेंस होना चाहिए। निर्यात प्रसंस्करण इकाइयों और विशेष आर्थिक क्षेत्रों के अलावा, ऐसे व्यापारी निर्यातक भी आवेदन कर सकते हैं जिनके पास वैध आईईसी और एफएसएसएआई लाइसेंस है, साथ ही उनका सहायक विनिर्माताओं के रूप में काम करने वाली आटा मिलों के साथ वैध अनुबंध या आपूर्ति समझौता है।

तीन साल के बाद निर्यात पर लगे प्रतिबंध में दी गई आंशिक ढील

भारत 2030 तक बन जाएगा उच्च-मध्यम आय वाला देश

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत 2030 तक उच्च-मध्यम आय वाला देश बनकर चीन एवं इंडोनेशिया की कतार में शामिल हो जाएगा और यह 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर भी अग्रसर है। सोमवार को एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई।

विश्व बैंक प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) के आधार पर देशों का वर्गीकरण निम्न आय, निम्न-मध्यम आय, उच्च-मध्यम आय और उच्च आय वाले देशों के रूप में करता है। 1990 में विश्व बैंक के इस वर्गीकरण के तहत कुल 218 देशों में से 51 निम्न आय, 56 निम्न-मध्यम आय, 29 ऊपरी-मध्यम आय और 39 उच्च आय वाले देश थे। हालांकि 2024 में प्रकाशित नवीनतम वर्गीकरण के तहत 26 देश निम्न आय, 50 निम्न-मध्यम आय, 54 उच्च-मध्यम आय और 87 उच्च आय वाले देश थे। एसबीआई रिसर्च के अनुसार, भारत को आजादी के बाद निम्न-मध्यम आय वाले वर्गीकरण से बाहर निकलने में 60 साल लग गए। इसकी 1962 में प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय 90 डॉलर थी जो 2007 तक 910 डॉलर हो गई। इसके बाद भारत ने 2009 में प्रति व्यक्ति आय 1,000 डॉलर, 2019 में 2,000 डॉलर और 2026 तक 3,000 डॉलर प्रति व्यक्ति आय हासिल कर ''उच्च-मध्यम आय'' वाला देश बनने की दिशा में कदम रख दिया है।

एसबीआई रिसर्च

- चीन एवं इंडोनेशिया की कतार में होगा शामिल
- 2028 तक तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर

4 वर्षों में 4,000 डॉलर प्रति व्यक्ति होगी आय

भारत चार वर्षों में 2030 तक 4,000 डॉलर प्रति व्यक्ति आय हासिल करने की राह पर है जिससे वह उच्च-मध्यम आय वाला देश बन जाएगा और चीन एवं इंडोनेशिया के मौजूदा समूह का हिस्सा बन जाएगा। 2047 तक भारत को उच्च-आय वाला देश बनने के लिए प्रति व्यक्ति जीएनआई को 7.5% की वार्षिक चक्रवृद्धि दर से बढ़ाना होगा जो हासिल किया जा सकता है। 2001-2024 के दौरान यह दर 8.3% रही है। अगर उच्च आय देश बनने की सीमा 13,936 डॉलर से बदलकर 2047 तक 18,000 डॉलर प्रति व्यक्ति हो जाती है तो फिर भारत को उच्च आय वाला देश बनने के लिए उस समय तक प्रति व्यक्ति आय में सालाना 8.9% की दर से बढ़ोतरी करनी होगी।

2028 तक 5 लाख करोड़ डॉलर वाली अर्थव्यवस्था

एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट कहती है कि भारत 2028 तक पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है, 2035 तक यह 10 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था अब भी सबसे बड़ी है जबकि उसके बाद चीन का स्थान आता है। भारत 2028 तक जर्मनी को पछाड़कर तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत 1990 में दुनिया की 14वीं अर्थव्यवस्था था, 2025 में उसने चौथी अर्थव्यवस्था का तमगा पाया। भारत को अपने सुधारों के कार्यक्रम को जारी रखना चाहिए ताकि वह अतिरिक्त और तेजी से होने वाली आर्थिक वृद्धि हासिल कर सके, जो इसे उच्च-आय वाले देश की श्रेणी तक पहुंचाने के लिए जरूरी है।

डिजिटल ऋण मॉडल के तहत 52,300 करोड़ के एमएसएमई ऋण मंजूर

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि डिजिटल ऋण मूल्यांकन के तहत सार्वजनिक बैंकों ने 1 अप्रैल से 31 दिसंबर, 2025 के बीच 52,300 करोड़ के 3.96 लाख से ज्यादा एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) ऋण आवेदनों को मंजूरी दी है। सार्वजनिक बैंकों ने एमएसएमई के लिए डिजिटल गतिविधियों के रिकॉर्ड पर आधारित ऋण मूल्यांकन मॉडल की शुरुआत की थी।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह ऋण मूल्यांकन मॉडल उपलब्ध डिजिटल और सत्यापन योग्य डेटा का लाभ उठाता है। यह आवेदनों के लिए निष्पक्ष निर्णय प्रक्रिया से एमएसएमई ऋण मूल्यांकन को स्वचालित मार्ग तैयार करता है। ये मॉडल बैंक के मौजूदा ग्राहकों के साथ नए एमएसएमई उधारकर्ताओं के लिए मॉडल आधारित ऋण सीमा का आकलन करता है।

सपोर्ट और रेजिस्टेंस

एंट्री-एग्जिट पॉइंट में मददगार

शेयर बाजार और तकनीकी विश्लेषण में सपोर्ट और रेजिस्टेंस को सबसे बुनियादी लेकिन सबसे महत्वपूर्ण अवधारणाएं माना जाता है। जब कोई निवेशक या ट्रेडर चार्ट पैटर्न को समझने की कोशिश करता है, तो सपोर्ट और रेजिस्टेंस उसकी दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाते हैं। सपोर्ट वह स्तर होता है जहां कीमत गिरते-गिरते रुक जाती है, जबकि रेजिस्टेंस वह स्तर है जहां कीमत बढ़ते-बढ़ते अटक जाती है। ये स्तर बाजार में मांग और आपूर्ति के संतुलन को दर्शाते हैं। लगभग हर चार्ट पैटर्न, चाहे वह ब्रेकआउट हो, रिवर्सल हो या कंटिन्यूएशन, सपोर्ट और रेजिस्टेंस के इर्द-गिर्द ही बनता है।

सपोर्ट का महत्व

सपोर्ट वह मूल्य स्तर होता है जहां किसी शेयर या इंडेक्स की कीमत बार-बार गिरने के बाद रुक जाती है। इसका मुख्य कारण यह है कि उस स्तर पर खरीदारों की संख्या बढ़ जाती है। चार्ट पैटर्न में सपोर्ट एक मजबूत आधार की तरह काम करता है। ● डबल बॉटम, राउंड बॉटम जैसे पैटर्न सपोर्ट के आसपास बनते हैं। ● यदि सपोर्ट टूटता है, तो तेज गिरावट की संभावना बढ़ जाती है।

रेजिस्टेंस की जरूरत

रेजिस्टेंस वह स्तर होता है जहां कीमत ऊपर जाने में कठिनाई महसूस करती है। इस स्तर पर बिकवाली का दबाव बढ़ जाता है। ● डबल टॉप, हेड एंड शोल्डर जैसे पैटर्न रेजिस्टेंस के पास बनते हैं। ● रेजिस्टेंस के टूटने पर मजबूत तेजी (ब्रेकआउट) देखने को मिलती है।

अधिक सटीक और सुरक्षित

चार्ट पैटर्न को सही तरीके से समझने के लिए सपोर्ट और रेजिस्टेंस की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ये स्तर बाजार की मानसिकता को दर्शाते हैं और सही विश्लेषण के साथ ट्रेडर को बेहतर निर्णय लेने में मदद करते हैं। यदि चार्ट पैटर्न के साथ सपोर्ट और रेजिस्टेंस को जोड़ा जाए, तो ट्रेडिंग अधिक सटीक और सुरक्षित बन सकती है।

सपोर्ट-रेजिस्टेंस का संबंध

- ट्रायंगल पैटर्न : में सपोर्ट और रेजिस्टेंस सिकुड़ते जाते हैं।
- फ्लैग और पेनेंट : में पुराने रेजिस्टेंस के ऊपर ब्रेकआउट होता है। ● ब्रेकआउट ट्रेडिंग : में रेजिस्टेंस सबसे अहम स्तर होता है।

रोल रिवर्सल

जब कोई रेजिस्टेंस टूटता है, तो वही आगे चलकर सपोर्ट बन सकता है। टूटा सपोर्ट बाद में रेजिस्टेंस का काम करता है। इसे रोल रिवर्सल कहा जाता है और यह ट्रेडिंग में उपयोगी सिद्धांत है।

ट्रेडिंग निर्णय में उपयोग

- एंट्री और एग्जिट तय करता है। ● स्टॉप लॉस लगाता है।
- जोखिम और मुनाफे का अनुपात समझाता है

जीडीपी वृद्धि से आय को सहारा बीमा की बढ़ेगी मांग : मूडीज

नई दिल्ली, एजेंसी

उद्योग की कमजोर लाभप्रदता में सुधार आने की उम्मीद

रेटिंग एजेंसी मूडीज ने चालू वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि दर के 7.3% रहने का अनुमान लगाया, जिससे मजबूत आर्थिक विस्तार से औसत घरेलू आय को समर्थन मिलेगा और बीमा मांग मजबूत होगी। भारत के बीमा क्षेत्र पर जारी रिपोर्ट में मूडीज ने कहा कि उद्योग को प्रीमियम में निरंतर वृद्धि का लाभ मिलने की संभावना है जो मजबूत आर्थिक विस्तार, डिजिटलीकरण, कर बदलावों और सरकारी बीमा क्षेत्र में सुधारों से प्रेरित होगी। इससे उद्योग की वर्तमान में कमजोर लाभप्रदता में सुधार आने की उम्मीद है।

मूडीज ने कहा कि 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.3% की दर से बढ़ेगी, जो गत वर्ष के 6.5% से अधिक है। इससे औसत आय में वृद्धि होगी और बीमा की मांग को समर्थन मिलेगा। 2024-25 में प्रति व्यक्ति जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) सालाना आधार पर 8.2% बढ़कर 11,176 अमेरिकी डॉलर रही जबकि कुल जीडीपी वृद्धि 6.5% थी। भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि से 2025-26 के पहले आठ महीनों में कुल बीमा प्रीमियम आय 17% बढ़कर 10.9 लाख करोड़ रुपये हो गई। स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में 14% और जीवन बीमा के नए कारोबार के प्रीमियम में 26% की वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में तेज रही जब कुल प्रीमियम 7% बढ़कर 11.9 लाख करोड़ रुपये रहा।

भारत को पुनर्बीमा का वैश्विक केंद्र बनाने में आईएफएससीए की भूमिका : नागराजू

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने सोमवार को कहा कि अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) भारत को वैश्विक पुनर्बीमा केंद्र बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभा रहा है और भारतीय बीमाकर्ताओं एवं पुनर्बीमाकर्ताओं को गिफ्ट सिटी के जरिये वैश्विक अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। नागराजू ने मुंबई में आईएफएससी आईआरडीएआई गिफ्ट सिटी वैश्विक पुनर्बीमा शिखर सम्मेलन में यह बात कही।

नागराजू ने कहा कि भारत का पुनर्बीमा क्षेत्र रूपांतरकारी वृद्धि के दौर में है और यह देश की समग्र आर्थिक आकांक्षाओं को मजबूती प्रदान करेगा। बीमा एवं पुनर्बीमा क्षेत्र भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में मजबूत भूमिका निभाने में मददगार हैं क्योंकि ये जोखिम प्रबंधन के साथ दीर्घकालिक पूंजी भी उपलब्ध कराते हैं। वित्तीय सेवा सचिव ने स्विस री की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि 2024 में भारत कुल प्रीमियम मात्रा के आधार पर दुनिया का 10वां सबसे बड़ा बीमा बाजार बना रहा और उसकी वैश्विक हिस्सेदारी 1.8% रही। देश की 3.7% जनसंख्या ही बीमा दायरे में है, जिसमें जीवन बीमा 2.7% और गैर-जीवन बीमा 1% है। बीमा घनत्व बढ़कर 97 डॉलर हो गया जो यह दर्शाता है कि बाजार में अभी भी व्यापक अवसर मौजूद हैं।

वित्तीय सेवा सचिव बोले- दुनिया का 10वां बीमा बाजार भारत वैश्विक हिस्सेदारी 1.8%

सचिव ने कहा कि सरकार और बीमा नियामक ने क्षेत्र के विस्तार और बीमा की पहुंच बढ़ाने के लिए कई नीतिगत सुधार किए हैं। बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा बढ़ाकर 100% कर दी गई है और गत वर्ष एक नया पुनर्बीमाकर्ता भी पंजीकृत हुआ। उन्होंने सबका बीमा, सबकी रक्षा (बीमा कानून संशोधन) अधिनियम, 2025 का भी उल्लेख किया, जिसके तहत पॉलिसीधारकों के शिक्षा एवं संरक्षण कोष का गठन, डेटा संरक्षण कानून के साथ तालमेल और बीमा नियामक की शक्तियों को मजबूत किया गया है।

ईयू की गैर-शुल्क बाधाएं शुल्क कटौती के लाभों को करेंगी कमजोर : जीटीआरआई

एफटीए वार्ता के निष्कर्ष की घोषणा 27 जनवरी को ईयू के प्रतिनिधिमंडल की भारत यात्रा के दौरान होने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत को प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के तहत घरेलू उत्पादों विशेष रूप से कृषि एवं दवा क्षेत्रों में, गैर-शुल्क बाधाओं को हटाने के लिए यूरोपीय संघ (ईयू) पर दबाव डालना चाहिए, क्योंकि ऐसे प्रतिबंध अक्सर शुल्क कटौती के लाभों को कमजोर कर देते हैं। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने सोमवार को यह बात कही।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के निष्कर्ष की घोषणा 27 जनवरी को ईयू के प्रतिनिधिमंडल की भारत यात्रा के दौरान होने की उम्मीद है। 18 वर्ष के बाद यह समझौता अंतिम चरण में है। वार्ता 2007 में शुरू हुई थी। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंतोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन 25 से 27 जनवरी तक भारत की यात्रा पर रहेंगे। ये 77वें गणतंत्र दिवस में मुख्य अतिथि हैं। ईयू में भारतीय उत्पादों को जिन बाधाओं का सामना करना पड़ता है उनमें दवा संबंधी अनुमोदनों में नियामकीय देरी, खाद्य एवं कृषि निर्यात जैसे गोमांस को प्रभावित करने वाले कड़े स्वच्छता एवं पादप स्वच्छता (पौधों व जानवरों से संबंधित) नियम और जटिल परीक्षण, प्रमाणीकरण तथा अनुरूपता-मूल्यांकन जरूरत हैं। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार, बासमती चावल, मसाले और चाय जैसे कृषि निर्यात अक्सर ईयू द्वारा कीटनाशक अवशेषों की सीमा में भारी कमी से अस्वीकार किए जाते हैं या उनकी गहन जांच होती है जबकि समुद्री निर्यात में एंटीबायोटिक दवाओं की चिंताओं से अधिक नमूना लेने की दर लागू होती है।

कार्बन कर पर चिंताओं का भी होना चाहिए समाधान

जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि ईयू के साथ किसी भी व्यापार समझौते में नियामक सहयोग, त्वरित अनुमोदन एवं पारस्परिक मान्यता के बिना केवल शुल्क उदारीकरण से निर्यात में आनुपातिक लाभ नहीं मिलेगा। व्यापार समझौते में कार्बन कर को लेकर भारत की प्रमुख चिंताओं का भी समाधान होना चाहिए। कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म (सीबीएएम) 1 जनवरी से उन उत्पादों पर लागू हो गया है जो अपने निर्माण प्रक्रियाओं के दौरान उच्च कार्बन उत्सर्जन करते हैं जैसे कि इस्पात और एल्युमीनियम। ईयू संघ ने अमेरिकी वस्तुओं को सीबीएएम से छूट देकर पहले ही लचीलापन दिखाया है और भारत भी इसकी मांग कर सकता है। यह कर विशेष रूप से एमएसएमई के लिए हानिकारक है।

बजट-पूर्व विचार एमपीसी सदस्य बोले- उद्योग के लिए दीर्घकालिक पूंजी सुनिश्चित करने के लिए एक संस्थागत कोष की आवश्यकता

आरएंडडी को बढ़ावा देने को नीतिगत प्रोत्साहन जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्य नागेश कुमार ने सोमवार को कहा कि सरकार को बजट में आरएंडडी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत प्रोत्साहन देना चाहिए और उद्योग के लिए दीर्घकालिक पूंजी सुनिश्चित करने हेतु एक संस्थागत कोष बनाना चाहिए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को वित्त वर्ष 2026-27 का आम बजट पेश करेंगी।

कुमार ने कहा कि विनिर्माण आधारित वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए आम बजट 2026-27 में भारतीय कंपनियों को अपनी शोध एवं विकास (आरएंडडी) गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ नीतिगत उपायों पर विचार करना चाहिए। इससे उनकी उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि शोध, विकास और नवाचार (आरडीआई) तथा अनुसंधान राष्ट्रीय शोध फाउंडेशन (एनआरएफ) हाल के समय में अपनाए गए महत्वपूर्ण उपाय हैं। उन्होंने कहा कि इन्हें कॉरपोरेट आरएंडडी गतिविधियों के प्रोत्साहनों के साथ पूरक बनाने की आवश्यकता है। एमपीसी सदस्य ने कहा कि आरएंडडी खर्च के लिए 200 प्रतिशत भारित कर कटौती को बहाल करना ऐसी ही एक नीति हो सकती है। कुमार के अनुसार एक अन्य सुझाव विनिर्माण के लिए सावधि ऋण देने के लिए एक नई संस्थागत संरचना तैयार करना होगा।

वाणिज्यिक बैंकों को उद्योग के लिए दीर्घकालिक ऋण देने में परिसंपत्ति-देनदारी असंतुलन का सामना करना पड़ता है। विनिर्माण के लिए, एक नया विशेष विकास वित्त संस्थान समय की मांग है।

मुद्रा में गिरावट निर्यात-विनिर्माण के लिए मददगार

भारतीय मुद्रा की विनिमय दर में गिरावट पर कुमार ने कहा कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की निकासी, ट्रंप की शुल्क नीतियों और भारत के निर्यात पर उनके प्रभाव के बारे में अनिश्चितता जैसे कारकों से रुपये में गिरावट आई है। मुद्रा के मूल्य में गिरावट भारत के निर्यात और विनिर्माण क्षेत्र के लिए मददगार है और इस बारे में बहुत अधिक चिंतित होने की जरूरत नहीं है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91 के करीब बना हुआ है। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया सोमवार को 14 पैसे टूटकर 90.92 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 91 के स्तर को पार कर गया था।

पलटवार: अमेरिका पर 93 अरब यूरो का शुल्क लगा सकता है यूरोपीय संघ

- ग्रीनलैंड पर ट्रंप की धमकियों के बीच तैयार कर रहा मसौदा

ब्रसेल्स, एजेंसी

ग्रीनलैंड पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगातार बयानों और धमकियों के बीच यूरोपीय संघ (ईयू) अमेरिका पर 93 अरब यूरो (107.68 अरब डॉलर) का आयात शुल्क लगाने या अमेरिकी कंपनियों को यूरोपीय ब्लॉक में व्यापार करने से रोकने पर विचार कर रहा है।

सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में आधिकारिक सूत्रों के हवाले से कहा गया कि अगले हफ्ते दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) पर होने वाली बैठक से पहले इस शुल्क का मसौदा तैयार किया जा रहा है, ताकि ट्रंप पर यूरोपीय नेताओं को थोड़ी बढ़त मिल सके।

रिपोर्ट में कहा गया कि यूरोपीय यूनियन ने पिछले साल ही आयात शुल्क की सूची बना ली थी लेकिन व्यापार युद्ध रोकने के लिए उसे छह फरवरी तक के लिए स्थगित कर दिया था। ग्रीनलैंड पर अमेरिका-यूरोप के बीच बढ़ते तनाव के कारण ईयू नेताओं ने रविवार को इसे दोबारा लागू करने पर विचार किया। इसके अलावा यूरोपीय नेताओं ने दबाव-विरोधी मसौदे पर भी बातचीत की, जिसके लागू होने पर अमेरिकी कंपनियां यूरोप में अपना सामान नहीं बेच पाएंगी।

ट्रंप ने की है 10 फीसदी टैरिफ लेने की घोषणा

इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि जो देश ग्रीनलैंड खरीदने के मुद्दे पर अमेरिका का समर्थन नहीं करेंगे, वह उन पर आयात शुल्क लगा सकते हैं। ट्रंप ने डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड्स, नॉर्वे, स्वीडन और ब्रिटेन पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा भी की थी। उन्होंने यह भी कहा था कि अगर हालात नहीं बदलते तो एक जून से यह बढ़कर 25 प्रतिशत हो जाएगा। जिसके बाद आठों देशों ने रविवार को एक संयुक्त बयान जारी कर ग्रीनलैंड और डेनमार्क के लिए पूर्ण समर्थन का एलान किया था।

मध्य पूर्व के नक्शे को बदलने की कोशिश

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का गाजा शांति प्लान केवल एक युद्धविराम समझौता नहीं है, बल्कि यह पूरे मध्य पूर्व के भू-राजनीतिक मानचित्र को बदलने की एक महत्वाकांक्षी कोशिश है। ट्रंप का मानना है कि जो बाइडन प्रशासन की नीतियां अनिर्णायक थीं, जिससे युद्ध लंबा खिंचा। ट्रंप की रणनीति का मुख्य स्तंभ अब्राहम समझौते का विस्तार है, जिसके तहत वे सऊदी अरब और इजराइल के बीच ऐतिहासिक राजनयिक संबंध स्थापित करना चाहते हैं। ट्रंप का दृष्टिकोण व्यावहारिक और व्यापारिक है। उनका तर्क है कि गाजा में युद्ध इजराइल की अर्थव्यवस्था और वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचा रहा है, जबकि अमेरिका पर भी इसका भारी वित्तीय बोझ पड़ रहा है। उनके प्लान का केंद्र एक शांति समिति का गठन है, जो गाजा के पुनर्निर्माण और शासन को नियंत्रित करेगी।

ट्रंप का गाजा शांति प्लान

इजराइल के लिए सुरक्षा गारंटी

- अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस महत्वाकांक्षी योजना में फलस्तीनी संगठन हमास के लिए कोई जगह नहीं रखी गई है। ट्रंप गाजा को एक विसैन्यीकृत क्षेत्र के रूप में देखते हैं, जिसका प्रबंधन अरब देशों के सहयोग से किया जाएगा। यह योजना इजराइल के लिए एक सुरक्षा गारंटी और अरब देशों के लिए आर्थिक अवसर लेकर आई है। हालांकि, इसमें दो-राष्ट्र समाधान की तुलना में इजराइल की सुरक्षा और क्षेत्रीय एकीकरण पर अधिक जोर दिया गया है। ट्रंप का लक्ष्य 2026 के अंत तक गाजा को एक युद्ध क्षेत्र से निर्माण क्षेत्र में बदलना है, ताकि अमेरिकी संसाधन चीन और रूस जैसी बड़ी चुनौतियों पर केंद्रित किए जा सकें। गाजा के भविष्य के लिए घोषित बहुराष्ट्रीय गाजा पुनर्निर्माण एवं शांति परिषद में कई देशों और उनके नेताओं को शामिल करने की पहल की गई है। इसके लिए ट्रंप की ओर से तमाम नेताओं से आग्रह भी किया जा रहा है।

समिति में ये शामिल

- अमेरिका : मुख्य मध्यस्थ और सुरक्षा गारंटर के रूप में।
- इजराइल : सुरक्षा मानकों और सीमा नियंत्रण की निगरानी के लिए।
- सऊदी अरब और यूएई : मुख्य वित्तपोषक और प्रशासनिक सलाहकार।
- मिस्र : गाजा-मिस्र सीमा (फिलाडेल्फी कॉरिडोर) के प्रबंधन के लिए।
- तकनोक्रेट्स : गाजा के नागरिक।

समिति के कार्य

- पुनर्निर्माण फंड : अरब देशों के निवेश से गाजा में बुनियादी ढांचे का विकास।
- शिक्षा सुधार : गाजा के स्कूलों में शांति और सहिष्णुता को बढ़ावा देने वाला नया शैक्षणिक ढांचा बनाना।
- सुरक्षा प्रबंधन : नई स्थानीय पुलिस बल तैयार करना जिसे अरब देशों की सेनाओं द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा।

फिर भी इजराइल नाराज

- युद्ध रोकने की समय सीमा : ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि वे युद्ध को अनिश्चितकाल तक नहीं खींचने देंगे। इजराइल का कट्टरपंथी खेमा (जैसे बेन-ग्वीर और स्मोट्रिच) पूरी सैन्य जीत तक युद्ध जारी रखना चाहता है।
- सऊदी अरब की शर्तें : ट्रंप ने सऊदी-इजराइल शांति के बदले फिलिस्तीनी राज्य की दिशा में 'अपरिवर्तनीय' कदम उठाने का दबाव डाला है, जो वर्तमान इजराइली सरकार को स्वीकार नहीं है।
- बफर जोन पर नियंत्रण : ट्रंप चाहते हैं कि सुरक्षा की जिम्मेदारी अंतर्राष्ट्रीय समिति की हो, जबकि इजराइल गाजा के भीतर पूर्ण सैन्य नियंत्रण बनाए रखना चाहता है। इसको लेकर इजराइल के राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू अपनी नाराजगी भी जता चुके हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

ग्वाटेमाला हिंसा में 7 पुलिसकर्मियों की मौत

एस्कुइंटला। ग्वाटेमाला की राजधानी में रविवार को सुरक्षा बलों और एक गिरोह के सदस्यों के बीच हुई झड़पों में सात पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। इससे पहले देश के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित तीन उच्च सुरक्षा वाली जेलों में से एक पर पुलिस ने दोबारा नियंत्रण हासिल कर लिया, जहां एक रात पहले कैदियों ने उपद्रव कर सुरक्षाकर्मियों को बंधक बना लिया था।

नेपाली खेल मंत्री बबलू गुप्ता ने दिया इस्तीफा

काठमांडू। नेपाल के खेल मंत्री बबलू गुप्ता ने आगामी पांच मार्च को होने वाला आम चुनाव लड़ने के लिए सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) से जुड़े सूत्रों ने बताया कि युवा एवं खेल मंत्री गुप्ता वर्तमान में धनुषा जिले के जनकपुर में आरएसपी के लिए चुनाव प्रचार में जुटे हैं और पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं।

पुतिन को गाजा शांति बोर्ड के लिए न्योता

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा शांति बोर्ड में शामिल होने का आमंत्रण मिला है, जिस पर विचार किया जा रहा है। क्रेमलिन ने सोमवार को यह जानकारी दी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने बताया कि वास्तव में, राष्ट्रपति पुतिन को भी राजनयिक चैनलों के माध्यम से इस शांति बोर्ड में शामिल होने का प्रस्ताव मिला था। हम फिलहाल इस प्रस्ताव के सभी विवरणों का अध्ययन कर रहे हैं।

काबुल के एक होटल में विस्फोट, 7 की मौत

काबुल। अफगानिस्तान के काबुल में सोमवार को विस्फोट से सात लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। विस्फोट का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। प्रवक्ता खालिद जादरान ने बताया कि विस्फोट शहर-ए-नॉ जिले के एक होटल में हुआ। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतीन कानी ने बताया कि विस्फोट में कई की मौत हुई है।

फैशन डिजाइनर वैलेंटिनो का निधन

रोम। इटली के मशहूर फैशन डिजाइनर वैलेंटिनो गारवानी का रोम स्थित घर में निधन हो गया है। वह 93 वर्ष के थे। लेंटिनो गारवानी लगभग 50 साल तक फैशन शो का अहम हिस्सा रहे। फाउंडेशन ने बताया कि वैलेंटिनो गारवानी हम सभी के लिए मार्गदर्शक और प्रेरणा थे बल्कि प्रकाश के सच्चे स्रोत भी थे। अंतिम संस्कार शुक्रवार को रोम के पियाजा डेला रिपब्लिका स्थित बेसिलिका सांता मारिया डेगली एंजेली ई डेई मार्टिरी में होगा।

हमारे पड़ोस में आतंकवादी ढांचे को बढ़ावा देने में मदद न करें: जयशंकर

विदेश मंत्री ने पोलैंड के अपने समकक्षी रादोस्लाव सिकोरस्की को दिया स्पष्ट संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को पोलैंड के विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की को एक तीखा संदेश देते हुए कहा कि उनके देश को आतंकवाद के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनानी चाहिए और भारत के पड़ोस में आतंकवादी ढांचे को बढ़ावा देने में मदद नहीं करनी चाहिए। जयशंकर का यह संदेश स्पष्ट रूप से अक्टूबर में पोलैंड-पाकिस्तान के संयुक्त बयान में कश्मीर के उल्लेख के संदर्भ में था।

सिकोरस्की के साथ एक बैठक में जयशंकर ने यूक्रेन संघर्ष को लेकर भारत को अनुचित और अन्यायपूर्ण तरीके से चयनात्मक रूप से निशाना बनाए जाने पर भी अपनी चिंता व्यक्त की। इसे रूस के साथ ऊर्जा संबंधों को लेकर नई दिल्ली की पश्चिमी देशों द्वारा की गई आलोचना के संदर्भ के रूप में देखा जा रहा है। नई दिल्ली में हुई बैठक में विदेश मंत्री ने ये टिप्पणी की। सिकोरस्की पोलैंड के उपप्रधानमंत्री भी हैं। वहीं, पोलैंड के विदेश मंत्री ने कहा कि वह भारत के रूस के साथ संबंधों को लेकर लगाए गए शुल्क के संदर्भ में अन्याय और चयनात्मक रूप से निशाना बनाए जाने के बारे में जयशंकर से पूरी तरह सहमत हैं।

सिकोरस्की भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। जयशंकर ने कहा कि आप हमारे क्षेत्र से अपरिचित नहीं हैं और सीमा पार आतंकवाद की दीर्घकालिक चुनौती से निश्चित रूप से परिचित हैं। मुझे उम्मीद है कि इस बैठक में हम क्षेत्र की आपकी हालिया यात्राओं पर चर्चा करेंगे। पोलैंड को आतंकवाद के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनानी चाहिए और हमारे पड़ोस में आतंकवादी ढांचे को बढ़ावा देने में मदद नहीं करनी चाहिए। अक्टूबर के अंत में, सिकोरस्की ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री इसहाक डार के साथ व्यापक वार्ता की थी जिसके बाद जारी किए गए एक संयुक्त बयान में कश्मीर मुद्दे को प्रमुखता दी।

द्विपक्षीय संबंधों को संभालने की जरूरत

विदेश मंत्री ने कहा, हमारे द्विपक्षीय संबंधों में भी लगातार प्रगति हुई है, लेकिन फिर भी, इसे निरंतर संभालने की आवश्यकता है। वार्ता में दोनों विदेश मंत्रियों ने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, स्वच्छ प्रौद्योगिकी और डिजिटल नवाचार के क्षेत्र में जारी सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

भारत को चुनिंदा रूप से निशाना बनाया जाना अनुचित और अन्यायपूर्ण

विदेश मंत्री ने यूक्रेन संघर्ष पर भारत के लगातार रुख का भी उल्लेख किया। जयशंकर ने कहा कि हाल के दिनों में, पिछले सितंबर में न्यूयॉर्क और इस जनवरी में पेरिस में, मैंने यूक्रेन संघर्ष और इसके निहितार्थों पर अपने विचार खुलकर आपके साथ साझा किए हैं। उन्होंने कहा, ऐसा करते हुए मैंने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि भारत को चुनिंदा रूप से निशाना बनाना अनुचित और अन्यायपूर्ण है। मैं आज फिर से यही बात दोहराता हूं। अपने संबोधन में जयशंकर ने भारत-पोलैंड संबंधों में आए सकारात्मक बदलावों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि हम ऐसे समय में मिल रहे हैं जब दुनिया में काफी उथल-पुथल मची हुई है। अलग-अलग क्षेत्रों में स्थित दो राष्ट्रों के रूप में, जिनमें से प्रत्येक के समक्ष अपनी चुनौतियां और अवसर हैं, विचारों और दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान करना स्पष्ट रूप से उपयोगी है।

स्पेन में दो रेलगाड़ियों की टक्कर, 40 लोगों की मौत

- दोनों ट्रेनों में 500 यात्री थे सवार बढ़ सकती है मृतकों की संख्या

आदमुज (स्पेन), एजेंसी

स्पेन में रविवार शाम को दो हाईस्पीड ट्रेनों की टक्कर में कम से कम 40 यात्रियों की मौत हो गई जबकि कई यात्री गंभीर रूप से घायल हैं जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। स्पेनिश पुलिस ने सोमवार को बताया कि देश के दक्षिणी हिस्से में गत रात एक उच्च गति वाली ट्रेन की टक्कर में 40 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका है।

रेल संचालक एडिफ के अनुसार, यह हादसा रविवार शाम करीब 7:45 बजे हुआ, जब मलागा से राजधानी मैड्रिड जा रही लगभग 300 यात्रियों को ले जा रही ट्रेन का पिछला हिस्सा पटरी से उतर गया। जिसके बाद वह मैड्रिड से दक्षिणी स्पेन के एक अन्य शहर हुएल्वा जा रही सामने से आ रही एक अन्य ट्रेन से टकरा गई। स्पेन के परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते ने कहा कि दूसरी ट्रेन का अगला हिस्सा, जिसमें करीब 200 यात्री सवार थे, टक्कर से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। इस टक्कर के कारण ट्रेन की पहली दो बोगियां बेपटरी हो गईं।

यात्रियों ने बताया कि वे टूटी हुई खिड़कियों से बाहर निकले, जबकि कुछ लोगों ने आपातकालीन हथौड़ों से शीशे तोड़कर खुद को स्पेनिश पुलिस के अनुसार, इस हादसे में 159 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। इसके अलावा 24 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। यह टक्कर मैड्रिड से 370 किमी दक्षिण में कॉर्डोबा प्रांत के एक कस्बे आदमुज के पास हुई। परिवहन मंत्री पुएंते ने कहा कि दुर्घटना के कारण का अभी पता नहीं चला है।

रेल हादसे के बाद मैड्रिड रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों की प्रतीक्षा करते यात्री।

द. अफ्रीका में हादसा, 13 स्कूली बच्चों की मौत

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के गौतेंग प्रांत में एक ट्रक और स्कूल मिनी बस की टक्कर में कम से कम 13 बच्चों की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 11 बच्चों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दो बच्चों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। अधिकारियों के अनुसार, सोमवार को सुबह करीब सात बजे यह घटना तब हुई जब बस जोहानिसबर्ग में प्राथमिक और उच्च विद्यालयों के छात्रों को ले जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बच्चों को ले जा रही मिनी बस अन्य वाहनों से आगे निकलने का प्रयास कर रही थी तभी वह सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। पुलिस ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है और ट्रक चालक से पूछताछ की जाएगी। गौतेंग आपातकालीन सेवा ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घायलों में बस चालक भी शामिल है।

करूर भगदड़ केस : सीबीआई ने अभिनेता विजय से की पूछताछ

- एसयूवी के काफिले में लोधी रोड में एजेंसी के मुख्यालय पहुंचे विजय

नई दिल्ली, एजेंसी

सीबीआई ने करूर भगदड़ मामले के सिलसिले में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख एवं अभिनेता विजय से सोमवार को यहां एजेंसी मुख्यालय में दूसरे दौर की पूछताछ शुरू की। अधिकारियों ने बताया कि अभिनेता आज सुबह लग्जरी एसयूवी के काफिले में लोधी रोड स्थित एजेंसी के मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनसे एजेंसी की भ्रष्टाचार रोधी इकाई से चुने गए एक उप अधीक्षक रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में अधिकारियों की एक टीम द्वारा आज पूछताछ की जा रही है।

विजय से 12 जनवरी को यहां सीबीआई मुख्यालय में छह घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की गई थी। उन्हें पिछले मंगलवार को फिर से आने के लिए कहा गया था, लेकिन अभिनेता ने पोंगल का हवाला देते हुए दूसरी तारीख मांगी।

अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी ने अभिनेता की मांग स्वीकार करते हुए उन्हें सोमवार की तारीख दी थी। अधिकारियों ने बताया कि विजय से रैली से जुड़े फैसलों, उनके देर से पहुंचने, भाषण जारी रखने के कारणों, मौके पर मची अफरा-तफरी की जानकारी होने, भीड़ की संख्या और भीड़ प्रबंधन में हुई चूक से संबंधित कई सवाल पूछे गए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद केंद्रीय एजेंसी ने एसआईटी से जांच ली थी।

चिली में जंगल की आग से 19 की मौत, 15 सौ बेघर

पेंको। मध्य और दक्षिणी चिली में जंगलों में लगी भीषण आग में रविवार को कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई, वहीं हजारों एकड़ जंगल जलकर राख हो गए तथा सैकड़ों मकान भी जल गए। दक्षिण अमेरिका का यह देश भीषण गर्मी की चपेट में है। चिली के राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिक ने देश के मध्य बायोबियो क्षेत्र और राजधानी सैंटियागो से लगभग 500 किलोमीटर दक्षिण में स्थित नुब्ले क्षेत्र में आपदा की स्थिति घोषित कर दी है। चिली के सुरक्षा मंत्री लुइस कॉर्डेरो के अनुसार, आपातकाल की घोषणा से सेना के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने में मदद मिलेगी ताकि अब तक 8,500 हेक्टेयर में फैली जंगल की आग पर काबू पाया जा सके, जिसके कारण 1,500 लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है। बोरिक ने एक्स पर पोस्ट किया, सभी संसाधन उपलब्ध हैं। हालांकि, स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि रविवार को हर तरफ तबाही थी और केंद्र सरकार की ओर से कोई मदद नहीं पहुंची। छोटे तटीय कस्बे पेंको के मेयर रोड्रिगो वेरा ने कहा, प्रिय राष्ट्रपति बोरिक, दिल की गहराइयों से कह रहा हूं कि मैं यहां चार घंटे से मौजूद हूं, एक पूरा क्षेत्र जल रहा है।

संत चिन्मयदास समेत अन्य के खिलाफ तय किए आरोप

- बांग्लादेश में प्रदर्शन के दौरान वकील की मौत का मामला

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की एक अदालत ने संत चिन्मय कृष्ण दास और 38 अन्य लोगों पर नवंबर 2024 में बंदरगाह शहर चटगांव में एक वकील की मौत के संबंध में सोमवार को आरोप तय किए। बांग्लादेश सम्मिलित सनातनी जागरण जोते के प्रवक्ता दास को राजद्रोह के आरोप में 25 नवंबर, 2024 को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था।

इस्कॉन के पूर्व नेता दास को चटगांव की एक अदालत ने जमानत देने से इनकार कर दिया और उन्हें जेल भेज दिया। दास की गिरफ्तारी के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और उनके समर्थकों ने अगले दिन ढाका और अन्य स्थानों पर प्रदर्शन किया। चटगांव में प्रदर्शन हिंसक हो गया, जहां 26 नवंबर को वकील की हत्या कर दी गई।

सोमवार को, चटगांव संभागीय त्वरित सुनवाई न्यायाधिकरण द्वारा आरोप सुनाए जाने के बाद अभियोजन पक्ष के एक वकील ने पत्रकारों को बताया कि अदालत ने चिन्मय के खिलाफ दंड संहिता की धारा 302 और 109 के तहत आरोप तय किए और 22 अन्य लोगों के खिलाफ अलग-अलग धाराओं के तहत आरोप लगाए।

मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने छह माओवादियों को मार गिराया

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के उत्तर-पश्चिमी सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच दो दिन तक चली मुठभेड़ में छह माओवादी मारे गए हैं, जिनमें चार महिलाएं शामिल हैं। सोमवार को प्राप्त जानकारी के अनुसार मारे गए माओवादियों में इंद्रावती नेशनल पार्क एरिया कमेटी का इंचार्ज और आठ लाख रुपये इनामी दिलीप बेंडजा भी शामिल है। सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ स्थल से स्वचालित हथियार, विस्फोटक और माओवादी साहित्य भी बरामद किया है। शनिवार सुबह से शुरू हुई मुठभेड़ अलग-अलग जगहों पर रविवार तक चली थी। पुलिस को मुठभेड़ के बाद छह नक्सलियों के शव बरामद किए। इस दौरान जंगल में भालू और भैंस के हमले में दो जवान नीरज शर्मा और कृष्णा नेताम भालू घायल हो गए हैं। मुठभेड़ में कुल छह माओवादी कैडरों के शव बरामद हुए, जिनमें नेशनल पार्क एरिया कमेटी इंचार्ज डीवीसीएम दिलीप बेंडजा भी शामिल है, जिस पर आठ लाख रुपये का ईनाम था। मुठभेड़ स्थल पर खोजबीन के दौरान दो एके-47 रायफल, एक इंसास, दो .303 रायफल और एक कार्बाइन सहित छह हथियार बरामद किए गए हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 20 जनवरी, मंगलवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वितीया 21 जनवरी 02.42 तक तत्पश्चात तृतीया।

मेष — आज किसी धार्मिक आयोजन की संभावना बन रही है। पिता के ऊपर गर्व होगा। कार्यक्षेत्र की उलझनों को सुलझाने में मेहनत करनी पड़ेगी। अधिकारी वर्ग से आपको अत्यधिक समर्थन मिलेगा। परिवार के सदस्यों के बीच प्रेमभाव में वृद्धि होगी।

वृष — आज आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। व्यापार में प्रभावशाली लोगों से आपके संपर्क मजबूत होंगे। कई दिनों से चली आ रही समस्या का समाधान मिलेगा। आईटी क्षेत्र में कार्यरत लोगों को विदेश से जॉब के ऑफर मिल सकते हैं।

मिथुन — आज नए सहयोगियों से आपको सावधान रहना चाहिए। शेयर मार्केट में बड़ा निवेश करने से आपको बचना चाहिए। माइग्रेन का दर्द उभर सकता है। घूमने-फिरने में समय बर्बाद न करें। वैवाहिक संबंधों में तनाव उत्पन्न होने की संभावना है।

कर्क — आज कानूनी मामलों में विजय मिलने की प्रबल संभावना है। अपने लोगों की सलाह लेने से पीछे न हटें। आपके मन में विचारों का आधिक्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपका विरोध करने वाले लोगों की आलोचना हो सकती है।

सिंह — आज नया काम शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। आपके काम का श्रेय दूसरे लोग ले सकते हैं। पहले किए गए प्रयासों का उत्तम परिणाम मिलेगा। प्रेमीजन से झगड़ा हो सकता है। कुटीर उद्योगों से उत्तम धन लाभ होगा। तीखा भोजन करने से बचें।

कन्या — आज सरकारी काम में बाधा आ सकती है। अधीनस्थ कर्मचारियों से अपेक्षानुकूल सहयोग नहीं मिल पाएगा। आप अपने लक्ष्यों को लेकर थोड़े दबाव में रहेंगे। विरोधी आपके सामने दोबारा सक्रिय हो सकते हैं।

तुला — आज अपनी वाणी पर संयम रखें। कार्यक्षेत्र में आपके काम पर लोग नजर बनाए रखेंगे। जमीन के कारोबारियों के लिए दिन अच्छा नहीं है। व्यावसायिक अनुबंध करने से पहले पेपर्स वगैरह को ध्यान से रख लें। आप लोगों की मदद के लिए तैयार रहेंगे।

वृश्चिक — आज का दिन आपके लिए बहुत ही अच्छा है। मार्केटिंग संबंधित कार्यों से बेहतरीन लाभ होगा। ऑफिस में आपके काम की प्रशंसा होगी। परिवार में लोग आपकी बातों को अनसुना कर सकते हैं। घर में सुख-सुविधाओं का विशेष ध्यान रखेंगे।

धनु — आज आपसे ईर्ष्या रखने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। व्यवसाय में आपको थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। अधिक सोच-विचार के चक्कर में काम बिगड़ सकते हैं। मौसम में आ रहे बदलाव के कारण सर्द-बुखार हो सकता है।

मकर — आज नया वाहन खरीद सकते हैं। भोग-विलास का भरपूर आनंद उठाएंगे। देव स्थल की यात्रा के लिए जा सकते हैं। अपने विचारों को दूसरों पर थोपने से बचें। आयात-निर्यात से संबंधित व्यवसाय से आपको धन लाभ होगा।

कुंभ — आज लंबी यात्रा करने से बचना चाहिए। मन अप्रसन्न रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में लोगों के मनोभावों को इग्नोर न करें। पति-पत्नी के बीच मीठी नोक-झोंक होने की संभावना है। छात्रों का मन पढ़ाई से उचट सकता है।

मीन — आज आय के नए स्रोत विकसित हो सकते हैं। मित्र के सहयोग से आपको धन लाभ मिलने की संभावना बन रही है। शत्रुओं के ऊपर आपका प्रभाव बढ़ेगा। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। माता-पिता का आशीर्वाद लेना न भूलें।

आज का पंचांग

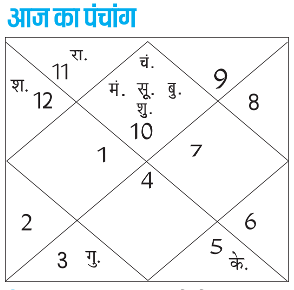

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- श्रवण 13.06 तक तत्पश्चात धनिष्ठा।

सुडोकू-37

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1		8	5			9		
	2			7	3	1	8	
6				8			4	
	5			2				3
		2				8		
7				9			6	
	1			5				2
	6	9	4	3			7	
		3			8	4		1

सुडोकू - 36 का हल

2	8	5	3	7	9	4	6	1
3	4	1	8	6	5	7	2	9
9	7	6	4	2	1	5	8	3
6	2	9	7	4	3	1	5	8
4	1	8	6	5	2	3	9	7
5	3	7	1	9	8	6	4	2
1	9	2	5	3	4	8	7	6
7	5	3	2	8	6	9	1	4
8	6	4	9	1	7	2	3	5

मुझे यह सुनकर अच्छा लगा। संेचुरी बनाना बहुत अच्छा है। मैं शुरू में बहुत भाग्यशाली था कि मुझे कुछ ऐसे लोग मिले जिन्होंने मुझे सिखाया कि मैं अपने करियर में लंबी रेस का घोड़ा बनूं, जल्दी थक न जाऊं, और जितना हो सके उतना लंबा करियर बनाऊं।
–नोवाक जोकोविच

स्टेडियम

लखनऊ, मंगलवार, 20 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

इंडोनेशिया मास्टर्स में श्रेष्ठ प्रदर्शन पर भारतीयों की निगाहें

जकार्ता। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पिछले सप्ताह घरेलू धरती पर खेले गए इंडिया ओपन के निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोड़कर मंगलवार से यहां शुरू होने वाले 500,000 अमेरिकी डॉलर इनामी इंडोनेशिया मास्टर्स में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। पिछले सप्ताह नई दिल्ली में इंडिया ओपन में लक्ष्य सेन पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गए थे। भारत का कोई भी खिलाड़ी किसी भी वर्ग में अंतिम आठ से आगे नहीं बढ़ पाया था। चीनी ताइपे के लिन चुन यी और कोरिया की विश्व में नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग ने क्रमशः पुरुष और महिला एकल खिताब जीता। अब सारा ध्यान जकार्ता पर केंद्रित हो गया है, जहां भारतीय खिलाड़ियों को कड़ा ड्रॉ मिला है और उन्हें अपने से अधिक रैंकिंग वाले खिलाड़ियों के खिलाफ अभियान की शुरुआत करनी होगी।

साइना ने बैडमिंटन से संन्यास लिया

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल ने प्रतिस्पर्धी खेल से संन्यास की पुष्टि करते हुए कहा कि उनका शरीर अब एलीट खेल की मांगों के अनुरूप उनका साथ नहीं दे रहा है। लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता साइना ने आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच 2023 सिंगापुर ओपन में खेला था। उन्होंने एक पॉडकास्ट में कहा मैने दो साल पहले ही खेलना छोड़ दिया था। मुझे लगा कि मैंने अपनी शर्तों पर खेलना शुरू किया और अपनी शर्तों पर ही विदा लूंगी तो घोषणा करने की जरूरत ही नहीं थी। उन्होंने कहा अगर आप और खेलने में सक्षम नहीं हैं तो कोई बात नहीं।

पहली कबड्डी चैंपियंस लीग 25 जनवरी से

नई दिल्ली। पहली कबड्डी चैंपियंस लीग (केसीएल) का आयोजन 25 जनवरी से सात फरवरी तक हरियाणा के राय स्थित खेल विश्वविद्यालय में किया जाएगा। आयोजकों ने सोमवार को यह घोषणा की। केसीएल ने आधिकारिक तौर पर पहले सत्र के लिए मैचों का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। यह प्रतियोगिता 12 दिन तक चलेगी जिसमें आठ फ्रेंचाइजी टीम भाग लेंगी।

प्रज्ञानानंदा की एक और हार

विज्क आन जी (नीदरलैंड्स)। गत चैंपियन आर प्रज्ञानानंदा का टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन जारी रहा और वह दूसरे दौर में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव से हार गए। विश्व चैंपियन गुकेश को एक और कड़े मुकाबले में नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फॉरेस्ट ने ड्रॉ पर रोक दिया। लगातार दूसरे ड्रॉ के साथ गुकेश का कुल अंक एक हो गया है।

अच्छी शुरुआत को बदलना होगा बड़े स्कोर में

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज हारने के बाद कप्तान गिल निराश, बोले- कैचिंग में सुधार की जरूरत

इंदौर, एजेंसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में पहली हार न केवल आंकड़ों के लिहाज से एक झटका थी, बल्कि इससे एक असहज स्पष्टता भी उजागर हुई और कप्तान शुभमन गिल ने हार के अंतर या कुछ खिलाड़ियों की गैर मौजूदगी का बहाना नहीं बनाया। श्रृंखला के तीसरे और अंतिम मैच में भारतीय टीम की पराजय के बाद गिल ने एक ऐसे पैटर्न का खुलासा किया, जिसने उनके शब्दों में दोनों टीमों के बीच अंतर पैदा किया।

गिल ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा ऐसा नहीं है कि हमने खराब बल्लेबाजी की। बात यह थी कि हम पर्याप्त देर तक बल्लेबाजी नहीं कर पाए। जब बल्लेबाजों को अच्छी शुरुआत मिलती है और वे उसे बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर पाते तो स्थिति बहुत मुश्किल हो जाती है। हमारे कम से कम दो बल्लेबाजों को लंबी पारी खेलनी चाहिए थी। यही उनके और हमारे बीच का अंतर रहा। भारत पूरी श्रृंखला में अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाया जिसमें इंदौर में खेला गया मैच भी शामिल है। इस मैच में विराट कोहली के शतक ने कुछ समय के लिए मैच का रुख पलटने की उम्मीद जगाई थी।

गिल बार-बार न्यूजीलैंड के दृष्टिकोण के साथ तुलना का मुद्दा उठाते रहे। उन्होंने कहा जब भी उनके बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत की तो वह बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहे। श्रृंखला में इसी ने मुख्य अंतर पैदा किया। पहले दो मैचों में मैं भी जम गया था, लेकिन मैं उसे 100, 120 या 130 रन में नहीं बदल पाया। बल्लेबाजी इकाई के रूप में हमें इसमें सुधार करने की जरूरत है।

रविंद्र जडेजा पिछले कुछ मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए लेकिन गिल ने कहा कि हार के लिए सभी खिलाड़ी जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा जड्डू भाई बल्ले से अच्छी लय में दिख रहे थे। लेकिन बात सिर्फ उनकी नहीं थी। मुझे नहीं लगता कि हमारे किसी भी बल्लेबाज ने अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में कामयाबी हासिल की। ऐसी पिचों पर अगर आप अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाते तो आपको हमेशा मैच में पिछड़ना पड़ता है। उन्होंने कहा पिछले कुछ साल में जिस तरह से उन्होंने गेंदबाजी की है, वह हमेशा हमारे लिए पर मुख्य विकल्प थे।

गिल को विश्राम नहीं, खेलेंगे रणजी ट्रॉफी में

नई दिल्ली। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को समाप्त हुई वनडे श्रृंखला के बाद विश्राम नहीं करने का फैसला किया है और वह पंजाब की तरफ से सौराष्ट्र के खिलाफ गुरुवार से राजकोट में होने वाले रणजी ट्रॉफी मैच में खेलेंगे। गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के तीनों मैच खेले थे। उन्होंने विश्राम करने के बजाय तुरंत ही लाल गेंद के क्रिकेट में लौटने का विकल्प चुना है क्योंकि वह भारत की टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा नहीं हैं। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी का लक्ष्य पंजाब को रणजी ट्रॉफी के नॉकआउट में पहुंचाना होगा। पंजाब टीम के एक करीबी सूत्र ने पीटीआई से कहा शुभमन ने वनडे श्रृंखला के बाद विश्राम नहीं करने का फैसला किया है। उन्हें इंदौर से राजकोट पहुंचने में आठ घंटे का समय लगा क्योंकि वहां से कोई सीधी उड़ान उपलब्ध नहीं है। पंजाब फिलहाल ग्रुप बी में पांच मैचों में 11 अंकों के साथ छठे स्थान पर है। उसे अगले दौर में जगह बनाने के लिए अपने बाकी बचे तीनों मैच में जीत हासिल करनी होगी। गिल की वापसी से उसकी बल्लेबाजी को मजबूती मिली है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में पहले टेस्ट में चोटिल होने के बाद गिल पहली बार लाल गेंद का क्रिकेट खेलेंगे।

युवा खिलाड़ियों को विराट कोहली से सीख लेने की जरूरत : गावस्कर

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि अच्छी शुरुआत नहीं मिलने के कारण भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला में हार का सामना करना पड़ा और टीम के बल्लेबाजों को मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते समय पारी को सही ढंग से आगे बढ़ाने के लिए विराट कोहली से सीख लेनी चाहिए। भारत को इंदौर में खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे में न्यूजीलैंड से 41 रन से हार का सामना करना पड़ा और इस तरह वह न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर पहली बार वन डे श्रृंखला में हार गया। भारत के प्रमुख बल्लेबाजों में केवल कोहली ही अच्छा प्रदर्शन कर पाए। उन्होंने 108 गेंद पर 124 रन बनाए। गावस्कर ने जिओस्टार के एक कार्यक्रम में कहा विराट कोहली को पूरा सहयोग नहीं मिलने के कारण भारत के लिए चीजें मुश्किल हो गई। कोहली को बहुत कम सहयोग मिला। इस श्रृंखला में भारत के लिए असली समस्या अच्छी शुरुआत न कर पाना रही है। कहा भी जाता है कि अच्छी शुरुआत का मतलब आधा काम हो गया। उन्होंने बताया भारत की शुरुआत कभी अच्छी नहीं रही और यही उसकी हार के मुख्य कारणों में से एक है कि वह बड़े

स्कोर का पीछा करने में सक्षम नहीं था। भारत के आधे बल्लेबाज 159 रन तक पवेलियन लौट गए थे जिससे टीम की जीत की संभावना को गंभीर झटका लगा था। गावस्कर ने कहा जब आप केएल राहुल जैसे शानदार फॉर्म में चल रहे खिलाड़ी को खो देते हैं और आपके पास नीतीश कुमार रेड्डी हैं, जिन्होंने 53 रन की इस पारी से पहले अपनी क्षमता का सही प्रदर्शन नहीं किया था, और फिर हर्षित राणा हैं, जिनसे आप कभी भी पूरी तरह से आश्वस्त नहीं हो सकते कि वह कैसा प्रदर्शन करेंगे तो लक्ष्य तक पहुंचना बड़ी चुनौती बन जाती है।

न्यूजीलैंड को ऐतिहासिक जीत पर गर्व : मिचेल

इंदौर। न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज डैरिल मिचेल ने कहा कि भारत के खिलाफ एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला में ऐतिहासिक जीत दबाव में शांति के साथ फैसले लेने और एक दूसरे पर विश्वास करने के कारण मिली। न्यूजीलैंड ने रविवार को यहां खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे में 41 रन से जीत दर्ज करके भारतीय धरती पर पहली द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला जीती।

भारत ने शतकवीर विराट कोहली और हर्षित राणा की अहम साझेदारी के दम पर 338 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने की उम्मीद जगाई, लेकिन यह साझेदारी टूटने के बाद उसकी उम्मीद पर पानी फिर गया। मिचेल ने स्वीकार किया कि तब उनकी टीम दबाव में थी, लेकिन उन्होंने अपने खिलाड़ियों की भी प्रशंसा की जिन्होंने संयम बनाए रखा। तीसरे मैच में 137 रन बनाने वाले मिचेल ने कहा उन्होंने बहुत अच्छी साझेदारी निभाई और तब इस मैदान की प्रकृति, विकेट और छोटे आकार के कारण हम पर काफी दबाव था। मुझे इस बात पर गर्व है कि हमारे खिलाड़ियों ने शांति से काम लिया और अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया। उन्होंने कहा यह शानदार मैच था जो रोमांचक स्थिति में पहुंच गया था।

विदर्भ की जीत आपस में भरोसे का नतीजा : कोच

बेंगलुरु। विदर्भ के मुख्य कोच उस्मान गनी का मानना है कि विजय हजारे ट्रॉफी में उनकी टीम की शानदार जीत खिलाड़ियों के एक-दूसरे पर भरोसे का नतीजा है, जिससे उन्हें चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से सफलतापूर्वक उबरने में मदद मिली।

रणजी ट्रॉफी के मौजूदा चैंपियन विदर्भ ने रविवार को यहां सौराष्ट्र को 38 रन से हराकर घरेलू एक दिवसीय टूर्नामेंट का खिताब भी अपने नाम किया। गनी ने पीटीआई से कहा हम एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं। हमारे पास सीमित ओवरों की क्रिकेट के लिए भी मजबूत टीम है लेकिन इससे पहले हम सफेद गेंद के प्रारूप में ट्रॉफी नहीं जीत पाए थे। इस साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी हम कुछ करीबी मैच में हार गए थे और सुपर लीग तक भी नहीं पहुंच पाए थे।

उन्होंने कहा लेकिन इस बार हम आत्मविश्वास से भरे थे और हमने एक-दूसरे का साथ दिया ताकि हम सीमित ओवरों की ट्रॉफी जीत सकें। टीम ने सकारात्मक क्रिकेट खेलकर चुनौती का बखूबी सामना किया। गनी ने अपनी टीम की जीत के रहस्य का खुलासा करते हुए कहा कि वह सभी खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं और मुश्किल परिस्थितियों में भी सकारात्मक बने रहते हैं। उन्होंने कहा हमें प्रत्येक खिलाड़ी का समर्थन करना होगा, चाहे परिस्थिति कितनी भी मुश्किल क्यों न हो। हमें उनके साथ खड़े रहना होगा। गनी ने कहा यह अब टीम की मानसिकता बन गई है और अगर आप पिछले कुछ मैचों को देखें तो हमें इस तरह की स्थिति का सामना नहीं करना पड़ा है। यह सब एक टीम के रूप में सकारात्मक मानसिकता बनाए रखने से जुड़ा है।

अब टी-20 की तैयारी

नागपुर स्थित विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में अभ्यास करते भारतीय टी–20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव, वरुण चक्रवर्ती, ईशान किशन और रिंकू सिंह। यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की शृंखला का पहला मुकाबला 21 जनवरी को शाम 7 से बजे होगा। वनडे सीरीज हारने के बाद क्रिकेट प्रेमियों को इस प्रतियोगिता से बहुत उम्मीद है। ● एजसी

बेंगलुरु ने गुजरात को 61 रनों से हराया

महिला प्रीमियर लीग

वडोदरा, एजेंसी

गौतमी नाईक के अर्धशतक की मदद से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने सोमवार को गुजरात जाएंट्स को 61 रन से हराकर महिला प्रीमियर लीग में अपना अपराजेय अभियान बरकरार रखा।

आरसीबी की टूर्नामेंट में यह लगातार पांचवीं जीत थी। पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर आरसीबी ने छह विकेट पर 178 रन का सम्मानजनक स्कोर बनाया। शीर्ष पर काबिज आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पहले ओवर में ग्रेस हैरिस और दूसरे ओवर में जॉर्जिया वोल पवेलियन लौट गए जब स्कोर नौ रन ही था लेकिन इसके बाद नाईक ने पारी को संभाला। जवाब में गुजरात की टीम शुरू ही से दबाव में रही और सातवें ओवर में 34 रन के स्कोर पर उसके चार विकेट गिर गए। बेथ मूनी, सोफी डेवाइन, अनुष्का शर्मा और कनिका आहूजा पवेलियन लौट चुकी थीं। काशवी गौतम और जॉर्जिया वेयरहैम भी टिक नहीं सकीं। कप्तान एशले गार्डनर ने 43 गेंद में 54 रन बनाये लेकिन उन्हें दूसरे छोर से साथ नहीं मिल सका। गार्डनर ने अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का जड़ा लेकिन उनकी टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 117 रन ही बना सकी। आरसीबी की गेंदबाज सयाली सतघारे ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 21 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि नडाइन डि क्लेर्क को दो विकेट मिले। इससे पहले गुजरात के लिये आरसीबी का पहला विकेट तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने और दूसरा आस्ट्रेलिया दौरे के लिये भारतीय टीम में जगह बनाने वाली गौतम ने चटकाया।

जीत का जश्न मनातीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की खिलाड़ी। एजेंसी

पिछले मैच में 96 रन बनाने वाली कप्तान स्मृति मंधाना (23 गेंद में 26 रन) ने नाईक के साथ तीसरे विकेट के लिये 60 रन की साझेदारी करके पारी को संभाला। गुजरात की कप्तान गार्डनर ने हालांकि मंधाना को पगबाधा आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा। नाईक ने 55 गेंद की अपनी पारी में सात चौकों और एक छक्के के साथ 73 रन बनाए।

...तो बाहर रहने को तैयार रहे बांग्लादेश

- आईसीसी ने चेतावनी देते हुए कहा-कल तक लें फैसला
- भारत से मैच स्थानांतरित करने के लिए अड़ा है बांग्लादेश

नई दिल्ली, एजेंसी

आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड से कहा है कि भारत में होने वाले टी20 विश्व कप में भागीदारी को लेकर 21 जनवरी तक फैसला ले या सात फरवरी से शुरू हो रहे टूर्नामेंट से बाहर होने को तैयार रहे।

आईसीसी और बीसीबी के बीच बातचीत के बावजूद मसले का कोई हल नहीं निकल पाया है। यह संकट बीसीसीआई के निर्देश पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से बाहर किए जाने के बाद शुरू हुआ।

आईसीसी के एक सूत्र ने कहा बीसीबी अधिकारियों को 21 जनवरी तक फैसला लेने के लिये कहा गया है। अगर वे भारत आने से इनकार करते हैं तो रैंकिंग के आधार पर किसी दूसरी टीम को चुन लिया जाएगा। सुरक्षा चिंताओं और राष्ट्रीय गौरव का हवाला देकर बीसीबी ने कहा है कि उसकी टीम कोलकाता और मुंबई में विश्व कप के लीग मैच खेलने भारत नहीं जाएगी। टूर्नामेंट का कार्यक्रम घोषित हो चुका है लिहाजा आईसीसी बांग्लादेश के मैच श्रीलंका में स्थानांतरित नहीं करेगी।

स्कॉटलैंड को मिल सकता मौका

बांग्लादेश अगर आने से इनकार करता है तो मौजूदा रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को मौका मिल सकता है। बांग्लादेश ग्रुप सी में वेस्टइंडीज, इटली, इंग्लैंड और नेपाल के साथ है।

सेनेगल ने मोरक्को को हराकर जीता अफ्रीका कप

रबात (मोरक्को)। सेनेगल ने पेप गुये के अतिरिक्त समय में किए गए गोल की मदद से मेजबान मोरक्को को 1-0 से हराकर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। बेहद तनावपूर्ण परिस्थितियों में खेले गए फाइनल में दोनों टीम निर्धारित समय तक गोल नहीं कर पाई थी लेकिन आखिर में पेप गुये निर्णायक गोल करने में सफल रहे।

फाइनल मैच में तनाव काफी बढ़ गया था। मैच के दौरान ऐसा समय भी आया जब दर्शकों ने मैदान पर घुसने की कोशिश की। यही नहीं सेनेगल के खिलाड़ी दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में पेनल्टी के फैसले के विरोध में मैदान से बाहर चले गए थे। यह स्पष्ट नहीं था कि खेल जारी रह पाएगा या नहीं क्योंकि प्रशंसक सुरक्षाकर्मियों से भिड़ गए थे।

इसके कारण 14 मिनट तक खेल नहीं हो पाया था। खेल शुरू होने पर सेनेगल के एडुआर्ड मेंडी ने ब्राहिम डियाज़ की पेनल्टी को आसानी से बचा लिया।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

गॉफ ने पहले दौर के मैच में कामिला रखिमोवा को सीधे सेटों में पराजित किया

कोको गॉफ, अनिसिमोवा और मेडवेदेव दूसरे दौर में

मेलबर्न, एजेंसी

तीसरी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को अपनी सर्विस पर कुछ परेशानी का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद वह अमांडा अनिमिसोवा और दानिल मेडवेदेव के साथ सोमवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रही। गॉफ ने पहले दौर के मैच में कामिला रखिमोवा को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से पराजित किया।

गॉफ ने दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं, लेकिन मेलबर्न पार्क में वह कभी सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई हैं। पिछले साल वह क्वार्टरफाइनल में बाहर हो गई थीं। अमेरिकी खिलाड़ी को फिर से डबल फॉल्ट की समस्या से जूझना पड़ा।

दूसरे दौर में गॉफ का सामना ओल्गा डैनिलोविच से होगा। डैनिलोविच ने रविवार को पहले दौर के मैच में 45 वर्षीय वीनस विलियम्स को हराया था। महिला वर्ग के अन्य महत्वपूर्ण मैचों में

विश्व रैंकिंग में चौथे नंबर की खिलाड़ी और पिछले दो ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली अमांडा अनिसिमोवा ने सिमोना वाल्टरट को 6-3, 6-2 से, नंबर छह जेसिका पेगुला ने अनास्तासिया ज़खारोवा को 6-2, 6-1 से और नंबर 14 क्लारा टौसन ने डाल्मा गाल्फी को 6-3, 6-3 से हराया। इस बीच 27वीं वरीयता प्राप्त और 2020 की चैंपियन सोफिया केनिन का खराब प्रदर्शन जारी रहा। वह पहले दौर में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी पेटन स्टर्न्स से 6-3, 6-2 से हार गईं। स्टर्न्स का अगला मुकाबला क्रोएशिया की पेट्रा मार्किको से होगा। एम्मा नवारो भी पोलैंड की मैग्डा लिनेट से तीन सेटों में हार गईं। पुरुषों के वर्ग में कनाडा की सातवीं वरीयता प्राप्त फेलिक्स औगर अलियासिमे ने पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस के खिलाफ अपना मैच बीच में ही छोड़ दिया। दो घंटे से कुछ अधिक समय तक चले इस मैच में तब बोर्गेस 3-6, 6-4, 6-4 से आगे चल रहे थे। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में तीन बार के उपविजेता दानिल मेदवेदेव ने जेस्पर डी जोंग को 7-5, 6-2, 7-6 (2) से हराकर ऑस्ट्रेलिया में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। उन्होंने ब्रिस्बेन में खिताब जीता था।

जोकोविच ने 100वीं जीत दर्ज की

मेलबर्न। सार्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया ओपन में स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज को हराकर अपने करियर की 100वीं जीत दर्ज की। आज यहां पूर्व नंबर वन टेनिस खिलाड़ी जोकोविच ने पेड्रो मार्टिनेज को 6–3, 6–2, 6–2 से हराकर शानदार प्रदर्शन करते हुए मेलबर्न पार्क में अपनी 100वीं करियर जीत हासिल की। रिकॉर्ड 10 बार के ऑस्ट्रेलिया ओपन चैंपियन जोकोविच की अब टूर्नामेंट में रोजर फेडरर के 102 मैच जीतने के ऑल–टाइम रिकॉर्ड को तोड़ने पर नजर हैं। मैच के बाद जोकोविच ने कहा मैं क्या कहूं। संेचुरी बनाना बहुत अच्छा है। उन्होंने कहा मैं शुरू में बहुत भाग्यशाली था कि मुझे कुछ ऐसे लोग मिले जिन्होंने मुझे सिखाया और गाइड किया कि मैं अपने करियर में लंबी रेस का घोड़ा बनूं, जल्दी थक न जाऊं।